नई दिल्ली । मंगलवार, 16 जून, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वितीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :161/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल हॉकी विमेंस नेशंस कप : भारतीय टीम ने जीत के...
@ विचार धर्मार्थ न्यासों की सामाजिक शक्ति...
@ व्यापार वैश्विक स्तर पर स्थिरता के संकेतों से शेयर बाजार...

संक्षिप्त खबर

हजारों टन एलएनजी लेकर भारत आ रहा जहाज 'दिशा'

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की सप्लाई को लेकर फैली आशंकाओं के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा बयान दिया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि देश में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य और स्थिर है। इसी बीच ऊर्जा आपूर्ति को लेकर एक और राहत देने वाली खबर सामने आई है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने बताया है कि एलएनजी वाहक पोत 'दिशा' 62,370 मीट्रिक टन एलएनजी कार्गो लेकर सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुका है। मंत्रालय के निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने बताया कि यह पोत 18 जून को गुजरात के दहेज बंदरगाह पहुंचने की उम्मीद है।

शिमला में ईडी की कार्रवाई

शिमला। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के शिमला ऑफिस ने सोमवार को 'प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, 2002' की धारा 17(1) के तहत क्रिप्टोकरेंसी फ्रॉड मामले में विजय जुनेजा और मासूम जुनेजा के ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान ऐसे दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस मिले, जो इस मामले में सबूत का काम करेंगे। ईडी ने हिमाचल प्रदेश और पंजाब पुलिस द्वारा सुभाष शर्मा और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। जांच से पता चला है कि 2018 में सुभाष शर्मा ने हेम राज, सुखदेव ठाकुर, अभिषेक शर्मा और राधिका शर्मा जैसे सह-आरोपियों के साथ मिलकर एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए क्रिप्टोकरेंसी-बेस्ड एमएलएम स्कीम शुरू की थी।

तेज प्रताप यादव ने लौटाई सुरक्षा

पटना। जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार सरकार में पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने अपनी सुरक्षा वापस कर दी। उन्होंने कहा कि अगर उनके साथ कोई भी अनहोनी होती है तो इसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी। तेज प्रताप यादव ने पटना में शिक्षक रौशन आनंद के भाई की मौत को लेकर खान सर पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने अपनी सभी सुरक्षा व्यवस्थाएं वापस कर दी हैं। बताया जा रहा है कि यह मामला पहले से ही बिहार सरकार के संज्ञान में था। बिहार से बाहर रहने के कारण उन्हें सुरक्षा प्राप्त थी, लेकिन बिहार लौटते ही उन्होंने स्वयं अपनी सारी सुरक्षा वापस कर दी।

खुल गया होर्मुज, आवाजाही शुरू

राष्ट्रपति ट्रंप का बड़ा दावा, शुक्रवार को होगा यूएस-ईरान में शांति समझौता

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध खत्म होने की उम्मीद जगी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही फिर शुरू हो गई है। यह हलचल दोनों देशों के बीच शांति समझौते की घोषणा के बाद दिखी है।

अमेरिका और ईरान आगामी शुक्रवार को एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेंगे। इससे अमेरिका-इस्त्राइल और ईरान के बीच जारी युद्ध रुक जाएगा। हालांकि, अमेरिकी सेना ने साफ किया है कि शुक्रवार को आधिकारिक दस्तखत होने तक ईरानी बंदरगाहों की नौसैनिक नाकेबंदी पूरी तरह जारी रहेगी।

ओमान के रास्ते निकले तेल के जहाज, सेना अलर्ट

राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इस बदलाव की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि तेल से लदे कई जहाज होर्मुज जलमार्ग से बाहर निकल रहे हैं। ये जहाज ओमान के समुद्री क्षेत्र वाले 'साउदर्न हाईवे' से जा रहे हैं। ट्रंप ने इस रास्ते को सुरक्षित और बेहतरीन बताया है।

दूसरी ओर, अमेरिकी सैन्य सलाहकारों ने जहाजों को सख्त निर्देश दिए हैं। मीडिया के अनुसार, सेना ने कहा है कि जब तक नया आदेश न मिले, कोई जहाज नाकेबंदी पार न करे। इस शुरुआती समझौते में सिर्फ रास्ता खोलने और नाकेबंदी हटाने पर सहमति बनी है। परमाणु कार्यक्रम और प्रतिबंधों जैसे कड़े मुद्दों पर अगले 60 दिनों तक अलग से बातचीत होगी।

बारूदी सुरंगों का खतरा, फंसे हैं 500 जहाज

वैश्विक तेल बाजारों में इस खबर से सुधार देखा गया है। लेकिन इस मुख्य जलमार्ग को पूरी तरह सामान्य होने में अभी महीनों का समय लगेगा। समुद्री सुरक्षा एजेंसियों ने मीडिया को बताया कि पानी में बिछी बारूदी सुरंगों को हटाना बड़ी चुनौती है। इन्हें साफ करने में 40 से 50 दिन लग सकते हैं। इसके बाद ही बीमा कंपनियां जहाजों को सुरक्षा की गारंटी देंगी।

इंटरनेशनल चैंबर ऑफ शिपिंग के अनुसार, इस रास्ते पर करीब 500 जहाज फंसे हुए हैं। इन पर 20,000 कर्मचारी भी फंसे हैं। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) ने इस युद्ध के दौरान जहाजों पर 46 हमलों की पुष्टि की है। ट्रंप इस हफ्ते फ्रांस में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में भी बारूदी सुरंगें हटाने पर चर्चा करेंगे।

भारत-ईयू एफटीए को अंतिम रूप देने में स्लोवाकिया ने की अहम मदद : पीएम मोदी

भारत-स्लोवाकिया संबंधों को नई ऊंचाई तक पहुंचाने में अटूट प्रतिबद्धता

एजेंसी ■ ब्रातिस्लावा

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्लोवाकियाई रॉबर्ट फिचो के बीच ब्रातिस्लावा कैसल में अहम मुलाकात हुई। दोनों के बीच अहम बैठक हुई, जिसके बाद एक संयुक्त प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने इस दौरे को ऐतिहासिक बताया और भारत-ईयू एफटीए को अंतिम रूप देने में स्लोवाकिया की मदद का आभार भी जताया।

पीएम मोदी ने संयुक्त वार्ता में कहा, 'मेरी यह यात्रा किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की स्लोवाकिया की पहली यात्रा है। मुझे खुशी है कि इस ऐतिहासिक अवसर पर हमने अपने संबंधों को कंप्रिहेंसिव पार्टनरशिप (व्यापक साझेदारी) का दर्जा देने का निर्णय लिया है। हमारे

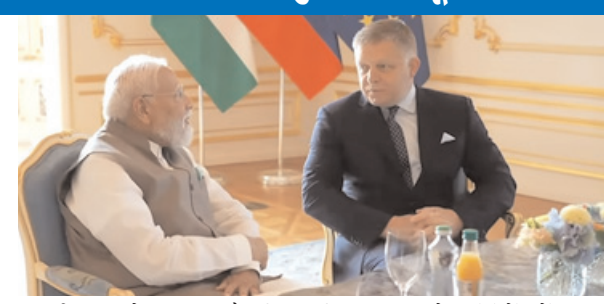

आत्मीयता भरे स्वागत के लिए प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिचो का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। वे अनुभवी नेता होने के साथ भारत के सच्चे मित्र हैं।'

इसके बाद प्रधानमंत्री ने भारत-स्लोवाकिया संबंधों को नई ऊंचाई तक पहुंचाने में उनकी मित्रता और अटूट प्रतिबद्धता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 'उनकी मित्रता और अटूट प्रतिबद्धता का विशेष महत्व रहा है। मुझे खुशी है कि आज उनसे मिलकर हमारे संबंधों में एक ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने का सुअवसर मिला।' भारत के प्रधानमंत्री ने इंडिया-ईयू एफटीए को अंतिम रूप देने में स्लोवाकिया से मिले सहयोग के लिए भी पीएम फिचो का विशेष आभार व्यक्त किया, साथ ही कहा कि भारत इसे जल्द से जल्द लागू करने के लिए काम करेगा ताकि दोनों देशों के उद्योग, स्टार्टअप्स और ट्रेडर्स इसका अधिकतम लाभ उठा सकें।

मैसूर के रेस्तरां-बार में लगी भीषण आग, 2 लोगों की मौत

एजेंसी ■ मैसूर

कर्नाटक के मैसूर में एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक रेस्तरां-बार में भीषण आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई, वहीं 7 लोग बुरी तरह से झुलस गए हैं। घटना आरटी नगर इलाके में दत्तागल्ली के पास स्थित बार 'फॉक्स डेन लिकर गैराज बार एंड रेस्टोरेंट' में हुई है।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। आग तेजी से पूरे रेस्तरां में फैल गई, जिसने कुछ ही मिनटों में रेस्तरां के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। तेजी से फैलाती आग का चलते अंदर मौजूद लोगों और कर्मचारियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। मरने वालों की पहचान दार्जिलिंग के रहने वाले साहिन (26) और नेपाल के रहने वाले प्रकाश (24) के तौर पर हुई है। दोनों इसी रेस्तरां में काम करते थे। रिपोर्ट्स के अनुसार आग के तेज होने पर वे इमारत के अंदर ही फंस गए थे। मौके पर ही जलने से उनकी मौत हो गई। इस घटना में सात अन्य लोग घायल हो गए, फिलहाल उन्हें इलाज के लिए करीबी अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि कुछ लोग बुरी तारह झुलस गये हैं, जबकि कुछ लोग धुएं से भरी इमारत से बाहर निकलने की कोशिश में घायल हो गए।

कुणाल घोष पर फेंके गए अंडे

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस पार्टी को छोड़कर जाने वालों की मुश्किलों से घिरी है, वहीं उसके नेताओं के प्रति आम जन का गुस्सा लगातार बढ़ता दिख रहा है। अब तक टीएमसी के कई नेता आम जनता के गुस्से का शिकार बन चुके हैं। इस सूची में नया नाम टीएमसी विधायक कुणाल घोष का जुड़ा है।

दरअसल, कोलकाता में पार्टी चेयरपर्सन ममता बनर्जी से मुलाकात के बाद उनके घर से निकल रहे कुणाल घोष पर एक स्थानीय युवक ने अंडा फेंका। वहीं इस मामले में चंदन नाम के युवक ने बताया कि, 'उन्होंने लोगों पर बहुत जुल्म किए

हैं। कुणाल घोष भी कम नहीं हैं। इसलिए, वे इसी के लायक हैं... उन्होंने हमारे साथ बहुत बुरा किया है'।

घटना के बाद क्या बोले कुणाल घोष

इस घटना के बाद कुणाल घोष ने कहा, 'मैं ममता बनर्जी के घर पर हमारे सीनियर नेताओं के साथ मीटिंग के लिए गया था। निकलते समय पत्रकारों ने मुझे रोका और मैं उनके सवालों का जवाब दे रहा था। यह पूरी घटना आपके कैमरों में कैद हो गई है। मैं वहां बिना किसी हथियार के खड़ा था, इसलिए आसानी से निशाना बन गया। वहां दो युवक थे। एक की पहचान हो गई है। उनमें से एक ने मुझ पर अंडा फेंका।

महाराष्ट्र में 'ऑपरेशन टाईगर' की तैयारी!

एजेंसी ■ मुंबई

शिवसेना नेता और पूर्व सांसद कृपाल तुमाने ने दावा किया कि शिंदे गुट में सात सांसदों का शामिल होना मॉनसून सत्र से पहले ही हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि महाराष्ट्र की राजनीति में जल्द ही 'ऑपरेशन टाइगर' शुरू होने वाला है। महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य तुमाने ने आगे कहा कि सांसदों के साथ हुए 'ऑपरेशन टाइगर' के बाद, विधायकों के लिए भी 'ऑपरेशन टाइगर' चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभी 16 विधायक एकनाथ शिंदे के संपर्क में हैं। महाराष्ट्र में राजनीतिक अटकलें तेज़

हो गई हैं। कहा जा रहा है कि संसद के आने वाले मॉनसून सत्र से पहले, उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना के सात लोकसभा सांसद, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो सकते हैं। इन अटकलों को और हवा देते हुए, शिवसेना नेता और पूर्व सांसद कृपाल तुमाने ने दावा किया कि शिंदे गुट में इन सात सांसदों का शामिल होना मॉनसून सत्र से पहले ही हो जाएगा।

छत्तीसगढ़ में बिजली दरें बढ़ीं

रायपुर। छत्तीसगढ़ के लाखों बिजली उपभोक्ताओं के लिए बड़ा अपडेट सामने आया है। अब 1 जुलाई 2026 से बिजली का बिल बढ़कर आएगा। राज्य विद्युत नियामक आयोग ने नए टैरिफ को मंजूरी दे दी है। बिजली कंपनी ने 24% तक दर बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन आयोग ने औसतन सिर्फ 6.23% बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। इसके बावजूद घरेलू उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 30 से 50 पैसे तक ज्यादा भुगतान करना पड़ेगा। गैर-घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 20 से 40 पैसे प्रति यूनिट और कृषि पंप उपभोक्ताओं के लिए 40 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी तय की गई है।

हालांकि किसानों को थोड़ी राहत भी दी गई है। कृषि पंपों पर मिलने वाली छूट 30% से बढ़ाकर 40% कर दी गई है। वहीं प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं को 1% छूट मिलती रहेगी और महिला स्व-सहायता समूहों को ऊर्जा शुल्क में 10% की राहत जारी रहेगी। आयोग ने बिजली कंपनी के 6304 करोड़ रुपये के घाटे के दावे को घटाकर 1662 करोड़ रुपये माना है और कई मदों में लागत कम करते हुए नई दरें तय की हैं। अब इस फैसले का असर प्रदेश के करीब 65 लाख बिजली उपभोक्ताओं की जेब पर दिखाई देगा।

इजराइल का यूएस-ईरान शांति समझौते को मानने से इनकार

नेतन्याहू के मंत्री बोले- लेबनान से पीछे नहीं हटेंगे, हम अमेरिका के गुलाम नहीं

एजेंसी ■ तेहरान/वॉशिंगटन

इजराइल ने अमेरिका और ईरान के बीच होने वाले शांति समझौते को मानने से इनकार कर दिया है। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने भी कहा है कि, उनकी सेना दक्षिणी लेबनान से पीछे नहीं हटेगी। लेबनान, सीरिया और गाजा में बनाए गए सिक्योरिटी जोन में इजराइली सेना अनिश्चितकाल तक तैनात रहेगी।

वहीं, इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतमार बेन ग्वीर ने पीस डील पर नाराजगी जताते हुए कहा, 'हम अमेरिका के गुलाम नहीं है। इजराइल

एक आजाद देश हैं और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का यह समझौता इजराइल पर लागू नहीं होता।'

इधर, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बताया कि अमेरिका-ईरान 19 जून को स्विट्जरलैंड के जेनेवा में पीस डील पर दस्तखत करेंगे। अगर ऐसा होता है तो 47 साल में तेहरान और वॉशिंगटन के बीच यह पहली हाई लेवल बैठक होगी। ईरान-अमेरिका के बीच हुए समझौते का पूरा दस्तावेज अभी जारी नहीं किया गया है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा है कि रूख पर हस्ताक्षर होने के बाद शुरू होने वाली 60 दिन की अमेरिका-ईरान की बातचीत इस बात पर निर्भर करेगी कि अमेरिका पहले अपने तीन वादे पूरे करता है या नहीं।

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक को युवकों ने थप्पड़ मारा

पुलिस ने युवकों को हिरासत में लिया, जयपुर में हुई घटना

एजेंसी ■ जयपुर

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके के साथ जयपुर में प्रदर्शन के दौरान धक्का-मुक्की और हंगामे की घटना सामने आई है। शहीद स्मारक पर आयोजित विरोध-प्रदर्शन के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने अभिजीत दीपके को थप्पड़ मार दिए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जिसके बाद पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया।

थप्पड़ की घटना के बाद बढ़ी हलचल

प्रदर्शन के दौरान हुए विवाद और थप्पड़ मारने की घटना के बाद कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए प्रदर्शनकारियों को मौके से हटाया। फिलहाल घटना को लेकर पुलिस की ओर से आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

कई मुद्दों को लेकर सीजेपी ने प्रदर्शन आयोजित किया था

कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से नीट पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था में सुधार, बेरोजगारी और अन्य छात्र-युवा मुद्दों को लेकर प्रदर्शन आयोजित किया गया था। प्रदर्शन के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी उठाई गई।

व्यापक सुधार और जवाबदेही तय करने की थी मांग

सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि शिक्षा से जुड़े मुद्दे अब केवल परीक्षा अनियमितताओं तक सीमित नहीं हैं। छात्र, युवा और अभिभावक बेहतर और पारदर्शी व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार और जवाबदेही तय करने की मांग दोहराई।

अभिजीत दीपके रविवार देर रात जयपुर पहुंचे थे। प्रदर्शन को लेकर जयपुर पुलिस ने निर्धारित शर्तों के साथ अनुमति दी थी। प्रशासन की ओर से कार्यक्रम में अधिकतम 800 लोगों को शामिल होने की अनुमति प्रदान की गई थी। साथ ही आयोजकों को कानून-व्यवस्था और यातायात व्यवस्था प्रभावित नहीं करने के निर्देश भी दिए गए थे।

प्रदर्शन में शामिल होने जयपुर पहुंचे अभिजीत दीपके ने बताया कि कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत एक सोशल मीडिया पोस्ट से हुई थी। उनके अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश की एक टिप्पणी के बाद 'कॉकरोच' शब्द चर्चा में आया था। इसी के बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट लिखकर पार्टी बनाने की घोषणा की थी।

भारत और श्रीलंकाई खिलाड़ियों के बीच धक्का-मुक्की हो गई

एजेंसी ■ दांबुला

श्रीलंका-ए ने दांबुला में खेले गए ट्राई सीरीज के रोमांचक मुकाबले में भारत-ए को सुपर ओवर में हरा दिया। मैच के बाद 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की एक श्रीलंकाई खिलाड़ी से बहस हो गई और इसी दौरान उन्होंने विरोधी खिलाड़ी को धक्का भी दे दिया। श्रीलंकाई विकेटकीपर निरोशन डिकवेला ने बीचबचाव कर मामला शांत कराया।

इससे पहले, मुकाबला टाई हो गया। भारत-ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.2 ओवर में 265 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका-ए भी 50 ओवर में 265 रन ही बना सकी। आखिरी गेंद पर श्रीलंका को जीत के लिए 2 रन चाहिए थे, लेकिन टीम सिर्फ 1 रन ही बना सकी। इसके बाद श्रीलंका-ए ने सुपर ओवर में 16 रन

बनाए। जवाब में भारत 9 रन ही बना सका। जब मैच टाई हुआ तब यह स्पष्ट नहीं था कि सुपर ओवर होगा या नहीं। अंपायर तर्क दे रहे थे कि काफी शाम हो चुकी है और आगे मुकाबला संभव नहीं होगा। इसके बाद भारतीय कप्तान तिलक वर्मा की अंपायर से बहस हुई। फिर सुपर ओवर कराने का फैसला किया गया। इसके बाद अगला विवाद सुपर ओवर में श्रीलंका की पारी की आखिरी गेंद पर हुआ। अरशद खान की फुलटॉस गेंद पर श्रीलंकाई बल्लेबाज कैच आउट हुए। अंपायर ने बल्लेबाज को आउट करार दे दिया और भारतीय फील्डर्स ग्राउंड से बाहर चले गए। इसके बाद रिप्ले देखने के बाद पता चला कि यह गेंद नो बॉल थी। गेंद बल्लेबाज की कमर से ऊपर थी। इसके बाद भारतीय फील्डर्स को दोबारा बुलाया गया और आखिरी गेंद फिर से कराया गया।

विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए सरकार उठाएगी और कदमः वित्त मंत्री सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि सरकार देश में अधिक विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए आगे भी कई कदम उठाएगी और बॉन्ड मार्केट के लिए हाल में घोषित उपाय इस दिशा में सिर्फ शुरुआत हैं।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित हीरो माइंडमाइन समिट 2026 को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा, 'हम मानते हैं कि देश में और अधिक विदेशी पूंजी आने की जरूरत है। लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और बैंकों को विदेश से धन जुटाने की अनुमति देना इस कहानी का अंत नहीं है। हम आगे भी और कदम उठाएंगे।'

उन्होंने कहा कि सरकार विदेशी निवेश बढ़ाने की आवश्यकता को समझती है और आरबीआई के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने पर काम कर रही है कि बाजारों को आवश्यक निवेश मिलता रहे।

वित्त मंत्री ने कहा, 'हम मानते हैं कि बॉन्ड मार्केट आने वाली विदेशी पूंजी को समाहित करने का एक अच्छा माध्यम बन सकता है। फिलहाल यह सुविधा केवल सरकारी प्रतिभूतियों के लिए दी गई है, लेकिन यह अंतिम कदम नहीं है। हमें एहसास है कि देश में और अधिक विदेशी पूंजी आनी चाहिए। सीतारमण ने कहा कि भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत के पास बड़ा घरेलू बाजार है और खपत लगातार बढ़ रही है, जो अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत है। वित्त मंत्री ने कहा कि दुनिया भर के अन्य देशों और कारोबारों की तरह भारत भी कई ऐसी अनिश्चितताओं का सामना कर रहा है जो उसके नियंत्रण से बाहर हैं। इनमें टैरिफ, कमोडिटी कीमतों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक सप्लाई चेन में आने वाली बाधाएं शामिल हैं। हालांकि भारत का बड़ा घरेलू बाजार इन चुनौतियों से कुछ हद तक सुरक्षा प्रदान करता है, लेकिन देश अब भी कई महत्वपूर्ण कच्चे माल और मध्यवर्ती उत्पादों के आयात पर निर्भर है, जिससे बाहरी झटकों का असर पड़ सकता है। उनके अनुसार, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, बीमा लागत में वृद्धि और समुद्री परिवहन से जुड़े जोखिम भारत के आयात बिल और विदेशी मुद्रा की जरूरतों को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'सिर्फ कच्चे तेल की कीमत ही चुनौती नहीं है, बल्कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले तेल जहाजों के लिए बीमा और जोखिम की लागत भी बढ़ गई है। ऐसे में भारत को बढ़ती बाहरी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार बनाए रखना होगा।

भारत की एकता कोई आधुनिक विचार नहीं, बल्कि एक प्राचीन सभ्यतागत वास्तविकता हैः उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को नई दिल्ली के उपराष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में 'अगथियार - द यूनिफायर' नामक पुस्तक का विमोचन किया।

भारत की सभ्यतागत एकता के बारे में बोलते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय एकता पर चर्चा के दौरान अक्सर राजाओं और राजनीतिक संस्थाओं का जिक्र होता है, लेकिन भारत की एकता के सच्चे निर्माता इसके संत और ऋषि थे। उन्होंने कहा कि इनमें अगस्त्य संत भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक एकता के सबसे महान प्रतीकों में से एक हैं।

उन्होंने कहा कि अगस्तियार, जिन्हें उत्तर और दक्षिण भारतीय परंपराओं में समान रूप से पूजा जाता है, हिमालय से लेकर हिंद महासागर तक फैले भारत की एकता का प्रतीक हैं। तमिलनाडु की पोथिगई पहाड़ियों और कावेरी नदी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ये स्थान अगस्तियार की स्मृति को ताजा करते हैं। उन्होंने तमिल व्याकरण और तमिल संगम परंपरा के विकास में अगस्तियार के महत्वपूर्ण योगदान पर भी प्रकाश डाला और उन्हें उत्तर और दक्षिण भारत की संस्कृतियों के बीच एक सेतु बताया।

उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि अगस्तियार की विरासत यह दर्शाती है कि भारत की भाषाएं प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि बहन भाषाएं हैं, जिन्होंने आपसी सम्मान और सदियों के सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से एक-दूसरे को समृद्ध किया है।

सीपी राधाकृष्णन ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जहां अनेकों को तमिल भाषा से लाभ हुआ है, वहीं तमिल के संवर्धन के लिए अपना जीवन समर्पित करने वालों को आज उचित सम्मान नहीं मिल रहा है।

100 प्रतिशत ई-कोर्ट समन जारी कर रहा हरियाणा

चंडीगढ़ । हरियाणा ने अपने आपराधिक न्याय प्रणाली के आधुनिकीकरण में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। राज्य ने नए आपराधिक कानूनों के तहत कोर्ट समन को 100 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक रूप से जारी करने और ई-चार्जशीट के इस्तेमाल को 90 प्रतिशत से ज्यादा करने का लक्ष्य पूरा किया है।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में सोमवार को अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम तथा अंतरसंचालनीय आपराधिक न्याय प्रणाली पर आयोजित 33वीं राज्य सर्वोच्च समिति (एसएसी) की बैठक में इन उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया।

बैठक में नए आपराधिक कानूनों, सीसीटीएनएस और आईसीजेएस की पहलों के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अजय सिंघल ने कहा कि हरियाणा ने 7 जून से राष्ट्रीय नए आपराधिक कानून डैशबोर्ड पर पहला स्थान हासिल किया और जून 2021 से पिछले 59 महीनों में 44 बार शीर्ष पर बना रहा है। राज्य ने अप्रैल 2026 में प्रगति डैशबोर्ड पर भी पहला स्थान प्राप्त किया था।

समिति को सूचित किया गया कि हरियाणा पुलिस नागरिकों को उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करना जारी रखे हुए है और हर समय पोर्टल के माध्यम से सेवा का अधिकार (आरटीएस) डैशबोर्ड पर 10 में से 10 अंक प्राप्त कर रही है। 88.84 लाख से अधिक नागरिक आवेदनों का निर्धारित समय सीमा के भीतर निपटारा किया जा चुका है, जिससे हरियाणा पुलिस सार्वजनिक सेवा वितरण में राज्य के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विभागों में से एक बन गई है।

मुख्य सचिव रस्तोगी ने विभाग के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और सभी हितधारकों को इस गति को बनाए रखने, लंबित परियोजनाओं के समय पर कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने और पुलिसिंग, जांच और न्याय वितरण को अधिक कुशल, पारदर्शी और नागरिक हितैषी बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाते रहने का निर्देश दिया।

न्यायिक एकीकरण की पहलों की समीक्षा करते हुए समिति ने पाया कि अब सभी अदालती समन अदालत सूचना प्रणाली (सीआईएस) के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से तैयार किए जा रहे हैं, जो कागज रहित न्याय व्यवस्था की दिशा में एक बड़ा कदम है।

पुलिस और अदालती प्रणालियों के सफल एकीकरण के परिणामस्वरूप नए आपराधिक कानूनों के तहत ई-चार्जशीट की स्वीकृति 90 प्रतिशत के पार हो गई है, जिससे आपराधिक जांच और अभियोजन में दक्षता और पारदर्शिता में काफी सुधार हुआ है।

बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु आईसीजेएस 2.0 के तहत पुलिस अवसंरचना का चल रहा आधुनिकीकरण था। डिजिटल पुलिसिंग को मजबूत करने और पुलिस, जेलों, अभियोजन पक्ष, फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं और अदालतों के बीच निर्बाध सूचना साझाकरण को सुनिश्चित करने के लिए उच्चस्तरीय डेस्कटॉप कंप्यूटर, यूपीएस सिस्टम, मल्टी-फंक्शन प्रिंटर, क्यूआर कोड रीडर और प्रिंटर, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एंडपॉइंट और एलईडी डिस्प्ले सिस्टम सहित उन्नत प्रौद्योगिकी उपकरणों की खरीद और तैनाती की जा रही है।

दुनिया की सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट्स सूची में शामिल हुआ गुवाहाटी एयरपोर्ट का नया टर्मिनल

गुवाहाटी । असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को कहा कि गुवाहाटी हवाई अड्डे के नए टर्मिनल को प्रतिष्ठित प्रिक्स वर्साय वर्ल्ड्स मोस्ट ब्यूटीफुल एयरपोर्ट्स लिस्ट 2026 में स्थान मिला है। उन्होंने कहा कि यह असम की स्थापत्य कला, सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय शिल्पकला को मिली वैश्विक पहचान का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'दुनिया अब असम की स्थापत्य पहचान को नोटिस कर रही है। गुवाहाटी एयरपोर्ट का नया टर्मिनल प्रिक्स वर्साय की दुनिया के सबसे खूबसूरत हवाई अड्डों की सूची 2026 में शामिल हुआ है। इसके डिजाइन में स्वदेशी कला, स्थानीय कारीगरी और प्रकृति से प्रेरित कथाओं का शानदार समावेश किया गया है।

उन्होंने इसे पूरे राज्य के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि पूर्वोत्तर भारत का प्रवेश द्वार अब दुनिया के सबसे उत्कृष्ट हवाई अड्डों की सूची में शामिल हो गया है।

इससे पहले मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा था कि गुवाहाटी, जिसे लंबे समय से पूर्वोत्तर भारत का प्रवेश द्वार माना जाता रहा है, अब धीरे-धीरे दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए भारत का प्रवेश द्वार बनकर उभर रहा है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में शहर में कई ऐतिहासिक विकास परियोजनाएं आकार लेने वाली हैं और इसी सिलसिले में उन्होंने गुवाहाटी और उसके आसपास चल रही विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की है।

मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा था, 'पूर्वोत्तर का प्रवेश द्वार अब भारत का दक्षिण-पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार बन रहा है। गुवाहाटी आने वाले दिनों में कई ऐतिहासिक क्षणों का साक्षी बनने जा रहा है और इसी को देखते हुए मैंने राजधानी और उसके आसपास चल रही विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की।'

बता दें कि असम में, विशेष रूप से गुवाहाटी में, बड़े पैमाने पर आधारभूत ढांचा विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। केंद्र सरकार की एक्ट ईस्ट नीति के तहत, गुवाहाटी को आर्थिक और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित किया जा रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में राज्य सरकार ने शहर के शहरी ढांचे को आधुनिक बनाने और संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इनमें सड़क नेटवर्क का विस्तार, नए फ्लाईओवरों का निर्माण, रिवरफ्रंट विकास, सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं का विस्तार तथा पड़ोसी राज्यों और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से संपर्क मजबूत करने की योजनाएं शामिल हैं।

दिल्ली में नया आधार सेवा केंद्र शुरू, उपराज्यपाल टी.एस. संधू ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल टी.एस. संधू ने सोमवार को पश्चिमी दिल्ली के विकासपुरी में एक नए आधार सेवा केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य तकनीक के जरिए जमीनी स्तर पर सशक्तीकरण, पारदर्शिता और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देना है।

विकासपुरी में इस नई सुविधा का उद्घाटन करते हुए संधू ने इसे जीवन को आसान बनाने की दिशा में एक और कदम बताया। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने किशोर बच्चों के आधार डेटा को इस नए आधार सेवा केंद्र में अपडेट कराएं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश में उन्होंने कहा, ''यह सुचारू सेवा हमारी जनकल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम एक ऐसा नागरिक ढांचा बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो दिल्ली के लोगों को सशक्त बनाए और नागरिकों तथा शासन के बीच विश्वास को मजबूत करे।''

उपराज्यपाल ने कहा कि यह आधुनिक सुविधा राजधानी की नागरिक व्यवस्था को मजबूत करेगी और हजारों लोगों को सुरक्षित और तेज डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री मोदी के शासन मॉडल को दर्शाती है, जिसमें तकनीक के माध्यम से जमीनी स्तर पर सशक्तीकरण, पारदर्शिता और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा दिया जाता है। इससे प्रशासनिक प्रक्रियाएं आसान होती हैं और देश में जीवन को सरल बनाने की दिशा में बड़ा बदलाव आता है।

इससे पहले, संधू ने एक हिंदी अखबार के लिए लिखे अपने लेख को भी एक्स पर साझा किया था।

लेख में उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाई है। जन-धन योजना के जरिए आर्थिक सशक्तीकरण के साथ-साथ आधार, यूपीआई, कोविन और डिजिटल सार्वजनिक ढांचे जैसी योजनाओं ने शासन को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित बनाया है।

उन्होंने आगे कहा कि पिछले दशक में आधुनिक बुनियादी ढांचे, मजबूत राष्ट्रीय सुरक्षा और 2047 तक विकसित भारत के संकल्प ने देश को नई ऊर्जा और आत्मविश्वास दिया है। यह केवल तकनीकी बदलाव नहीं है, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को सशक्त बनाने का प्रतीक भी है।

राजस्थान में भीषण सड़क हादसाः डंपर और कार की टक्कर में 6 की मौत, 2 साल की बच्ची घायल

जयपुर। राजस्थान के बीकानेर जिले में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में पति-पत्नी और उनकी मासूम बेटी समेत छह लोगों की मौत हो गई, जबकि दो साल की एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब एक डंपर ट्रक और कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सभी मृतक हरियाणा के फतेहाबाद जिले के रहने वाले थे और मुकाम धाम से दर्शन कर वापस अपने घर लौट रहे थे।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे बीकानेर जिले के श्रीडूंगरगढ़ थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-11 पर होटल सिजरल के पास हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई और उसमें सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। श्रीडूंगरगढ़ के सर्किल ऑफिसर निकेत पारीक ने बताया कि हरियाणा नंबर की कार में कुल सात लोग सवार थे। हादसे में ओमप्रकाश (50) पुत्र भागीरथ बिश्नोई, उनकी पत्नी सोरमा देवी (45), उनकी तीन वर्षीय बेटी प्रमिला (3), रोनित (4) पुत्र सुरेंद्र कुमार, यश्वी (10) पुत्री अमित तथा खुशी (8) पुत्री संदीप की मौके पर ही मौत हो गई।

गौशालाओं को लेकर धर्मपाल सिंह का बड़ा एक्शन प्लान, अक्टूबर तक सभी निर्माण कार्य पूरे करने का अल्टीमेटम

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार ने गौ संरक्षण और दुग्ध विकास को नई गति देने के लिए बड़ा अभियान शुरू किया है। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रदेश की सभी गौशालाओं में चल रहे अवस्थापना संबंधी कार्य अक्टूबर 2026 तक हर हाल में पूरे किए जाएं।

उन्होंने चेतावनी दी कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता या गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री ने गौशालाओं की व्यवस्थाओं, पशु चिकित्सा सेवाओं और दुग्ध विकास कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि गौशालाओं को केवल संरक्षण केंद्र नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर इकाइयों के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए प्रदेश की प्रत्येक गौशाला में गोबर गैस प्लांट स्थापित किए जाएं, जिससे ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ अतिरिक्त आय के स्रोत भी विकसित हो सकें।

धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गौशालाओं का नियमित निरीक्षण किया जाए और वहां स्थापित भूसा बैंकों में वर्षभर के लिए पर्याप्त भूसा उपलब्ध रहे। साथ ही पशुओं के लिए हरे चारे की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आगामी मानसून को देखते हुए वृहद गौ संरक्षण केंद्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए। बैठक में मंत्री ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक पशु चिकित्सालय स्थापित करने की योजना पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा कि इसके लिए संबंधित विधायकों से प्रस्ताव प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई समयबद्ध ढंग से पूरी की जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में पशु स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाया जा सके। दुग्ध सहकारिता को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए ।

शिवसेना (यूबीटी) की एकजुटता सिर्फ दिखावा, पार्टी में नहीं बचा दम : संजय शिरसाट

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री संजय शिरसाट ने शिवसेना (यूबीटी) को लेकर दावा करते हुए कहा कि अब इस पार्टी में कोई भी एक दूसरे के साथ नहीं है। ये लोग सिर्फ एक-दूसरे को दिखाने के लिए साथ आ रहे हैं ।

उन्होंने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कल शिवसेना (यूबीटी) की जो बैठक बुलाई थी, वो इसलिए बुलाई गई थी, ताकि लोगों को यह संदेश दिया जा सके कि हम एकजुट हैं, जबकि सच्चाई यह है कि ये लोग एकजुट नहीं हैं। अब शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख इन्हें आपस में जोड़ने के कितने भी प्रयास भले ही करें, लेकिन इन्हें एकजुट नहीं कर पाएंगे। इन लोगों के लिए महाराष्ट्र की राजनीति किसी भी स्थिति में अनुकूल नहीं हो पाएगी । संजय शिरसाट के मुताबिक, अगर आप इनकी भाषा देखेंगे तो इससे यह साफ जाहिर होता है कि ये लोग कैसे आग्रहपूर्वक यह कह रहे थे कि आओ साथ में रहते हैं, एक दूसरे का मनोबल बढ़ाते हैं। इनकी आवाज में दम नजर नहीं आ रहा था। एक तरह का आग्रह नजर आ रहा था। इससे यह साफ जाहिर होता है कि अब पार्टी में कोई दम नहीं बचा है।

इसके अलावा, उन्होंने 'ऑपरेशन टाइगर' को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर 'ऑपरेशन टाइगर' कौन चला रहा है। संजय शिरसाट ने कहा कि कोई नहीं चला रहा है। सच्चाई यह है कि आप लोग जिस डाली में बैठे हुए हैं, उसे काटने पर आमादा हो चुके हैं, इसलिए आप लोगों को ऑपरेशन टाइगर करने की कोई जरूरत नहीं है और न ही कोई कर रहा है।

मंत्री संजय शिरसाट ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) के लोगों को पता है कि ये सांसद अब इनके नहीं हैं, इसलिए ये लोग इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

साथ ही, उन्होंने संजय राउत पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि संजय राउत जैसा बददिमाग इंसान मैंने कभी नहीं देखा है, जिनका खुद का घर उजड़ रहा है, लेकिन दूसरे घरों के लोगों को कह रहे हैं कि आप लोग एकजुट हो जाओ। अरे जाकर आप अपना घर संभालिए, आपको दिक्कत क्या है। संजय शिरसाट ने सवाल किया, आखिर संजय राउत ऐसा क्यों कर रहे हैं? संजय राउत को बेतुका बयान देने की आदत हो चुकी है।

मानसून पर लगा ब्रेक : 16 राज्यों को इंतजार

देश भर में मानसून की रफ्तार पड़ी धीमी

रायपुर। देश भर में मानसून की रफ्तार अचानक थम सी गई है। 15 जून की सैटेलाइट तस्वीरों को देखें तो बड़े हिस्सों से मानसूनी बादल पूरी तरह गायब नजर आ रहे हैं।

आंकड़ों पर गौर करें तो 4-15 जून के बीच देश में औसतन 53.7 मिमी बारिश होनी थी, लेकिन हुई सिर्फ 19.2 मिमी। यह बारिश में 64 फीसदी की बड़ी गिरावट है। मानसून अभी महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के आसपास अटक गया है। बिहार और झारखंड में भी यही हाल है।

हवाओं का मिजाज बदला

मानसून के सुस्त पड़ने की बड़ी वजह समुद्र में नमी की कमी नहीं, बल्कि आसमान की हवाएं हैं। ऊपरी वायुमंडल में पश्चिमी जेट स्ट्रीम सामान्य से ज्यादा दक्षिण की ओर खिसक गई है। इसकी वजह से अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी वाले बादल बन ही नहीं पा रहे हैं।

अगले 48 घंटे रहेंगे अहम

मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो दिनों में मानसून की स्थिति में बदलाव की उम्मीद है। 16 जून को बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है।

वहीं, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट है। एक तरफ मानसून का इंतजार है, तो दूसरी तरफ कुछ राज्यों में गर्मी का कहर जारी है। महाराष्ट्र के विदर्भ और मराठवाड़ा में 17 जून तक लू (हीटवेव) चलने की चेतावनी दी गई है। कोंकण और गोवा में रात तक उमस और गर्मी से लोग बेहाल रहेंगे। मौसम विभाग ने कुछ राज्यों में 50-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की बात कही जा रही है।

छत्तीसगढ़ में 20 जून तक प्रवेश करने की संभावना

छत्तीसगढ़ प्रदेश में बारिश का इंतजार कर रहे आम लोगों को अभी बारिश के लिए और इंतजार करना पड़ेगा क्योंकि मानसून छत्तीसगढ़ में कमजोर पड़ने की वजह से प्रवेश नहीं कर पाया है मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार मानसून 20 जून के आसपास छत्तीसगढ़ में प्रवेश करेगा उमस और चिपचिपाहट भरी गर्मी से परेशान लोगों को फिलहाल कोई समाधान नहीं मिलने वाला है मानसून के लिए 20 जून तक इंतजार करना होगा

मौसम विज्ञान केंद्र रायपुर के वैज्ञानिकों ने दैनिक विश्व केसरी से एक विशेष बातचीत में बताया है कि मध्य क्षेत्र में पश्चिमी हवा चल रही है वहीं अधिकतम तापमान में अधिक वृद्धि नहीं होने के कारण मानसून की गति धीमी बनी हुई है । छत्तीसगढ़ में मानसून अब तक प्रवेश नहीं कर पाया है 20 जून तक छत्तीसगढ़ में प्रवेश करने की संभावना है उनका कहना था कि उत्तर और दक्षिण के क्षेत्र में द्रोणिका के प्रभाव से बारिश हो रही है लेकिन उसे मानसून की बारिश नहीं कहा जा सकता वैज्ञानिकों ने बताया कि इस वर्ष एल नीनो का प्रभाव रहेगा इस वजह से बारिश को लेकर कोई स्थाई संकेत नहीं दिए जा सकते कहीं पर बारिश अधिक होगी तो कहीं पर कमजोर बारिश होने की भी संभावना है इधर बारिश को लेकर इंतजार कर रहे किसान और अन्य लोगों में काफी प्रभाव देखने को मिल रहा है अमूमन छत्तीसगढ़ में 15 जून के आसपास मानसून प्रवेश कर जाता है बस्तर संभाग में प्रवेश के साथ ही संपूर्ण छत्तीसगढ़ में बारिश होती है परंतु इस वर्ष 15 जून का समय पूरा हो गया है और मानसून प्रवेश नहीं कर पाया है किसान खेती की तैयारी कर रहे हैं ताकि बारिश के साथ ही फसल के कार्यों को बढ़ाया जा सके लेकिन फिलहाल चिंता का ही कारण बना रहेगा क्योंकि मानसून प्रवेश करने की रफ्तार धीमी है विशेष कर मध्य क्षेत्र बारिश को लेकर संकट में है रायपुर दुर्ग और बस्तर संभाग के क्षेत्र में हल्की मामूली बारिश हुई है जो मानसून पूर्व की बारिश है।

सरकारी अस्पतालों में घटिया दवाओं की सप्लाई का आरोप

कांग्रेस ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सरकारी अस्पतालों में सप्लाई की जा रही कथित अमानक, नकली और निम्न स्तरीय दवाओं के मामले में राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन के माध्यम से अस्पतालों में वितरित की जा रही दवाओं की गुणवत्ता को लेकर पिछले कई महीनों से गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं ने ज्ञापन में कहा कि मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन समय-समय पर ड्रग टेस्टिंग लैब की रिपोर्ट के आधार पर अपनी ही सप्लाई की गई दवाओं को अमानक घोषित कर वापस मंगाने के आदेश जारी करता रहा है। उनका कहना है कि जब तक ऐसी दवाओं पर रोक लगती है, तब तक हजारों मरीज उनका सेवन कर चुके होते हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि मेडिकल कॉलेजों, जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत डॉक्टरों, नर्सों और फार्मेसी स्टाफ ने कई बार दवाओं और इंजेक्शनों के उपयोग के दौरान विपरीत लक्षण सामने आने पर उनकी गुणवत्ता पर संदेह जताया है। कांग्रेस का आरोप है कि ऐसी शिकायतों पर सरकार ने प्रभावी कार्रवाई नहीं की। कांग्रेस ने दवाओं के भंडारण व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि कई जगहों पर दवाओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप स्टोर नहीं किया जाता।

संक्षिप्त खबरें

सड़कों और पुलों के निर्माण की धीमी गति पर बिफरे उप मुख्यमंत्री

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव द्वारा सड़कों व पुलों के निर्माण की धीमी गति पर गहरी नाराजगी जाहिर करने और ठेकेदारों पर कार्रवाई के निर्देश के बाद विभाग ने दो ठेकेदारों के पंजीयन निरस्त कर दिए हैं। लोक निर्माण विभाग ने कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं लाने वाले 8 ठेकेदारों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किए हैं। वहीं पूर्व में दो ठेकेदारों को जारी कारण बताओ नोटिस के जवाब का परीक्षण कर ठेकेदार के विरूद्ध कार्रवाई के लिए मुख्य अभियंता से प्रतिवेदन मंगाया गया है। लोक निर्माण विभाग ने 10 जून को भी राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर केशलूर-जगदलपुर मार्ग में किरंदुल-विशाखापट्टनम रेलवे लाइन के ऊपर केशलूर के पास बन रहे फोरलेन रेलवे ओवरब्रिज में काम की प्रगति मंजूर किए गए निर्माण कार्यक्रम से काफी पीछे होने और तय किए गए माइलस्टोन्स के अनुरूप नहीं होने पर ठेकेदार मेसर्स अशोक कुमार मित्तल को नोटिस जारी कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने पिछले सप्ताह चार दिनों के बस्तर प्रवास के दौरान अपने चारों विभागों के कार्यों का निरीक्षण कर गहन समीक्षा की थी। उन्होंने निरीक्षण और बैठकों के दौरान सड़कों व पुलों के निर्माण की धीमी प्रगति पर अधिकारियों एवं ठेकेदारों पर गहरी नाराजगी जताई थी।

2 ठेकेदारों के पंजीयन निरस्त

मुख्यमंत्री साय ने बच्चों से मन लगाकर पढ़ाई करने का किया आह्वान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 16 जून से नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ के अवसर पर प्रदेश के विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें पूरी लगन और उत्साह के साथ पढ़ाई करने का संदेश दिया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि आप सभी बच्चों के सपनों को आकार देने और उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने का माध्यम है। उन्होंने बच्चों से पूरे आत्मविश्वास, अनुशासन और उत्साह के साथ नियमित रूप से विद्यालय जाने तथा मन लगाकर पढ़ाई करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का परिश्रम और शिक्षा ही आने वाले समय में बच्चों की सफलता का आधार बनेगी। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़ने तथा ज्ञान, संस्कार और व्यक्तित्व विकास के माध्यम से प्रदेश और देश के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ के बच्चे अपनी प्रतिभा, मेहनत और संकल्प के बल पर भविष्य में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे तथा प्रदेश का नाम गौरवान्वित करेंगे। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के सफल, उज्ज्वल और प्रेरणादायी भविष्य की कामना की।

छत्तीसगढ़ में बंद हुए सभी टाइगर रिजर्व और अभ्यारण्य

1 अक्टूबर तक जंगल सफारी पर रोक

रायपुर। मानसून के आगमन और वन्यजीवों के प्रजनन काल को देखते हुए, हर साल की तरह इस वर्ष भी देश के अधिकांश टाइगर रिजर्व, राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों में जंगल सफारी 15 जून से 1 अक्टूबर तक साढ़े 3 महीने के लिए पर्यटकों के लिए बंद कर दी गई है । पीसीसीएफ एवं वन बल प्रमुख अरुण पांडेय ने बताया, हर साल मानसून के पहले टाइगर रिजर्व, राष्ट्रीय उद्यान और अभ्यारण्यों को बंद कर दिया जाता है। छत्तीसगढ़ में प्रकृति और वन्यजीवों की सुरक्षा तथा उनके प्रजनन काल को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। प्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व, राष्ट्रीय उद्यान (नेशनल पार्क) और वन्यजीव अभयारण्यों को आज (15 जून) से पर्यटकों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया गया है। मानसून के आगमन के साथ ही जंगलों में पर्यटन गतिविधियों पर यह अस्थायी रोक आगामी 1 अक्टूबर 2026 तक प्रभावी रहेगी। इसके बाद वन्यप्राणी सप्ताह के अवसर पर 2 अक्टूबर 2026 से जंगल सफारी और अन्य पर्यटन गतिविधियां दोबारा शुरू की जाएंगी।

वन विभाग के आला अधिकारियों के अनुसार, इस रोक के पीछे दो मुख्य कारण हैं। वर्षा ऋतु के दौरान जंगलों के भीतर स्थित कच्चे मार्ग और सफारी ट्रैक बुरी तरह प्रभावित हो जाते हैं।

स्पंज प्लांट के खिलाफ ग्रामीणों का मोर्चा पर्यावरण जनसुनवाई स्थगित करने की मांग

रायपुर (संवाददाता)। जिले के तिल्दा क्षेत्र में प्रस्तावित गौरी गणेश स्पंज प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट को लेकर ग्रामीणों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। ग्राम पंचायत मढ़ी, खपरी, गैतरा, सोनतरा, रायखेड़ा जाजगीरा, कोदवा और नकटी सहित आसपास के गांवों के ग्रामीणों ने कलेक्टर रायपुर को ज्ञापन सौंपकर 18 जून को प्रस्तावित पर्यावरण जनसुनवाई स्थगित करने की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी के संचालन से क्षेत्र में धूल, धुआं और पर्यावरण प्रदूषण की समस्या बढ़ेगी, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। ज्ञापन में कहा गया है कि आसपास के गांव पहले से ही धूल और डस्ट की समस्या से जूझ रहे हैं तथा प्लांट से निकलने वाले धुएं से वायु प्रदूषण और बढ़ने की आशंका है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि ग्राम पंचायत मढ़ी का उच्च माध्यमिक विद्यालय प्लांट के समीप स्थित है, जहां पढ़ने वाले बच्चों को प्रदूषण से गंभीर नुकसान हो सकता है। वहीं, प्लांट से करीब 400 मीटर की दूरी पर स्थित मां बंगारी धाम मंदिर भी धूल और डस्ट से प्रभावित होने की आशंका जताई गई है।

ज्ञापन में भारी मालवाहक वाहनों के आवागमन से सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ने, सड़कों के क्षतिग्रस्त होने तथा स्कूली बच्चों और ग्रामीणों की सुरक्षा पर संकट पैदा होने की बात भी कही गई है। ग्रामीणों ने ध्वनि प्रदूषण, श्रमिकों के PF और ESI भुगतान में कथित अनियमितताओं तथा ओवरटाइम भुगतान से जुड़े मुद्दे भी उठाए हैं।

स्कूल खोलने के फैसले पर पुनर्विचार करने अभिभावकों ने की अपील

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी और लू के प्रकोप के बीच 16 जून से नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत होने जा रही है। राज्य सरकार के निर्देशानुसार मंगलवार से स्कूल खुलेंगे, लेकिन इस फैसले को लेकर अभिभावकों, शिक्षाविदों और निजी स्कूल संगठनों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान अभी भी 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है, जबकि स्वास्थ्य विभाग की लू नियंत्रण एडवाइजरी में छोटे बच्चों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

अभिभावकों का आरोप है कि प्रदेश के अनेक सरकारी स्कूलों में अब भी बिजली, पंखे और शुद्ध पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बिजली कटौती की समस्या बनी हुई है। ऐसे में भीषण गर्मी के बीच बच्चों को स्कूल भेजना उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकता है।

पैरेंट्स एसोसिएशन ने 16 जून से स्कूल खोलने के निर्णय का विरोध करते हुए कहा है कि सरकार बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे। संगठन का कहना है कि यदि लू और गर्मी के कारण किसी बच्चे की तबीयत बिगड़ती है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। वहीं शिक्षाविदों ने भी सरकार से स्कूल खोलने के फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की है। उनका कहना है कि पहले सभी स्कूलों में बिजली, पंखे और पेयजल जैसी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके बाद ही नियमित कक्षाएं शुरू करना उचित होगा। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने कहा कि वर्तमान मौसम को देखते हुए सरकार को बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

मानसून से पहले तैयारी पर सवाल

रायपुर (संवाददाता)। हर साल मानसून आने से पहले राजधानी में नालों की सफाई, अतिक्रमण हटाने और जल निकासी व्यवस्था सुधारने के दावे किए जाते हैं। जेसीबी मशीनें उतरती हैं, गाद निकाली जाती है और अधिकारियों की बैठकें होती हैं। लेकिन पहली तेज बारिश के साथ ही शहर के कई हिस्से तालाब में बदल जाते हैं। इस बार भी मानसून की दस्तक से पहले सवाल वही है क्या रायपुर जलभराव की पुरानी बीमारी से उबर पाया है?

सरकारी दस्तावेजों के अनुसार रायपुर में औसतन 1200 से 1400 मिमी वार्षिक वर्षा होती है। तेजी से बढ़ते कंक्रीटीकरण और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों के बाधित होने के कारण बारिश का बड़ा हिस्सा नालों के माध्यम से बह जाता है। केंद्र सरकार ने हाल ही में बताया कि शहर में 32 हजार से अधिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग और भूजल रिचार्ज संरचनाएं बनाई गई हैं, लेकिन इसके बावजूद जलभराव की समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हो सकी है।

नगर निगम ने पिछले वर्षों में जलभराव प्रभावित क्षेत्रों की पहचान की थी। प्रोफेसर कॉलोनी, परशुराम नगर, कुकरीपारा, संतोषी नगर, कुशालपुर, शंकर नगर, तेलीबांधा और मोवा-सड्डू क्षेत्र लगातार संवेदनशील माने जाते रहे हैं। पिछले मानसून में इन इलाकों में पानी भरने के बाद नए नालों के निर्माण तक का प्रस्ताव तैयार करना पड़ा था।

इस वर्ष भी शहरी प्रशासन विभाग ने सभी नगरीय निकायों को नालों की सफाई, गाद निकासी और अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं। नगर निगम ने पचपेड़ी नाका, कुशालपुर, धर्मनगर, संतोषी नगर और अन्य प्रमुख नालों की सफाई अभियान चलाने का दावा किया है। जुलाई 2025 में हुई भारी बारिश ने शहर की पोल खोल दी थी। मात्र 33 घंटों में 103 मिमी से अधिक बारिश के बाद जयस्तंभ चौक सहित कई प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गई थीं।

छग विधानसभा का मानसून सत्र 13 जुलाई से

वित्तीय और शासकीय कार्य होंगे सम्पादित

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र की अधिसूचना जारी कर दी गई है। विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विधानसभा का पंचम सत्र 13 से प्रारंभ होकर 17 जुलाई तक चलेगा। पांच दिनों तक चलने वाले इस सत्र में सदन की कुल पांच बैठकें आयोजित की जाएंगी। सत्र के दौरान वित्तीय कार्यों के साथ-साथ अन्य महत्वपूर्ण शासकीय कार्य भी संपादित किए जाएंगे।

13 जुलाई से 16 जुलाई तक प्रतिदिन प्रश्नोत्तर काल और शासकीय कार्य निर्धारित किए गए हैं। वहीं सत्र के अंतिम दिन 17 जुलाई को प्रश्नोत्तर काल और शासकीय कार्यों के अलावा अन्य आवश्यक कार्य भी लिए जा सकेंगे। सत्र की अधिसूचना विधानसभा सचिव दिनेश शर्मा द्वारा जारी की गई है।

मानसून सत्र को लेकर प्रदेश की राजनीति में भी हलचल तेज होने लगी है। माना जा रहा है कि विपक्ष राज्य सरकार को विभिन्न जनहित के मुद्दों, कानून-व्यवस्था, किसानों की समस्याओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी और विकास कार्यों को लेकर घेरने की रणनीति तैयार कर रहा है। वहीं सरकार भी अपने विभागों से जुड़े कार्यों, योजनाओं और संभावित विधायी प्रस्तावों को सदन में प्रस्तुत कर सकती है। सत्र के दौरान विभिन्न विभागों से जुड़े प्रश्नों, ध्यानाकर्षण प्रस्तावों और अन्य संसदीय प्रक्रियाओं के माध्यम से कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। अधिसूचना जारी होने के साथ ही सभी राजनीतिक दलों और विधायकों ने मानसून सत्र की तैयारियां शुरू कर दी हैं। आगामी पांच दिवसीय सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच महत्वपूर्ण मुद्दों पर तीखी बहस देखने को मिल सकती है।

एचएनएलयू राज्यपाल द्वारा 'प्रशंसा पत्र' से सम्मानित

रायपुर। मानवीय कारणों में अपने उत्कृष्ट योगदान के लिए एक महत्वपूर्ण मान्यता प्राप्त करते हुए, हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, रायपुर को छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका द्वारा प्रतिष्ठित 'प्रशंसा पत्र' (साइटेशन ऑफ ऑनर) से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार स्वैच्छिक रक्तदान और सामुदायिक कल्याण के प्रति विश्वविद्यालय के निरंतर और सराहनीय प्रयासों को मान्यता देता है। यह सम्मान विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित एक विशेष अभिनंदन समारोह के दौरान प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ मंडपम, लोक भवन, रायपुर में किया गया।

विगत वर्षों में, एचएनएलयू ने स्वैच्छिक रक्तदान को एक महत्वपूर्ण जीवन रक्षक सेवा के रूप में सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया है, जिससे इसके छात्रों और कर्मचारियों के बीच सामाजिक जिम्मेदारी की गहरी भावना सफलतापूर्वक विकसित हुई है। डॉ. कौमुदी चल्ला की अध्यक्षता वाली विश्वविद्यालय की कानूनी और सामाजिक सेवा समिति (लीगल एंड सोशल सर्विसेज कमेटी) और डॉ. परवेश राजपूत के नेतृत्व वाले प्रो बोनो क्लब के माध्यम से, विश्वविद्यालय नियमित रूप से रक्तदान शिविर और जागरूकता अभियान आयोजित करता है। इन पहलों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयासों को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा दिया है और साथ ही शैक्षणिक कानूनी शिक्षा व सामाजिक आवश्यकताओं के बीच की दूरी को पाटने का काम किया है। विश्वविद्यालय का यह व्यापक सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम एचएनएलयू के माननीय कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) वी. सी. विवेकानंदन के विजन से प्रेरित है। प्रोफेसर विवेकानंदन ने लगातार 'कानूनी शिक्षा के समाजीकरण' (सोशलाइजेशन ऑफ लीगल एजुकेशन) का समर्थन किया है, और इस बात पर जोर दिया है कि राष्ट्र-निर्माण में कानूनी संस्थानों की भूमिका को मजबूत करने के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ सामुदायिक सेवा का होना भी बेहद अनिवार्य है। एचएनएलयू की ओर से, डॉ. दीपक कुमार श्रीवास्तव, कुलसचिव (प्रभारी) ने माननीय राज्यपाल से यह 'प्रशंसा पत्र' प्राप्त किया।

संपादकीय

अमेरिका व ईरान के बीच बने समझौते मसौदे के वैश्विक मायने

कमलेश पांडे

अमेरिका और ईरान के बीच हाल में उभरे समझौता-ढांचे (Framework Agreement) को यदि अंतिम रूप मिल जाता है, तो इसके प्रभाव केवल दोनों देशों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि पूरे पश्चिम एशिया, वैश्विक ऊर्जा बाजार और विश्व राजनीति पर पड़ेंगे। समझौते में युद्धविराम, परमाणु कार्यक्रम पर नियंत्रण, तेल प्रतिबंधों में राहत, ईरान की जमी हुई संपत्तियों की रिहाई तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने जैसे मुद्दे शामिल बताए जा रहे हैं। यदि यह समझौता सफलतापूर्वक लागू होता है, तो इसे 21वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक घटनाक्रमों में गिना जा सकता है। आइए इसके वैश्विक मायने को क्रमशः समझते हैं:-

पहला, वैश्विक ऊर्जा बाजार को मिलेगी बड़ी राहत: होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के तेल और स्व्हत्र व्यापार का एक अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है। इस मार्ग पर रणनीति पूर्वक ईरान ने अपना मजबूत कब्जा जमा लिया है। लिहाजा, इसके खुलने और तनाव घटने से कच्चे तेल की आपूर्ति सामान्य हो सकती है, जिससे तेल की कीमतों पर दबाव कम होगा। समझौते की खबर आते ही वैश्विक बाजारों में तेल कीमतों में गिरावट और शेयर बाजारों में तेजी देखी गई।

दूसरा, पश्चिम एशिया में घटेगा युद्ध का खतरा: यदि अमेरिका-ईरान टकराव कम होता है, तो लेबनान, इराक, सीरिया और खाड़ी क्षेत्र में भी तनाव कम होने की संभावना बढ़ेगी। समझौते के तहत क्षेत्रीय संघर्षों को शांत करने की बात भी सामने आई है। इससे भारत को लाभ यह होगा कि यूरोप, अरब देशों, मध्य एशिया के देशों और रूस के साथ विकसित होने वाले महत्वपूर्ण व्यापारिक परिवहन कॉरिडोर के काम में गति आएगी।

तीसरा, परमाणु प्रसार पर नियंत्रण: ईरान द्वारा परमाणु हथियार न बनाने, यूरेनियम संवर्धन को सीमित करने तथा परमाणु गतिविधियों पर

नियंत्रण की दिशा में सहमति अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। इससे मध्य पूर्व में परमाणु हथियारों की दौड़ पर कुछ हद तक रोक लग सकती है। साथ ही, पाकिस्तान पर भी परमाणु हथियार हटाने का दबाव बढ़ेगा।

चौथा, चीन और रूस की रणनीति पर असर: पिछले वर्षों में ईरान, चीन और रूस के बीच रणनीतिक निकटता बढ़ी थी। इससे भारत की भी परेशानी बढ़ रही थी, क्योंकि ईरान-पाकिस्तान-अफगानिस्तान के आतंकवादी कॉरिडोर को नियंत्रित करने में अमेरिका-चीन के षड्यंत्रकारी बाधक बन रहे थे। रूस भी मजबूरी में ईरान को साथ दे रहा है। ऐसे में यदि अमेरिका-ईरान संबंध सुधरते हैं, तो तेहरान को पश्चिमी निवेश और बाजारों तक पहुंच मिल सकती है, जिससे उसकी चीन और रूस के अलावा पाकिस्तान पर रणनीतिक निर्भरता कुछ कम हो सकती है। यह वैश्विक शक्ति-संतुलन में महत्वपूर्ण बदलाव होगा।

तेल आयात व अन्य सामान के सस्ता होने की संभावना बढ़ेगी। खाड़ी क्षेत्र में भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा बेहतर होगी। चाबहार बंदरगाह और भारत-ईरान व्यापार को नई गति मिल सकती है। पश्चिम एशिया में स्थिरता भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगी। यहां चीनी हस्तक्षेप कम होने से भारत पश्चिमी मोर्चे पर मजबूत होगा।

छठा, लेकिन चुनौतियां अभी बाकी हैं: चूंकि समझौते पर अभी भी पूर्ण सहमति नहीं बनी है, क्योंकि चीन-रूस दिल से ऐसा नहीं चाहते। लिहाजा, ईरान के कट्टरपंथी गुट इसका विरोध कर रहे हैं और इजराइल-हिज्बुल्लाह मोर्चे पर तनाव भी बना हुआ है। चूंकि कट्टरपंथियों ने बलिदान देकर ईरान को इतना मजबूत बनाया है।

इसलिए उनके खिलाफ कोई भी ईरानी सरकार नहीं जा सकती। यही वजह है कि कई रिपोर्टों में कहा गया है कि अंतिम हस्ताक्षर और कार्यान्वयन अभी अनिश्चित हैं।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि यदि यह समझौता सफलतापूर्वक लागू होता है, तो इसे 21वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक घटनाक्रमों में गिना जा सकता है। इससे तेल बाजार स्थिर होंगे, परमाणु संकट टलेगा, पश्चिम एशिया में शांति की संभावना बढ़ेगी और भारत सहित अनेक देशों को आर्थिक लाभ मिलेगा। लेकिन इसकी स्थिरता इस बात पर निर्भर करेगी कि अमेरिका, ईरान, इजराइल और क्षेत्रीय शक्तियां अपने-अपने वादों का कितना पालन करती हैं। मेरी राय में यह समझौता जितनी जल्दी हो जाए, भारतीय हित उतनी जल्दी ही सधने शुरू जाएंगे।

धर्मार्थ न्यासों की सामाजिक शक्ति

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में विकास का वास्तविक अर्थ केवल आर्थिक वृद्धि नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक अवसरों, संसाधनों और सुविधाओं की समान पहुँच सुनिश्चित करना है। जब विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचता है, तभी उसे समावेशी विकास कहा जाता है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है, किंतु केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं होते। ऐसे में सार्वजनिक धर्मार्थ न्यास (Public Charitable Trusts) समाज और राज्य के बीच एक प्रभावी सेतु के रूप में उभरते हैं। ये संस्थाएँ शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, कौशल विकास तथा सामाजिक न्याय जैसे क्षेत्रों में कार्य कर भारत के विकास को अधिक समावेशी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

सार्वजनिक धर्मार्थ न्यास मूलतः ऐसे गैर-लाभकारी संगठन होते हैं जो किसी निजी लाभ के लिए नहीं, बल्कि सार्वजनिक हित और कल्याण के लिए स्थापित किए जाते हैं। भारतीय ट्रस्ट अधिनियम तथा विभिन्न राज्यीय कानूनों के अंतर्गत कार्यरत ये संस्थाएँ समाज के उन वर्गों तक पहुँचती हैं जहाँ अक्सर सरकारी योजनाओं की पहुँच सीमित रह जाती है। यही कारण है कि इन्हें लोकतांत्रिक समाज में सामाजिक परिवर्तन के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में देखा जाता है।

भारत में गरीबी, अशिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी असमानताएँ लंबे समय से विकास की राह में बाधा रही हैं। सार्वजनिक धर्मार्थ न्यास इन चुनौतियों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अनेक ट्रस्ट ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों की स्थापना, छात्रवृत्ति योजनाओं और पुस्तकालयों के संचालन के माध्यम से शिक्षा को बढ़ावा देते हैं। शिक्षा केवल ज्ञान का माध्यम नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक गतिशीलता का आधार भी है। जब किसी गरीब परिवार का बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करता है, तो उसके जीवन में परिवर्तन की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं। इस प्रकार धर्मार्थ न्यास सामाजिक विषमताओं को कम करने में सहायक सिद्ध होते हैं।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत में आज भी बड़ी संख्या में लोग गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हैं। अनेक धर्मार्थ न्यास निःशुल्क या कम लागत पर अस्पताल, स्वास्थ्य शिविर और मोबाइल चिकित्सा सेवाएँ संचालित करते हैं। कैंसर, नेत्र रोग, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य जैसी समस्याओं पर कार्य करने वाले कई ट्रस्ट लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह मानव संसाधन विकास और उत्पादकता में भी वृद्धि करती है। स्वस्थ नागरिक ही किसी राष्ट्र की प्रगति का आधार बनते हैं।

महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी सार्वजनिक धर्मार्थ न्यास उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। समाज के अनेक हिस्सों में महिलाएँ अब भी शिक्षा, रोजगार और निर्णय-निर्माण की प्रक्रियाओं में पर्याप्त भागीदारी नहीं कर पातीं। धर्मार्थ संस्थाएँ महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण, स्वरोजगार, स्वयं सहायता समूहों और वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों से जोड़ती हैं। इससे महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ती है और उनका सामाजिक आत्मविश्वास मजबूत होता है। समावेशी विकास का उद्देश्य तभी पूरा हो सकता है जब महिलाओं को विकास प्रक्रिया में बराबर का भागीदार बनाया जाए।

सार्वजनिक धर्मार्थ न्यास समाज के कमजोर और हाशिए पर खड़े वर्गों के लिए भी आशा का स्रोत हैं। अनुसूचित जाति, अनुसूचित

जनजाति, दिव्यांगजन, वृद्धजन तथा बेघर लोगों के लिए अनेक ट्रस्ट विशेष योजनाएँ संचालित करते हैं। ये संस्थाएँ न केवल सहायता प्रदान करती हैं बल्कि सामाजिक सम्मान और गरिमा की भावना को भी सुदृढ़ करती हैं। किसी भी लोकतांत्रिक समाज की सफलता इस बात से आँकी जाती है कि वह अपने सबसे कमजोर नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है। इस दृष्टि से धर्मार्थ न्यास सामाजिक न्याय को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में भी धर्मार्थ न्यासों का योगदान उल्लेखनीय है। जल संरक्षण, वृक्षारोपण, जैव विविधता संरक्षण और स्वच्छता अभियान जैसे कार्यों में अनेक ट्रस्ट सक्रिय हैं। आज जब जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया के सामने गंभीर चुनौती बनकर उभरा है, तब ऐसे प्रयासों का महत्व और बढ़ जाता है। पर्यावरणीय संतुलन बनाए बिना विकास की कोई भी प्रक्रिया दीर्घकालिक नहीं हो सकती। इसलिए धर्मार्थ न्यास केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी बेहतर भविष्य का निर्माण कर रहे हैं।

भारत में प्राकृतिक आपदाएँ समय-समय पर व्यापक जन-धन हानि का कारण बनती रही हैं। बाढ़, भूकंप, चक्रवात और महामारी जैसी परिस्थितियों में धर्मार्थ न्यासों ने त्वरित राहत और पुनर्वास कार्यों के माध्यम से अपनी उपयोगिता सिद्ध की है। कोविड-19 महामारी के दौरान अनेक ट्रस्टों ने भोजन, दवाइयाँ, ऑक्सीजन और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर लाखों लोगों की मदद की। संकट के समय इन संस्थाओं की त्वरित कार्यक्षमता और स्थानीय स्तर पर पहुँच उन्हें विशेष रूप से प्रभावी बनाती है।

लोकतांत्रिक भागीदारी और सामाजिक पूँजी के निर्माण में भी सार्वजनिक धर्मार्थ न्यासों की महत्वपूर्ण भूमिका है। ये संस्थाएँ समुदायों को संगठित करती हैं, लोगों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाती हैं तथा स्थानीय समस्याओं के समाधान में जनभागीदारी को बढ़ावा देती हैं। इससे नागरिकों और शासन के बीच विश्वास का संबंध मजबूत होता है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं है; यह नागरिकों की सतत भागीदारी और सामाजिक सहयोग पर भी आधारित है। धर्मार्थ न्यास इस प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने का कार्य करते हैं।

हालाँकि, सार्वजनिक धर्मार्थ न्यासों की भूमिका जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही आवश्यक उनकी पारदर्शिता और जवाबदेही भी है। कई बार वित्तीय अनियमितताओं, संसाधनों के दुरुपयोग और प्रशासनिक कमजोरियों के आरोप इन संस्थाओं की विश्वसनीयता को प्रभावित करते हैं। कुछ मामलों में धर्मार्थ गतिविधियों की आड़ में निजी हितों को बढ़ावा देने की घटनाएँ भी सामने आती रही हैं।

इसलिए यह आवश्यक है कि इनके संचालन में पारदर्शिता, नियमित लेखा-परीक्षण और प्रभावी निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सरकार द्वारा बनाए गए नियामक ढाँचे और सामाजिक लेखा-परीक्षण की प्रक्रिया इस दिशा में सहायक हो सकती है।

इसके अतिरिक्त, धर्मार्थ न्यासों और सरकारी संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय भी आवश्यक है। कई बार समान उद्देश्यों के बावजूद संसाधनों का दोहराव या प्रयासों का बिखराव देखने को मिलता है। यदि सरकार, निजी क्षेत्र और धर्मार्थ संस्थाएँ साझेदारी के आधार पर कार्य करें तो विकास कार्यक्रमों की प्रभावशीलता और व्यापकता दोनों बढ़ सकती हैं। सार्वजनिक-निजी-सामाजिक सहयोग की यह त्रिपक्षीय व्यवस्था समावेशी विकास को नई दिशा दे सकती है।

डिजिटल युग में धर्मार्थ न्यासों के सामने नए अवसर और चुनौतियाँ दोनों मौजूद हैं। तकनीक के माध्यम से वे अपनी सेवाओं की पहुँच को विस्तारित कर सकते हैं, लाभार्थियों की बेहतर पहचान कर सकते हैं और संसाधनों के उपयोग में अधिक पारदर्शिता ला सकते हैं। वहीं, डिजिटल विभाजन और तकनीकी संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियों का समाधान भी आवश्यक है। यदि तकनीक का उपयोग सामाजिक कल्याण के लिए प्रभावी ढंग से किया जाए तो धर्मार्थ न्यासों की भूमिका और अधिक प्रभावशाली हो सकती है।

वर्तमान समय में जब आर्थिक असमानताएँ, सामाजिक चुनौतियाँ और पर्यावरणीय संकट लगातार बढ़ रहे हैं, तब सार्वजनिक धर्मार्थ न्यासों का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। ये संस्थाएँ केवल सहायता प्रदान करने वाले संगठन नहीं हैं, बल्कि समाज में सहानुभूति, सहयोग और सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को भी प्रोत्साहित करती हैं। इनके माध्यम से नागरिक समाज सक्रिय होता है और विकास प्रक्रिया अधिक मानवीय तथा सहभागी बनती है।

अंततः कहा जा सकता है कि सार्वजनिक धर्मार्थ न्यास भारत के समावेशी विकास के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। वे शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर विकास के लाभों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का प्रयास करते हैं। यद्यपि इनके समक्ष पारदर्शिता और जवाबदेही जैसी चुनौतियाँ मौजूद हैं, फिर भी उचित नियमन, जनभागीदारी और संस्थागत सहयोग के माध्यम से उनकी क्षमता को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है।

सैन्य परंपराओं और पोशाक में ऐतिहासिक बदलाव

महेन्द्र तिवारी

भारतीय सेना का इतिहास पराक्रम, शौर्य और अप्रतिम बलिदान की गाथाओं से समृद्ध है। स्वतंत्रता के बाद से ही हमारी सेना ने देश की सीमाओं की रक्षा करने और राष्ट्रीय संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। हालांकि, स्वतंत्रता के कई दशकों बाद भी सेना की कुछ आंतरिक व्यवस्थाओं, नियमों, पोशाक और प्रतीकों में ब्रिटिश काल की स्पष्ट छाप दिखाई देती थी। वर्तमान समय में भारतीय सेना अपनी इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में एक युगांतरकारी और अत्यंत महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। सेना द्वारा अपनी वेशभूषा नीति, औपचारिक परंपराओं और सदियों पुराने रीति-रिवाजों में किए जा रहे बदलाव इस बात का जीवंत प्रमाण हैं कि अब देश अपनी औपनिवेशिक विरासत को पीछे छोड़ने के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हो चुका है। इन महत्वपूर्ण और दूरगामी सुधारों का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना को विदेशी प्रभाव से मुक्त कराकर विशुद्ध रूप से भारतीय संस्कृति, सभ्यता और अपनी ऐतिहासिक जड़ों से गहराई से जोड़ना है। यह संपूर्ण प्रक्रिया भारत सरकार के उन 5 महासंकल्पों का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिन्हें पंच प्रण के नाम से जाना जाता है। इन संकल्पों में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रण गुलामी की हर सोच और उसके प्रत्येक प्रतीक से पूर्ण मुक्ति पाना है, जिसे भारतीय सेना अब धरातल पर पूरी निष्ठा के साथ उतार रही है।

सैनिक परंपराओं में सबसे पहला और प्रत्यक्ष बदलाव सैन्य कवायद और आधिकारिक समारोहों के दौरान देखा जा सकता है। ब्रिटिश शासनकाल से ही यह व्यवस्था निरंतर चली आ रही थी कि जब भी कोई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी किसी सैनिक कदमताल या विदाई समारोह की सलामी लेता था, तो वह समीक्षा अधिकारी के रूप में अपने साथ एक विशेष औपचारिक तलवार रखता था। यह तलवार ब्रिटिश काल में औपनिवेशिक शासकों द्वारा अपनी शक्ति, सर्वोच्च कमान और भारतीय सैनिकों पर अपने प्रभुत्व का प्रदर्शन करने का एक मुख्य माध्यम मानी जाती थी। स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संप्रभु राष्ट्र में इस तरह के सामंती प्रतीकों की कोई आवश्यकता नहीं रह गई थी। इसी ऐतिहासिक तथ्य को ध्यान में रखते हुए अब समीक्षा अधिकारी द्वारा सैन्य मार्च के दौरान या किसी भी अन्य औपचारिक निरीक्षण में तलवार रखने की इस पुरानी प्रथा को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। इसके साथ ही, वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों द्वारा अपनी कमान और नेतृत्व के प्रतीक के रूप में ले जाई जाने वाली विशेष छड़ी के उपयोग की भी गहन समीक्षा की गई है और इसके इस्तेमाल को अब बेहद सीमित कर दिया गया है। यह निर्णय स्पष्ट करता है कि भारतीय सेना में नेतृत्व और सम्मान का आधार कोई बाहरी वस्तु या औपनिवेशिक दिखावा नहीं, बल्कि अधिकारी की अपनी योग्यता, कर्तव्यपरायणता और अपने देश के प्रति अटूट निष्ठा है।

इस वैचारिक परिवर्तन का सीधा और गहरा असर सैन्य अधिकारियों के पहनावे और पोशाक से जुड़े नियमों पर भी दिखाई दे रहा है। एक लंबे समय से यह देखा जा रहा था कि सैन्य अधिकारियों के भोजनालयों और अन्य महत्वपूर्ण औपचारिक आयोजनों में पश्चिमी देशों के कोट, औपचारिक वस्त्रों और गले के बंध का ही प्रचलन अनिवार्य बना हुआ था। भारतीय जलवायु और यहाँ की गौरवशाली संस्कृति के सर्वथा विपरीत इस तरह के विदेशी पहनावे को ढोना भी एक प्रकार की मानसिक परतंत्रता का ही हिस्सा माना जा सकता है।

बोध कथा

जीवन को नई राह दिखाते हैं स्वामी विवेकानंद के विचार

स्वामी विवेकानंद बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। बाल्यावस्था से स्वामी विवेकानंद को अध्यात्म के प्रति गहन रुचि थी। उनका जन्म पश्चिम बंगाल में कारस्थ परिवार में हुआ था। उनके पिता संस्कृत और फारसी भाषा के विद्वान थे। महज 25 वर्ष की आयु में स्वामी जी के पिता सन्यासी बन गए। माता जी देवों के देव महादेव की भक्त थीं। हर समय शिव भक्ति में लीन रहती थीं। अतः विवेकानंद जी को बचपन से ईश्वर में अगाध श्रद्धा थी। स्वामी जी स्वरं प्रतिदिन ईश्वर की भक्ति करते थे। रामकृष्ण परमहंस जी के संपर्क में आने के पश्चात स्वामी जी मां काली के उपासक बन गए। मां काली की कृपा-दृष्टि से स्वामी जी वेदान्त के विख्यात और प्रभावशाली गुरु बने। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। युवाओं को स्वामी जी के विचार जीने की नई राह देते हैं। स्वामी विवेकानंद जी के पद चिन्हों पर चलकर व्यक्ति अपने जीवन में ऊंचा मुकाम हासिल कर सकता है। आइए, स्वामी जी के अनमोल विचार जानते हैं-

स्वामी जी के अनमोल विचार... 1 संगति आप को ऊंचा उठा भी सकती है और रह आप की ऊंचाई से गिरा भी सकती है। इसलिए संगति अच्छे लोगों से करें।

2. उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए। तुम्हें कोई पढ़ा नहीं सकता, कोई आध्यात्मिक नहीं बना सकता। तुमको सबकुछ खुद अंदर से सीखना है।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

सहन करो... सहन करो!

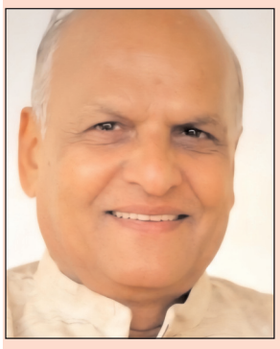

गिरीश पंकज

यह विचार सचमुच क्रांतिकारी है! महंगाई को आर्थिक संकट समझना हमारी भूल है; असल में यह सरकार द्वारा चलाया जा रहा एक 'निःशुल्क आध्यात्मिक और शारीरिक सहनशक्ति विकास कार्यक्रम' है। इसलिए सहन करो..सहन करो समस्याओं को वहन करो. सरकार के विरुद्ध गुस्से का दहन करो.

जब-जब देश में पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और दाल-सब्जियों के दाम बढ़ते हैं, तब-तब अज्ञानी जनता छाती पीटने लगती है। हाय महंगाई, हाय महंगाई! लोग सरकार को कोसने लगते हैं। यह सरासर कृतघ्नता है! अरे, समझदार नागरिक तो वह है जो हर बजट के बाद वित्त मंत्री की तस्वीर पर अगरबत्ती जलाए और कहे, 'प्रभु! धन्यवाद, जो आपने हमें 'कठिन परिस्थितियों में मुस्कुराने' का एक और अवसर दिया।'

सोचिए, अगर सरकार महंगाई न बढ़ाए, तो हम आम लोग तो बिल्कुल आलसी और विलासी हो जाएंगे। यह सरकार ही है जो हमें 'शून्य बजट' पर जीना सिखा रही है। यह कोई आर्थिक नीति नहीं है, यह 'परम पूजनीय महंगाई योग' है। सोचिए न, ?जब जेब में पैसे कम होते हैं, तो इंसान आध्यात्मिक हो जाता है।

टमाटर 150 रुपये किलो हुए? कोई बात नहीं, जीभ के स्वाद पर नियंत्रण पाना ही तो सच्चा वैराग्य है. पेट्रोल 110 के पार गया? कोई बात नहीं,सरकार चाहती है कि आप पैदल चलें। इससे आपका स्वास्थ्य सुधरेगा, प्रदूषण घटेगा और देश 'फिट इंडिया' बनेगा। सरकार गाड़ियां महंगी करके दरअसल आपके पैरों को मजबूत कर रही है। ?आम आदमी का जीवन एक बेहतरीन रबर बैंड की तरह होता है—जितना खींचो, उतना खिंचता जाता है। पहले इंसान इच्छाओं में कटौती करता है, फिर थाली की सब्जी में कटौती करता है, फिर कपड़ों में और अंततः सांसों में कटौती करना सीख जाता है।

धीरे-धीरे एक समय ऐसा आता है जब आदमी 'दुख-रोधी' हो जाता है। उसे फिर फर्क ही नहीं पड़ता कि सिलेंडर एक हजार पार का है या पाँच हजार का। वह कबीर का दोहा गुनगुनाने लगता है, 'सुख में सुमिरन सब करे दुख में कर न कोय'! सरकार बस हमें हर वक्त 'सुमिरन' की मुद्रा में रखना चाहती है। दुख को भूलने की आदत डालो. धीरे-धीरे आदत बन जाएगी तो दुख से दोस्ती होने लगेगी.

उस दिन सत्ताधारी दल का नेता सुखीराम आम आदमी दुखीराम को समझा रहा था, 'आपको संत की तरह अपना स्वभाव बनाना है. अगली बार जब प्याज आपको रुलाए, तो समझिए कि वह आपकी आँखों की सफाई कर रहा है। जब दूध के दाम बढ़ें, तो सोचिए कि सरकार आपको 'कैल्शियम' के मोह से मुक्त कर रही है।

'सरकार हमें केवल नागरिक नहीं बना रही, वह हमें 'संत' बना रही है। एक ऐसा संत जो बिना खाए-पिए, बिना बिजली-पानी के भी सिर्फ राष्ट्रहित की हवा खाकर जिंदा रह सकता है। ऐसी जनहितैषी सरकार को कोसना बंद कीजिए और झोला उठाकर बोलिए, महंगाई माता की जय! ध्यान रहे, इसे डायन मत कहिए. और हाँ, एक मूल मंत्र को ध्यान में रखकर उसी का जाप कीजिए.सुखी रहने का यही मूल मंत्र है, सहन करो!...सहन करो!!..

इतना बोलकर सुखीराम नौ दो ग्यारह हो गए।

इतिहास

15 जून के प्रमुख ऐतिहासिक घटनाक्रम में यूरोपीय फुटबॉल संघ (UEFA) की स्थापना (1954), चार्ल्स गुडइयर द्वारा वल्कनीकृत रबर के पेटेंट की प्राप्ति (1844), और फिलीपींस में माउंट पिनातुबो का विनाशकारी विस्फोट (1991) शामिल हैं।अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं का विवरण नीचे दिया गया है:इतिहास की प्रमुख घटनाएं1844: अमेरिकी आविष्कारक चार्ल्स गुडइयर को रबर को मजबूत करने वाली प्रक्रिया 'वल्कनीकरण' का पेटेंट प्राप्त हुआ।1954: यूरोप के फुटबॉल शासी निकाय, यूनियन ऑफ यूरोपियन फुटबॉल एसोसिएशन (UEFA) की स्थापना की गई।1977: स्पेन में 1936 के बाद पहली बार स्वतंत्र चुनाव आयोजित किए गए।1991: फिलीपींस के माउंट पिनातुबो ज्वालामुखी में 20वीं सदी का सबसे विनाशकारी विस्फोट हुआ, जिसमें लगभग 800 लोगों की जान गई ।

संक्षिप्त खबरें

बेमेतरा में 585 बोरी उर्वरक जब्त

बेमेतरा। खरीफ सीजन में किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन बेमेतरा ने बड़ी कार्रवाई करते हुए देवकर तहसील के ग्राम गाड़ाडीह में अवैध रूप से भंडारित 585 बोरी उर्वरक जब्त कर गोदाम सील कर दिया। जब्त उर्वरकों में बायो पोटाश और बायो ऑर्गेनिक फास्फेट शामिल हैं।

कलेक्टर के निर्देश पर जिला स्तरीय उडऩदस्ता दल ने छापेमारी के दौरान करीब 29.25 मीट्रिक टन उर्वरक का अवैध भंडारण पकड़ा। अधिकारियों ने बताया कि उर्वरकों के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। रिपोर्ट के आधार पर आगे वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कालाबाजारी, जमाखोरी और अमानक उर्वरकों के कारोबार पर सख्त नजर रखी जा रही है। अनियमितता पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर सहित कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने किसानों और आम नागरिकों से ऐसी गतिविधियों की सूचना तत्काल प्रशासन को देने की अपील की है, ताकि दोषियों के विरूद्ध तत्परता से कार्यवाही की जा सके। जिला प्रशासन ने सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखने की बात कही है।

महासमुंद पुलिस अब और भी हाईटेक एनएएफआईएस तकनीक से फिंगरप्रिंट

महासमुंद। अपराध की जांच को वैज्ञानिक आधार देने और अपराधियों को सजा दिलाने की दर को बढ़ाने के लिए महासमुंद पुलिस ने एक बड़ा कदम उठाया है। 15 जून को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में एक दिवसीय 'फिंगरप्रिंट प्रशिक्षण कार्यशाला' का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के 45 चयनित पुलिस कर्मियों को फॉरेंसिक जांच की आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। 'चांस प्रिंट' की सुरक्षा पर विशेष जोर कार्यशाला में रेंज फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट और उप पुलिस अधीक्षक राकेश नरवरे ने प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि अपराध स्थल पर मिलने वाले 'चांस प्रिंट' (अदृश्य या आंशिक उंगलियों के निशान) अपराधी को सजा दिलाने के लिए सबसे पुख्ता सबूत होते हैं। कई मामलों में जहां सीसीटीवी या चश्मदीद गवाह नहीं मिलते, वहां ये फिंगरप्रिंट ही अपराधी को सीधे अपराध स्थल से जोड़ने का काम करते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, पुलिस अब 'राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली' से लैस हो गई है। यह एक आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसमें पूरे देश के अपराधियों का डेटाबेस मौजूद है। समय की बचत: जिस फिंगरप्रिंट मिलान प्रक्रिया में पहले कई दिन लगते थे, वह अब इस सिस्टम के जरिए महज कुछ ही मिनटों में पूरी हो जाती है। सिस्टम के जरिए दूसरे राज्यों में छिपे अपराधियों और अंतरराज्यीय गिरोहों की पहचान करना अब आसान होगा।

पंच ने बुजुर्ग महिला से 90 लाख की संपत्ति हड़पी

केवायसी-धान पंजीयन के बहाने 23 लाख, 6.34 एकड़ जमीन की ठगी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 87 साल की बुजुर्ग महिला ने इच्छा मृत्यु मांगी है। आरोप है कि भाजपा समर्थित पंच ने केवाईसी, धान-पंजीयन और बीमा के बहाने 90 लाख रुपए की संपत्ति हड़प ली। मामला कोटा थाना क्षेत्र के बेलगहना चौकी का है।

यह भी आरोप है कि लगातार शिकायत के बाद भी पुलिस ने भाजपा समर्थित पंच और रिश्तेदार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। ऐसे में बुजुर्ग महिला ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और अधिकारियों को पत्र लिखकर न्याय की मांग की है।

बुजुर्ग महिला का नाम बालकुंवर बसोर है, जो बेलगहना की रहने वाली है। वह पति और तीन बेटों को खो चुकी हैं। बालकुंवर झौवा-टुकनी (बांस की टोकरियां) बेचकर गुजारा करती हैं। उनकी एक बेटी उनके साथ रहती है और देखभाल करती है।

बुजुर्ग महिला का आरोप है कि केन्दा निवासी भाजपा समर्थित पंच फगुन प्रसाद प्रजापति उर्फ मोनू ने मजबूरी का फायदा उठाया। उसने बैंक में केवाईसी कराने और मदद करने का भरोसा दिलाकर उनसे नजदीकी बढ़ाई। आरोप है कि 14 दिसंबर 2021 को उसने धोखे से उनके भारतीय स्टेट बैंक खाते से 23 लाख रुपए अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। इसके अलावा ग्राम पंचायत लूफा स्थित खसरा नंबर 763 और 991/2 की करीब 2.5 हेक्टेयर कृषि भूमि भी अपने नाम करा ली। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी घर में रखा सोना-चांदी भी ले गया। पीड़िता ने बताया कि जुलाई और सितंबर 2022 में आरोपी उन्हें कोटा तहसील कार्यालय ले गया। उसने कहा कि धान बेचने के लिए पंजीयन कराना जरूरी है। वहां कई दस्तावेजों पर उनसे अंगूठा लगवाया गया।

बाद में जब वह धान बिक्री की जानकारी लेने सहकारी बैंक पहुंचीं तो पता चला कि उनके नाम से धान बिक्री हुई ही नहीं है। पटवारी से जानकारी लेने पर मालूम हुआ कि उनकी 6.34 एकड़ जमीन आरोपी के नाम दर्ज हो चुकी है। बुजुर्ग महिला का आरोप है कि धान पंजीयन के बहाने अंगूठा लगवाकर जमीन की रजिस्ट्री अपने नाम करा ली गई।

बीमा बढ़ाने का झांसा देकर वाहन भी कराए अपने नाम

शिकायत में बताया गया है कि उनके दिवंगत बेटे रमेश के नाम की एक सेंट्रो कार, एक एक्टिवा और एक छोटा हाथी वाहन पहले उनके नाम पर ट्रांसफर किए गए थे। बाद में फगुन प्रजापति ने बीमा बढ़ाने और कागजात अपडेट कराने का बहाना बनाकर उनसे कई दस्तावेजों पर अंगूठा लगवाया।

कुछ समय बाद उनके नाती दीपक बिनकर ने बताया कि तीनों वाहन फगुन प्रजापति के नाम पर ट्रांसफर हो चुके हैं।

बुजुर्ग महिला और उनके रिश्तेदारों ने बताया कि न्याय के लिए उन्होंने पुलिस चौकी बेलगहना, एसडीओपी कार्यालय कोटा और एसपी कार्यालय बिलासपुर के कई चक्कर लगाए।

विवाहिता ने की आत्महत्या : साड़ी के फंदे से लटकती मिली लाश

बिलासपुर। जिले से आत्महत्या का मामला सामने आया है। जहां विवाहिता महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी लाश कमरे में फंदे पर लटकती मिली है। खुदकुशी के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना पचपेड़ी थाना क्षेत्र ग्राम मनवा की है। पुलिस के अनुसार ग्राम मनवा निवासी गंगोत्री पटेल (30) पति महेश पटेल गृहणी थी। बताया जा रहा है कि महिला घर का काम निपटाने के बाद कमरे में सोने चली गई। जब सुबह परिजन की नींद खुली, तब कमरे में उसकी लाश साड़ी के फंदे पर झूल रही थी। इस घटना की जानकारी तत्काल पचपेड़ी पुलिस को दी गई। खबर मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने शव पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया और पीएम के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया है। प्रारंभिक जांच में महिला के आत्महत्या करने की बात सामने आई है।

भाई के सामने बहन से दुष्कर्म

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में 19 साल की लड़की के साथ 3 लड़कों ने गैंगरेप किया है। रविवार दोपहर अपने फुफेरे भाई के साथ युवती पैदल रिश्तेदार के घर जा रही थी। इसी दौरान 2 युवकों ने रोका और उन्हें खींचकर कोटराही जंगल में ले गए।

युवकों ने भाई को बंधक बनाकर उसके सामने ही युवती के साथ गैंगरेप किया। युवकों ने अपने एक साथी को भी फोन कर बुला लिया। उसने भी युवती के साथ रेप किया। मामला वाड्रफनगर चौकी क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, बसंतपुर थाना क्षेत्र की युवती अपने फुफेरे भाई के साथ कोटराही जंगल से होकर गांव की ओर पैदल जा रही थी। उन्हें रिश्तेदार के घर जाना था। कोटराही जंगल में उन्हें बाइक सवार दो युवकों ने रोका और दोनों को धमकाते हुए पूछताछ करने लगे। इसके बाद युवक दोनों को खींचकर जंगल में ले गए। जहां युवकों ने पहले युवक के हाथ-पैर बांध दिए, फिर युवती को पकड़कर बंधक बने भाई के सामने ही दोनों युवकों ने गैंगरेप किया।

वहीं, दोनों युवकों ने फोन कर अपने एक और साथी को मौके पर बुला लिया। तीसरे युवक ने भी युवती के साथ रेप किया। तीनों घटना के बाद मौके पर ही दोनों को छोड़कर भाग निकले। वारदात के बाद दोनों वापस वाड्रफनगर पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी। वाड्रफनगर चौकी प्रभारी डाकेश्वर सिंह ने बताया कि, पुलिस ने शिकायत के बाद युवकों की तलाश शुरू की और 3 युवकों को हिरासत में लिया है। तीनों युवक कोटराही गांव के बताए गए हैं। पुलिस युवती और आरोपियों का मेडिकल टेस्ट करा रही है। फिलहाल, पूरे मामले की जांच जारी है।

आईआईटी भिलाई और फ्रांस के सेंट्रेल नैनटेस के बीच समझौता

शिक्षा व शोध सहयोग को मिलेगा वैश्विक विस्तार

भिलाई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई ने वैश्विक शैक्षणिक सहयोग को नई दिशा देते हुए फ्रांस के प्रतिष्ठित संस्थान सेंट्रेल नैनटेस के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता 14 से 16 जून 2026 तक फ्रांस के नीस शहर में आयोजित 'भारत इनोवेट्स' (भारतीय शिक्षा इकोसिस्टम के लिए ग्लोबल एक्सेलेरेशन) कार्यक्रम के दौरान संपन्न होगा।

समझौता ज्ञापन का उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक, शोध, पेशेवर तथा सांस्कृतिक सहयोग को सुदृढ़ करना है। इसके माध्यम से फैकल्टी सदस्यों और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान, संयुक्त शोध परियोजनाओं तथा अंतरराष्ट्रीय अकादमिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार किया गया है। समझौते के तहत दोनों संस्थान फैकल्टी एक्सचेंज कार्यक्रम, छात्र विनिमय, संयुक्त शोध गतिविधियों, बहु-राष्ट्रीय एवं बहु-संस्थागत परियोजनाओं, सेमिनारों तथा शैक्षणिक बैठकों में सहभागिता को प्रोत्साहित करेंगे। इसके अलावा शैक्षणिक सामग्री और अन्य अकादमिक सूचनाओं के आदान-प्रदान, विशेष अल्पकालिक शैक्षणिक कार्यक्रमों, समर रिसर्च प्रोग्राम तथा विदेश अध्ययन कार्यक्रमों के साथ संयुक्त एवं दोहरी डिग्री पाठ्यक्रमों की संभावनाओं पर भी कार्य किया जाएगा। आईआईटी भिलाई और सेंट्रेल नैनटेस के बीच यह साझेदारी उच्च शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

रसमड़ा स्टेशन पर कोयला मालगाड़ी के डिब्बे में लगी आग

दुर्ग। रसमड़ा रेलवे स्टेशन पर स्टेशन पर खड़ी कोयले से भरी एक मालगाड़ी के वैगन (डिब्बे) में अचानक अज्ञात कारणों से आग लग गई। कोयले के ढेर से अचानक लपटें और काले धुएं का गुबार उठता देख स्टेशन परिसर और आसपास के औद्योगिक क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। रेलवे अधिकारियों ने तुरंत इसकी सूचना नियंत्रण कक्ष और अग्निशमन विभाग को दी।

आग की सूचना मिलते ही दुर्ग जिला अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा कार्यालय से दमकल वाहन और कुशल जवानों के दल को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुंचने पर दमकल कर्मियों ने देखा कि एक पूरे डिब्बे में कोयला धधक रहा था और तेज हवा के कारण आग की लपटें बगल के अन्य डिब्बों की ओर बढऩे का प्रयास कर रही थीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अग्निशमन दल ने तत्काल मोर्चा संभाला और पानी की तेज बौछारें मारकर आग की घेराबंदी शुरू की। अग्निशमन कर्मियों की कड़ी मशक्कत और सूझबूझ के बाद आग को पूरी तरह से नियंत्रित कर लिया गया जिससे करोड़ों रुपये की संपत्ति और एक बड़ा ग्रिड हादसा टल गया।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, कोयले में आंतरिक घर्षण (सेल्फ-कंबशन) या अत्यधिक गर्मी के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि रेल प्रशासन ने मामले की आधिकारिक जांच शुरू कर दी है। इस पूरी घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। जिला सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह के निर्देशन में दल प्रभारी धन्नु यादव, संतोष, निखिल, रमेश, योगेश और हरीश ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया।

केशकाल घाट में ऑक्सीजन से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर पलटा, चालक घायल

कोंड़ागांव। जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर स्थित केशकाल घाट में सोमवार को जगदलपुर से ओडिशा के झारसुगुड़ा जा रहा ऑक्सीजन से भरा टैंकर ब्रेक फेल होने के कारण अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक को मामूली चोटें आई हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, टैंकर केशकाल घाट से गुजर रहा था। इसी दौरान घाट के दूसरे मोड़ पर वाहन के ब्रेक फेल हो गया, जिससे चालक नियंत्रण खो बैठा और टैंकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे के बाद टैंकर से ऑक्सीजन का रिसाव शुरू हो गया। इसे देखकर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई।

टैंकर चालक उदय ठाकुर ने बताया कि ब्रेक फेल होने के बाद उन्होंने तुरंत स्थिति को समझा और टैंक का सेफ्टी वाल्व खोल दिया। इससे ऑक्सीजन नियंत्रित तरीके से बाहर निकलती रही और टैंक के अंदर दबाव नहीं बढ़ा। चालक के अनुसार, यदि टैंक पूरी तरह बंद रहता तो दबाव बढऩे से बड़ा हादसा हो सकता था। इससे जनहानि और संपत्ति के नुकसान की आशंका थी। टैंकर चालक की समझदारी और तत्परता से संभावित खतरा टल गया। सूचना मिलते ही केशकाल पुलिस मौके पर पहुंची और सुरक्षा व्यवस्था संभाली। साथ ही यातायात को नियंत्रित कर लोगों को सुरक्षित दूरी पर रखा गया। घायल चालक को प्राथमिक उपचार भी दिया गया। घटना के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। बाद में प्रशासन ने आवश्यक सुरक्षा उपाय करने के बाद मार्ग को फिर से यातायात के लिए सामान्य कर दिया।

नौकरी के नाम पर 6.50 लाख की ठगी

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में कांग्रेस के जिला महामंत्री रितेश पटेल को पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया है। उन पर पटवारी की नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से 6.50 लाख रुपये ठगने का आरोप है। सिटी कोतवाली पुलिस ने जांच के बाद यह कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक, मामला वर्ष 2017 का है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि रितेश पटेल ने उसे पटवारी पद पर नौकरी दिलाने का भरोसा देकर 6.50 लाख रुपये लिए थे। लंबे समय तक नौकरी नहीं लगने पर जब पीड़ित ने अपनी रकम वापस मांगी, तो आरोपी ने भुगतान के लिए कई चेक दिए। हालांकि, बैंक में प्रस्तुत किए जाने पर सभी चेक बाउंस हो गए। लगातार पैसे वापस नहीं मिलने और चेक अनादरित होने के बाद पीड़ित ने सिटी कोतवाली कोंडागांव में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनीं आमजनों की समस्याएं

अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण के निर्देश, सीसी रोड निर्माण में अनियमितता की शिकायत की जांच

रायगढ़। जिला कलेक्टोरेट में आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं, मांगों और शिकायतों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में मुआवजा, मजदूरी भुगतान, प्रधानमंत्री आवास योजना, वृद्धावस्था पेंशन, किसान सम्मान निधि, भूमि सीमांकन, अतिक्रमण और वन अधिकार पट्टा सहित जनहित से जुड़े अनेक प्रकरण सामने आए।

जनदर्शन के दौरान ग्राम बड़गांव की लताबाई ने सड़क दुर्घटना में पति की मृत्यु के छह माह बाद भी आर्थिक सहायता राशि नहीं मिलने की समस्या रखी। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने संबंधित एसडीएम को शीघ्र कार्रवाई कर पात्र सहायता राशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वहीं ग्राम कंवरिहा के हलधर पटेल ने नहर निर्माण के दौरान निर्धारित सीमा से अधिक भूमि उपयोग किए जाने की शिकायत दर्ज कराई, जिस पर आवश्यक जांच के निर्देश दिए गए। ग्राम साल्हेओना के नंदलाल साव ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने की मांग रखी। जनदर्शन में ग्राम पंचायत रेगड़ा के वार्ड क्रमांक-2 के पार्षद ने सीसी रोड निर्माण के लिए स्वीकृत राशि के कथित दुरुपयोग की शिकायत करते हुए सड़क निर्माण कराने की मांग की। कलेक्टर ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम काशीचुवां की ताराबाई साहू ने ईंट-भट्ठे में कार्य करने के बावजूद मजदूरी भुगतान नहीं मिलने की शिकायत की। कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा वृद्धावस्था पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना की अंतिम किस्त, फसल मुआवजा, विद्युत लाइन विस्तार, शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने, भूमि सीमांकन तथा वन अधिकार पट्टा से जुड़े आवेदन भी प्राप्त हुए। कलेक्टर चतुर्वेदी ने सभी प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण पर जोर देते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने नागरिकों से अपनी शिकायतों के निराकरण के लिए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 का भी उपयोग करने की अपील की। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

आधुनिक खेती की ओर कदम : नैनो उर्वरक और स्वीट कॉर्न ने बदली रामचंद्र की किस्मत

कोण्डागांव। जिले के किसान अब पारंपरिक खेती तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाते हुए धान, सब्जियों और अन्य नगदी फसलों के साथ-साथ स्वीट कॉर्न की खेती कर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर रहे हैं। जिले में कृषि के क्षेत्र में हो रहे इस सकारात्मक बदलाव का एक प्रेरणादायक उदाहरण बड़ेराजपुर विकासखंड के ग्राम मारंगपुरी निवासी किसान श्री रामचंद्र साहू हैं, जिन्होंने स्वीट कॉर्न की खेती को अपनाकर आर्थिक समृद्धि की नई पहचान बनाई है।

रामचंद्र साहू पिछले तीन वर्षों से स्वीट कॉर्न का उत्पादन कर रहे हैं। उनके बेटे श्री राजेन्द्र साहू ने बताया कि बाजार में इसकी बढ़ती मांग और बेहतर लाभ को देखते हुए इस वर्ष लगभग ढाई एकड़ भूमि में अशोका किस्म के स्वीट कॉर्न की खेती की है। इसके लिए उन्होंने लगभग 7 किलोग्राम बीज का उपयोग किया, जिस पर लगभग 21 हजार रुपये की लागत आई। आधुनिक खेती की पद्धतियों को अपनाते हुए उन्होंने फसल प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया, जिसका सकारात्मक परिणाम उन्हें बेहतर उत्पादन और आय के रूप में प्राप्त हो रहा है। उन्होंने बताया कि सामान्य मक्का की तुलना में स्वीट कॉर्न की बाजार में मांग अधिक रहती है। तैयार फसल का प्रत्येक भुट्टा लगभग 7 रुपये प्रति नग की दर से विक्रय होता है। अप्रैल से जुलाई के बीच तैयार होने वाली इस फसल से उन्हें एक सीजन में लगभग दो लाख रुपये तक की आय प्राप्त होती है।

वैश्विक स्तर पर स्थिरता के संकेतों से शेयर बाजार उछला; सेंसेक्स 76,000 के पार बंद

मुंबई । वैश्विक स्तर पर स्थिरता के संकेतों से भारतीय शेयर बाजार सोमवार को मजबूती के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 736.38 अंक या 0.97 प्रतिशत की तेजी के साथ 76,264.33 और निफ्टी 231 अंक या 0.98 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,853.90 पर बंद हुआ।

बाजार में चौतरफा खरीदारी देखी गई। लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी उछाल देखा गया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 781.55 अंक या 1.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 61,549.65 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 202.55 अंक या 1.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,400 पर था।

सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स शीर्ष पर थे। इसके बाद निफ्टी ऑटो, निफ्टी मेटल, निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी इन्फ्रा हरे निशान में बंद हुए। दूसरी तरफ निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी मीडिया लाल निशान में बंद हुए।

सेंसेक्स पैक में ट्रेंट, इंडिगो, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, इटरनल, मारुति सुजुकी, एमएंडएम, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, टाइटन, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, आईटीसी और बीईएल गेनर्स थे। एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, एचयूएल, सन फार्मा, टेक महिंद्रा और टाटा स्टील लूजर्स थे।

मार्केट एक्सपर्ट ने सुनिल शाह ने कहा कि भारतीय बाजार में तेजी की वजह ईरान-अमेरिका के बीच शांति समझौते पर बातचीत समाप्त होना और एग्रीमेंट की तारीख तय होना है, जो कि 19 जून तय हुई है। इससे बाजार में निवेशकों के बीच सकारात्मक धारणा लौटी है। उन्होंने आगे कहा कि इससे कच्च तेल की कीमतों में गिरावट आई है और यह 85 डॉलर प्रति के नीचे आ गई है। यह भारतीय बाजार के लिए बहुत अच्छा संकेत है। इससे डॉलर के मुकाबले रुपए पर दबाव कम होगा। इसके अतिरिक्त कहा कि हॉर्मुज स्ट्रेट खुलने से कच्चे तेल की आपूर्ति बाजार में और बढ़ेगी। यह सभी भारतीय बाजार के लिए सकारात्मक संकेत हैं।

अमेरिका और ईरान शांति समझौते से कीमती धातुओं में भारी उछाल, सोना और चांदी 3 प्रतिशत तक चढ़े

मुंबई । अमेरिका और ईरान द्वारा शांति समझौते की पुष्टि के बाद, भू-राजनीतिक तनाव और मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं में कमी आने से हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार के साथ ही कीमती धातुओं में भी भारी उछाल देखने को मिली।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) पर अगस्त वायदा सोना अपने पिछले बंद 1,50,528 रुपए से 3,301 रुपए की भारी उछाल के साथ 1,53,829 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, जो खबर लिखे जाने तक दिन का उच्चतम स्तर रहा।

वहीं, एमसीएक्स सिल्वर जुलाई वायदा अपने पिछले बंद 2,46,186 रुपए से 5,377 रुपए की जबरदस्त तेजी के साथ 2,51,563 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला और शुरुआती कारोबार में ही 3 प्रतिशत से ज्यादा उछलकर 2,53,345 रुपए के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

वहीं, खबर लिखे जाने तक (दोपहर 12.09 बजे के करीब) एमसीएक्स पर अगस्त डिलीवरी वाला सोना 1.48 प्रतिशत यानी 2,222 रुपए की उछाल के साथ 1,52,750 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, तो वहीं जुलाई डिलीवरी वाली चांदी 2.20 प्रतिशत यानी 5,414 रुपए की तेजी के साथ 2,51,600 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती नजर आई।

वहीं, इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के सुबह के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को 999 प्यूरिटी वाला सोना 1,50,169 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर था, जबकि 999 प्यूरिटी वाली चांदी की कीमत 2,51,011 रुपए प्रति किलोग्राम थी।

सोने-चांदी की कीमतों में यह उछाल ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पुष्टि की है कि ईरान के साथ शांति समझौता हो गया है और होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल जाएगा।

मुंबई रिडेवलपमेंट से 2031 तक 1.50 लाख करोड़ रुपए के करीब 59,000 नए घर तैयार होंगे : रिपोर्ट

मुंबई । मुंबई रिडेवलपमेंट पाइपलाइन से 2031 करीब 59,000 नए घर तैयार होंगे और इनकी वैल्यू 1.50 लाख करोड़ रुपए होगी। इस दौरान शहर अलग-अलग घरों से बड़ी बिल्डिंग की तरफ शिफ्ट हो जाएगा। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

प्रोपर्टी कंसल्टेंट नाइट फ्रैंक इंडिया की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया कि सोसाइटी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स से 9,115 करोड़ रुपए की स्टांप ड्यूटी सरकार को मिल सकती है।

रिपोर्ट में बताया गया कि 2026 की शुरुआत में रिडेवलपमेंट गतिविधियां मजबूत रही है। यह इस बात से अधिक स्पष्ट होता है कि इस साल के पहले 90 दिनों में करीब 70 डेवलपर एग्रीमेंट (डीए) हुए हैं, जो कि पूरे 2025 में हुए कुल एग्रीमेंट्स का 30 प्रतिशत है।

मुंबई में डीए का आंकड़ा 2020 से पहली बार 1,050 के आंकड़े के पार निकल गया है। इसके साथ 1,094 सोसाइटी फिलहाल रिडेवलपमेंट में हैं, जिसमें 432 एकड़ भूमि पर काम चल रहा है।

रिडेवलपमेंट का काम तेजी से मुंबई के उपनगरों में केंद्रित हो रहा है, जहां पाइपलाइन का 95 प्रतिशत हिस्सा है। इसमें वेस्टर्न सबर्ब्स सबसे आगे हैं, जहां 773 सोसायटियों का रिडेवलपमेंट हो रहा है, और उसके बाद सेंट्रल सबर्ब्स का नंबर आता है, जहां 261 सोसायटियां हैं।

रिपोर्ट में शहर में बढ़ती शहरी आबादी के घनत्व और पुराने होते हाउसिंग स्टॉक (आवासों) का जिक्र किया गया है।

मुंबई में लगभग 1.6 लाख इमारतें 30 साल से अधिक पुरानी हैं और उन्हें स्ट्रक्चरल ऑडिट के लिए चुना गया है। इनमें से सबसे अधिक इमारतें वेस्टर्न सबर्ब्स (46 प्रतिशत) में हैं, इसके बाद आइलैंड सिटी (28 प्रतिशत) और ईस्टर्न सबर्ब्स (26 प्रतिशत) का स्थान है।

मुंबई का जनसंख्या घनत्व, जो लगभग 30,600 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है, टोक्यो, न्यूयॉर्क शहर और सिंगापुर जैसे वैश्विक शहरी केंद्रों की तुलना में काफी अधिक है।

मई में थोक महंगाई 9.68 प्रतिशत रही, सरकार ने 2022-23 आधार वर्ष के साथ नई डब्ल्यूपीआई सीरीज लॉन्च की

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को 2022-23 को नया आधार वर्ष मानते हुए संशोधित थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) सीरीज लॉन्च की, साथ ही मंत्रालय ने बताया कि मई में थोक महंगाई दर 9.68 प्रतिशत दर्ज की गई।

नई डब्ल्यूपीआई सीरीज ने 2011-12 आधार वर्ष वाली पुरानी सीरीज की जगह ले ली है। यह देश में उत्पादक मूल्य माप प्रणाली (प्रोड्यूसर प्राइस मेजरमेंट) में किए जा रहे व्यापक बदलाव का हिस्सा है।

संशोधित डब्ल्यूपीआई के साथ सरकार ने आउटपुट प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (ओपीपीआई), ट्रायल इनपुट प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (आईपीपीआई) और सात सेवाओं के लिए सर्विस प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (पीपीआई) की नई सीरीज भी जारी की है।

मंत्रालय के अनुसार, प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स की ओर यह बदलाव अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की सिफारिशों और वैश्विक मानकों के अनुरूप है। उपयोगकर्ताओं को नई प्रणाली अपनाने के लिए पर्याप्त समय देने के उद्देश्य से डब्ल्यूपीआई सीरीज को अगले पांच वर्षों तक जारी रखा जाएगा।

मंत्रालय के मुताबिक, मई में अखिल भारतीय डब्ल्यूपीआई आधारित महंगाई दर सालाना आधार पर 9.68 प्रतिशत रही, जबकि सभी वस्तुओं का सूचकांक बढ़कर 109.9 पर पहुंच गया।

प्रमुख श्रेणियों में प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई दर मई में बढ़कर 4.99 प्रतिशत हो गई।

वहीं, ईंधन और बिजली (फ्यूल एंड पावर) श्रेणी में महंगाई लगभग 30 प्रतिशत तक पहुंच गई, जबकि विनिर्मित उत्पादों (मैन्यूफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स) की महंगाई दर इसी अवधि में बढ़कर 7.48 प्रतिशत दर्ज की गई।

मंत्रालय ने बताया कि खनिज तेल, कच्चा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, रसायन एवं रासायनिक उत्पाद तथा बेसिक मेटल्स थोक महंगाई बढ़ाने वाले प्रमुख कारकों में शामिल रहे।

इसके अलावा, मई में डब्ल्यूपीआई फूड इंडेक्स के तहत खाद्य महंगाई दर 4.49 प्रतिशत दर्ज की गई।

संशोधित सीरीज के तहत डब्ल्यूपीआई बास्केट में शामिल वस्तुओं की कुल संख्या 697 से बढ़ाकर 957 कर दी गई है।

नई सीरीज में बिजली श्रेणी के तहत सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा, पहली बार परमाणु ऊर्जा से उत्पादित बिजली को भी इस बास्केट में जगह दी गई है।

अमेरिका-ईरान समझौते से कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट, ब्रेंट क्रूड करीब 5 प्रतिशत टूटा

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होने तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने की घोषणा के बाद सोमवार को वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में करीब 5 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में बाधा आने की आशंकाएं काफी हद तक कम हो गई हैं।

अंतरराष्ट्रीय तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड शुरुआती कारोबार में 4.90 प्रतिशत तक गिरकर 83.05 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 5.74 प्रतिशत टूटकर करीब 80 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की दिशा में हुई प्रगति से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है, जिसके चलते सप्ताह की शुरुआत में एशियाई शेयर बाजारों में जोरदार तेजी देखने को मिली। वहीं अमेरिकी फ्यूचर्स भी मजबूती के साथ कारोबार करते नजर आए।

विशेषज्ञों ने कहा, 'इस बीच ब्रेंट क्रूड ऑयल 4 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर 83 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गया है, जिससे महंगाई को लेकर चिंताएं कम हुई हैं और बाजार की धारणा को अतिरिक्त समर्थन मिला है।'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर घोषणा की कि ईरान के साथ समझौता पूरा हो चुका है। उन्होंने लिखा, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के साथ समझौता अब पूरा हो चुका है।'

इसके साथ ही उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की भी घोषणा की। यह एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है, जिसके जरिए दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से के कच्चे तेल की आपूर्ति होती है।

ट्रंप ने लिखा, 'मैं होर्मुज जलडमरूमध्य को बिना किसी शुल्क के पूरी तरह खोलने और साथ ही अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को तुरंत हटाने की अनुमति देता हूं। दुनिया के जहाज अपने इंजन चालू करें। तेल को बहने दें!'

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका और ईरान शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर सकते हैं।

इस सकारात्मक घटनाक्रम का असर वैश्विक शेयर बाजारों पर भी दिखा।

जापान के निक्केई, हांगकांग के हैंग सेंग, दक्षिण कोरिया के कोस्पी और इंडोनेशिया के जकार्ता कंपोजिट जैसे प्रमुख एशियाई सूचकांक तेजी के साथ कारोबार करते नजर आए। इनमें से कुछ बाजारों में 5 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई।

घरेलू बाजार में भी इसका सकारात्मक असर देखने को मिला। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों शुरुआती कारोबार में 1 प्रतिशत से अधिक की मजबूती के साथ खुले।

घरों में बिना जानकारी दिए अतिरिक्त लोड का उपयोग बन सकता है गर्मियों में बिजली कटौती की वजहः एक्सपर्ट्स

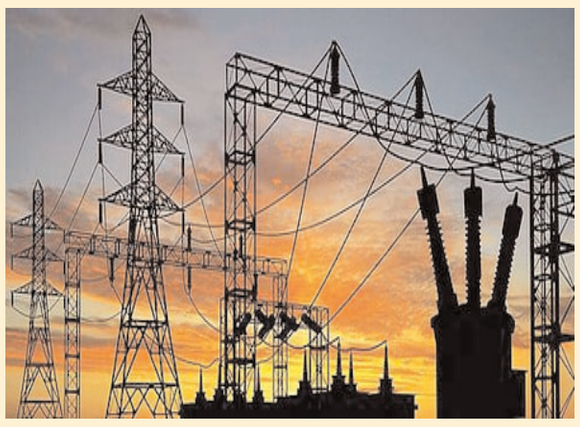

नई दिल्ली। गर्मी बढ़ते ही कई इलाकों में अचानक बिजली जाने की शिकायतें बढ़ जाती हैं। ऐसे में सबसे पहले उंगली बिजली कंपनी पर उठती है, लेकिन बिजली विशेषज्ञों का मानना है कि कई बार इसकी असली वजह कुछ और जैसे घरों में बढ़ता हुआ और बिना जानकारी दिए इस्तेमाल किया जा रहा अतिरिक्त बिजली लोड भी हो सकता है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बिजली वितरण व्यवस्था को एक तय क्षमता के अनुसार तैयार किया जाता है। भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसमें कुछ अतिरिक्त क्षमता भी रखी जाती है। लेकिन हर सिस्टम की एक सीमा होती है। जब किसी इलाके में बिजली की मांग स्वीकृत क्षमता से अधिक हो जाती है, तो स्थानीय बिजली नेटवर्क पर दबाव बढ़ जाता है। इसका परिणाम केबल खराब होने, फ्यूज उड़ने और बिजली आपूर्ति बाधित होने के रूप में सामने आता है।

गर्मियों में लगभग हर घर में एसी का इस्तेमाल बढ़ जाता है। इससे बिजली की मांग अचानक काफी बढ़ जाती है। समस्या तब पैदा होती है, जब लोग घर में नए एसी या अन्य भारी उपकरण तो लगा लेते हैं, लेकिन बिजली कंपनी को अपने बढ़े हुए लोड की जानकारी नहीं देते।

उदाहरण के लिए किसी घर को 5 किलोवाट बिजली इस्तेमाल करने की मंजूरी मिली है। समय के साथ उस घर में एक या दो एसी, गीजर, माइक्रोवेव और दूसरे भारी उपकरण जुड़ जाते हैं। ऐसे में वास्तविक खपत मंजूर सीमा से कहीं ज्यादा हो जाती है, क्योंकि बिजली कंपनी के रिकॉर्ड में लोड पहले जैसा ही दर्ज रहता है, स्थानीय ट्रांसफॉर्मर और नेटवर्क पर अचानक अतिरिक्त दबाव पड़ता है। नतीजतन फ्यूज उड़ सकते हैं, केबल खराब हो सकती हैं और पूरे इलाके की बिजली प्रभावित हो सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, गर्मियों में फ्यूज उड़ने की शिकायतों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी जाती है। इसकी एक बड़ी वजह उपभोक्ता मीटर केबिन में लोड का असंतुलित वितरण है।

भारत में यात्री वाहनों की बिक्री मई में 27 प्रतिशत बढ़ी, दोपहिया की सेल्स 19 लाख यूनिट्स के पार

नई दिल्ली। भारत की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री ने बीते महीने मजबूत प्रदर्शन किया और बिक्री किसी भी वर्ष के मई में महीने में अब तक के सबसे उच्चतम स्तर पर रही है। इसकी वजह यात्री वाहनों, दोपहिया वाहनों और तिपहिया वाहनों की मजबूत मांग है। यह जानकारी सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) की ओर से सोमवार को दी गई।

मई 2026 में घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 27.3 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 4,38,854 यूनिट हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह आंकड़ा 3,44,656 यूनिट था।

दोपहिया सेगमेंट में भी अच्छी बढ़ोतरी देखी गई, जहां बिक्री 14.8 प्रतिशत बढ़कर 19,02,209 यूनिट हो गई, वहीं तिपहिया वाहनों की बिक्री 31.1 प्रतिशत बढ़कर 70,720 यूनिट तक पहुंच गई।

सियाम के डायरेक्टर जनरल राजेश मेनन ने कहा कि मई के महीने में तीनों मुख्य वाहन कैटेगरी में अब तक की सबसे ज्यादा बिक्री दर्ज की गई। उन्होंने इस बढ़ोतरी का श्रेय आंशिक रूप से मई 2025 के कम बेस और जीएसटी दरों में कमी व आसान फाइनेंसिंग विकल्पों से बढ़ी मांग को दिया।

उन्होंने बताया, 'ये कारक सभी कैटेगरी में वाहनों की ज्यादा बिक्री को बढ़ावा दे रहे हैं।'

थोक बिक्री के ये मजबूत आंकड़े रिटेल बिक्री के शानदार प्रदर्शन के कारण आए हैं।

इससे पहले, फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने बताया था कि मई में पैसेंजर वाहनों की रिटेल बिक्री पहली बार 4 लाख के आंकड़े को पार कर गई, जो सालाना आधार पर 23.25 प्रतिशत बढ़कर 4,02,591 यूनिट हो गई।

फाडा ने इस ग्रोथ की वजह ग्रामीण इलाकों में मजबूत मांग, एंट्री-लेवल कार सेगमेंट में सुधार और स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल्स (एसयूवी) की लगातार मांग को बताया।

रोज-रोज पोहा और पराठा खाकर हो गए हैं बोर? चावल के आटे से बनाएं ये सुपर क्रिस्पी नाश्ता, जानिए आसान रेसिपी

रोज एक जैसा नाश्ता खाकर बोर हो चुके हैं, तो चावल के आटे, दालों और सब्जियों से बनने वाला यह कुरकुरा नाश्ता जरूर ट्राई करें. यह जल्दी बनता है, स्वाद से भरपूर है और सुबह की शुरुआत को और भी खास बना देता है.

सुबह का नाश्ता पूरे दिन की ऊर्जा तय करता है, लेकिन अक्सर घरों में यही परेशानी रहती है कि आखिर रोज नया क्या बनाया जाए. कई बार पराठा, पोहा, उपमा या ब्रेड जैसे आम नाश्ते खाते-खाते लोग ऊब जाते हैं और कुछ अलग खाने का मन करने लगता है. ऐसे में अगर आपको कोई ऐसी रेसिपी मिल जाए जो स्वादिष्ट भी हो, कुरकुरी भी हो, पेट भरने वाली भी हो और जल्दी तैयार भी हो जाए, तो इससे बेहतर क्या हो सकता है. इन दिनों सोशल मीडिया और कुकिंग चैनलों पर कई आसान रेसिपी वायरल हो रही हैं, जिनमें से एक खास रेसिपी लोगों को खूब पसंद आ रही है.

यह रेसिपी है चावल के आटे से बनने वाले क्रिस्पी नाश्ते की, जिसे मशहूर यूट्यूब चैनल 'श्यामली की रसोई' ने साझा किया है. इसमें चावल का आटा, दालें और ताजी सब्जियां मिलाकर ऐसा बैटर तैयार किया जाता है, जो तवे पर सिकने के बाद बेहद कुरकुरा और स्वाद से भरपूर बनता है. सबसे अच्छी बात यह है कि इसे बनाने में ज्यादा मेहनत नहीं लगती और घर के बच्चे से लेकर बड़े तक इसे शौक से खाते हैं.

चावल के आटे का नाश्ता क्यों बन रहा है लोगों की पसंद?

आजकल लोग ऐसे नाश्ते की तलाश में रहते हैं जो स्वाद और सेहत दोनों का अच्छा मेल हो. चावल के आटे से बनने वाला यह नाश्ता उसी जरूरत को पूरा करता है. इसमें दालों का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे प्रोटीन मिलता है, जबकि सब्जियां इसे और ज्यादा पौष्टिक बनाती हैं. इसके अलावा यह रेसिपी कम तेल में भी तैयार की जा सकती है.

सबसे पहले दालों को करें तैयार

इस रेसिपी की शुरुआत दालों से होती है. इसके लिए 2 बड़े चम्मच चने की दाल और 1 बड़ा चम्मच उड़द दाल लें. दोनों को गर्म पानी में करीब 30 मिनट के लिए भिगो दें. ज्यादा देर तक भिगोने की जरूरत नहीं है. हल्का नरम होना ही काफी है, क्योंकि यही दालें नाश्ते को शानदार क्रंच देती हैं.

खुशबूदार तड़का बढ़ाएगा स्वाद

एक पैन में थोड़ा तेल गर्म करें. तेल गर्म होने के बाद राई और जीरा डालें. जब ये चटकने लगें तो कद्दूकस किया हुआ अदरक, लहसुन और बारीक कटी हरी मिर्च डालकर हल्का भून लें. अब भीगी हुई दालों का पानी निकालकर उन्हें पैन में डाल दें. इसके बाद बारीक कटा कढ़ी पत्ता और एक छोटा चम्मच सफेद तिल डालें. तिल इस रेसिपी में एक अलग स्वाद और हल्की नटी खुशबू जोड़ता है।

AI सब कर लेगा, लेकिन 5 गुण नहीं! बच्चों में आज ही डालें ये आदतें, तभी होगा उज्ज्वल भविष्य

AI के बढ़ते प्रभाव के बीच भावनात्मक समझ, आलोचनात्मक सोच, अनुकूलन क्षमता, रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता जैसे कौशल बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करते हैं. ये गुण उन्हें तकनीक से आगे बढ़कर जीवन में सफल बनने में मदद करेंगे.

आज के समय में बच्चों की परवरिश पहले की तुलना में कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो गई है. मोबाइल, इंटरनेट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी द्ध ने जीवन के लगभग हर क्षेत्र में अपनी जगह बना ली है. स्कूल की पढ़ाई से लेकर रोजमर्रा के कामों तक, तकनीक का असर साफ दिखाई देता है. ऐसे में कई माता-पिता के मन में यह सवाल उठता है कि जब द्ध लगातार स्मार्ट होता जा रहा है, तब बच्चों को कौन-से कौशल सिखाए जाएं जो भविष्य में भी उनकी सबसे बड़ी ताकत बने रहें.

हालांकि, द्ध तेजी से विकसित हो रहा है, लेकिन कुछ मानवीय गुण ऐसे हैं जिन्हें कोई मशीन पूरी तरह नहीं अपना सकती. भावनाओं को समझना, नए हालात में खुद को ढालना, रचनात्मक सोच रखना और स्वतंत्र फैसले लेना जैसे कौशल आने वाले वर्षों में और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो सकते हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि जो बच्चे इन गुणों को बचपन से विकसित करेंगे, वे बदलती दुनिया में बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे. आइए जानते हैं उन पांच अहम जीवन कौशलों के बारे में जिन्हें हर माता-पिता को अपने बच्चों में विकसित करने की कोशिश करनी चाहिए.

1. भावनात्मक समझ बनेगी सबसे बड़ी ताकत

रिश्तों और जीवन दोनों में मिलेगा फायदा द्ध जानकारी दे सकता है, सवालों के जवाब दे सकता है, लेकिन वह इंसानी भावनाओं को महसूस नहीं कर सकता. यही वजह है कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता या इमोशनल इंटेलिजेंस भविष्य के सबसे जरूरी कौशलों में गिनी जा रही है. जो बच्चे अपनी भावनाओं को समझना और नियंत्रित करना सीख जाते हैं, वे तनाव, असफलता और सामाजिक चुनौतियों का बेहतर सामना कर पाते हैं. माता-पिता बच्चों से खुलकर बातचीत करें, उनकी भावनाओं को सुनें और उन्हें दूसरों की बात समझने की आदत डालें. इससे उनमें सहानुभूति और बेहतर संबंध बनाने की क्षमता विकसित होती है.

2. रचनात्मकता देगी अलग पहचान

कल्पना शक्ति ही इंसान को खास बनाती है, द्ध कंटेंट बना सकता है, तस्वीरें तैयार कर सकता है और संगीत भी तैयार कर सकता है, लेकिन असली रचनात्मकता इंसानी अनुभवों, भावनाओं और कल्पना से जन्म लेती है. जब कोई बच्चा चित्र बनाता है, कहानी लिखता है या किसी समस्या का अनोखा समाधान सोचता है, तब उसकी रचनात्मक क्षमता विकसित होती है. माता-पिता को बच्चों को केवल परिणाम पर नहीं, बल्कि उनकी सोच और प्रयास पर भी प्रोत्साहित करना चाहिए. यही आदत उन्हें भविष्य में नई संभावनाएं तलाशने के लिए प्रेरित करेगी.

3. आत्मनिर्भरता का कोई विकल्प नहीं

छोटी जिम्मेदारियां बनाती हैं मजबूत व्यक्तित्व तकनीक चाहे कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, जीवन की कई जिम्मेदारियां इंसान को खुद ही निभानी होती हैं. आत्मनिर्भरता बच्चों को आत्मविश्वास, धैर्य और समस्या सुलझाने की क्षमता देती है, अगर माता-पिता हर काम बच्चों के लिए कर देंगे, तो वे चुनौतियों का सामना करना नहीं सीख पाएंगे. इसलिए उम्र के अनुसार उन्हें छोटी-छोटी जिम्मेदारियां देना जरूरी है. अपना बैग व्यवस्थित करना, समय का प्रबंधन करना या घर के छोटे कामों में मदद करना जैसे अनुभव बच्चों को जिम्मेदार और आत्मनिर्भर बनाते हैं.4. बदलते हालात में खुद को ढालना सीखें

अनुकूलन क्षमता बनाएगी भविष्य के लिए तैयार दुनिया इतनी तेजी से बदल रही है कि आने वाले समय में कई ऐसी नौकरियां होंगी जिनके बारे में आज हम जानते भी नहीं है।

ये 6 पौधे घर में लगा लें, छिपकली दुम दबाकर भागेगी, हमेशा के लिए मिलेगा छुटकारा

हर किसी के घर में छिपकली दीवारों पर चिपकी हुई दिख ही जाती है. कॉकरोच, चीटियों या अन्य कीड़े-मकोड़ों को आप आसानी से मार देते हैं या भगा देते हैं, लेकिन दीवारों पर चलती इन छिपकलियों को भगाना बड़ा ही मुश्किल काम होता है. ये कहां से आती हैं और अचानक कहां गायब हो जाती हैं, समझ नहीं आता. यदि आपके घर में भी हमेशा छिपकली दिखती है तो आप अपने घर में कुछ पौधों को जरूर लगा लें. इन पौधों में मौजूद कुछ गुण, इनकी स्मेल से छिपकली घर में अधिक देर तक टिक नहीं सकेगी।

पुदीना लगाएं, छिपकली भगाएं- क्या आप जानते हैं कि पुदीने के पौधे में कुछ ऐसे गुण मौजूद होते हैं, जिससे छिपकली आपके घर से दूर रह सकती है? ये छिपकलियों को दूर रखने का बेहद कारगर नेचुरल तरीका है. इसकी तेज सुगंध छोटे सरीसृपों को बर्दाश्त नहीं होता. इससे कीड़े-मकोड़े भी दूर रहते हैं, जिन्हें देखकर ही छिपकलियां घर में अधिक आती हैं.

लेमनग्रास भी रखे छिपकली दूर- लेमनग्रास का पौधा भी आप अपने घर में लगाकर देखिए. इसकी तेज खट्टी-मीठी सुगंध, जिसमें प्राकृतिक सिट्रोनेला होता है छिपकली को दूर रखता है. इससे मच्छर भी घर में जल्दी नहीं

घुसते हैं. इसे आप अपनी घर के अंदर, बालकनी, गार्डन आदि में लगा सकते हैं.

युकलिप्टस लगाना भी है फायदेमंद-यूकेलिप्टस पौधे की पत्तियों में तेल की ग्रंथियां होती हैं, जिनसे ऐसी हार्ड स्मेल आती है कि कीड़े-मकौड़े तो क्या छिपकली भी घर में आना पसंद नहीं करती. इसकी तीखी सुगंध इनकी इंद्रियों को असहज कर सकती हैं. आप इसे अपने घर के बाहर, बालकनी, खिड़कियों, दरवाजे के पास गमले में लगा कर रख सकते हैं.

गेंदे के फूल का पौधा लगाएं- पीले, नारंगी रंग के चमकीले और खुशबूदार गेंदे के फूलों में पाइरेथ्रिन नाम का एक प्राकृतिक कंपाउंड होता है. यह कीड़ों छिपकलियों को घर से दूर रखने में बेहद कारगर साबित हो सकता है.

लहसुन लगाएं- लहसुन का इस्तेमाल आप भोजन में करते होंगे, लेकिन जब आप अपने घर की बालकनी में इसका पौधा ही लगा लेंगे तो सभी जीव-जंतु घर से दूर रह सकते हैं. दरअसल, लहसुन की स्मेल काफी तीखी और तेज होती है. इसकी गंध सल्फर युक्त होती है, जो प्राकृतिक रूप से छिपकलियों को दूर रखने में मददगार मानी जाती है. इसे आप घर के कोनों, बालकनी, बगीचे में लगा सकते हैं. घर के मेन डोर, रसोई और कमरे की बालकनी, खिड़कियों पर लहसुन को गमले में लगाकर रखने से एक प्राकृतिक सुरक्षा घेरा बनता है, जिससे छिपकलियों के आने की संभावना कम हो सकती है.

लैवेंडर का पौधा भी है काम का- लैवेंडर का पौधा आप अपने घर के अंदर और बाहर गमले में लगाकर रख सकते हैं. इसकी तेज महक छिपकलियों को दूर रखने में कारगर साबित हो सकती है. इस पौधे का स्ट्रॉन्ग फ्लोरल ऑयल आप पानी में मिक्स करके स्प्रे कर सकते हैं. इसकी गंध से दीवारों पर एक भी छिपकली नजर नहीं आएगी।

अंडे फ्रेश हैं या सड़े हुए, बिना तोड़े इन 6 आसान घरेलू हैक्स से मिनटों में करें पहचान

अंडे में प्रोटीन भरपूर होता है. अंडा काफी लोग नाश्ते में खाते हैं. कई बार अंडे को फोड़ते समय उसमें से काफी बदबू आती है. कुछ अंडे का पीला वाला भाग तोड़ते ही फैल सा जाता है. ऐसे में आप खराब और सड़ा अंडा खाएंगे तो आपको पेट से संबंधित कुछ समस्याएं भी हो सकती हैं. आप अंडे डेली खाते हैं, मार्केट से खुला या पैक्ड जैसे भी अंडे लाएं, उसे आप घर पर 6 तरीके से चेक कर सकते हैं कि वह खराब है या बिल्कुल फ्रेश.

अक्सर डॉक्टर्स को आपने ये कहते सुना होगा कि संडे हो या मंडे रोज खाओ अंडे. प्रोटीन से भरपूर अंडे हर दिन एक तो हर किसी को खाना चाहिए, क्योंकि ये मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं. मसल्स रिपेयर का काम करते हैं. बाल, त्वचा, आंखों से लेकर हार्ट तक के लिए अंड हेल्दी होते हैं. कई बार जब आप अंडे पकाते हैं तो उसमें से बहुत ही खराब सी स्मेल आती है. तोड़ते ही पीला वाला भाग फैल सा जाता है. पकाने और खाने में अजीब सी स्मेल आती है. ऐसे खराब अंडों का सेवन सेहत के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है. आप घर पर खराब और सड़े अंडों की पहचान कर सकते हैं. जानिए यहां सड़े, खराब अंडों की पहचान करने के कुछ आसान से घरेलू हैक्स के बारे में...

1. पानी वाला टेस्ट- आपको लग रहा है कि अंडे कहीं बाहर रखे-रखे गर्मी में खराब न हो गए हों, तो आप पानी वाला टेस्ट करके देखिए. आप एक बड़े से बाउल में पानी भरें. इसमें तीन-चार अंडे डाल दें. यदि अंडा डूब जाता है तो वह बिल्कुल सही है और अंडा तैरता है पानी पर तो समझ लें वो खराब है. एक बात और ध्यान दें कि अगर पानी में नीचे जाकर अंडा खड़ा हो जाए तो वह थोड़ा पुराना होने का संकेत है, लेकिन इसे इस्तेमाल कर सकते हैं. जब पुराना हो जाता है अंडा तो उसके अंदर हवा की मात्रा अधिक बढ़ जाती है, इसी कारण से वह पानी में तैरता है.

2. सूंघकर पहचानें- जब आप ऑमलेट बनाने के लिए अंडे को तोड़ें तो उसे स्मेल करके देखिए. यदि बहुत ही गंदी सी बदबू आए, अंडा फोड़ते ही पीला वाला हिस्सा गोल नहीं बल्कि फैल जाए तो ये खराब है. इसे फेंक दें. फ्रेश अंडे से कोई भी स्मेल नहीं आती है.

3. खोल को ध्यान से देखें- अंडे के छिलके में दरार नहीं, वह साफ-सुथरे, मजबूत दिख रहे हैं तो ये अंडा सही है. यदि अंडे को छूने से पाउडर सा महसूस हो, चिपचिपा लगे तो इसे खराब ही समझें. हालांकि, एक बार तोड़ कर चेक कर लें कि अंदर का सफेद और पीला वाला भाग सही लगे तो खा सकते हैं.

4. अंडा तोड़कर चेक करें- जब आप अंडे को तोड़ते हैं तो सफेद वाला भागा गाढ़ा होना चाहिए और पीला वाला भाग गोल और उभरा सा रहे. जर्दी तोड़ते ही फैल जाए, सफेदी बहुत पतला हो तो खराब हो सकता है. रंग या गंध असामान्य लगे, तो उसका सेवन न करें.

5. अंडे हिलाकर करें चेक- आप कान के पास अंडे को ले जाकर उसे हिला कर चेक करें. यदि अंदर से आवाज आए, हिलाते समय अंडा हल्का सा लगे तो ये पुराना और बेकार हो सकता है. फ्रेश अंडे को हिलाने से आवाज नहीं आती है.

6. एक्सपायरी डेट पर ध्यान दें- आप मार्केट से पैक्ड अंडे खरीदते हैं तो उसके लेबल पर एक्सपायरी डेट चेक कर लें. खुले अंडे फ्रेश लें और फ्रिज में रख दें, इससे ये कई दिनों तक सुरक्षित रह सकते हैं. लेकिन उपयोग से पहले ऊपर बताए गए परीक्षण कर लेना बेहतर होता है.

खराब अंडा खाने के नुकसान

पेट दर्द, उल्टी, दस्त, जी मिचलाना, बुखार, पेट में ऐंठन आदि जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

हर गुस्सा जिद नहीं होता! बच्चों में दिखें ये 6 लक्षण तो हो जाएं सावधान, कहीं किसी ने कुछ कह तो नहीं दिया

बचपन बहुत नाजुक और संवेदनशील समय होता है. माता-पिता अक्सर बच्चों के गुस्से, चिड़चिड़ेपन या उदासी को जिद या शरारत समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट बच्चों के कुछ असामान्य लक्षणों को नजरअंदाज ना करने की सलाह देते हैं।

अक्सर हम मान लेते हैं कि बच्चों का हर गुस्सा बस जिद या नखरा है, जबकि ऐसा हर बार नहीं होता. कई बार बच्चे अपने डर, दबाव या किसी के बुरे व्यवहार को शब्दों में नहीं कह पाते और गुस्से के जरिये ही संकेत देते हैं. अगर आपके बच्चे के स्वभाव में अचानक बदलाव दिखे, या गुस्से के साथ 6 खास तरह के लक्षण नजर आएं, तो इसे साधारण जिद समझकर ना टालें. हो सकता है किसी ने कुछ कह दिया हो या वह भीतर से परेशान हो. ऐसे में सावधान रहना और समय पर समझना बेहद जरूरी है. आइए हेल्थ एक्सपर्ट से जानते हैं बच्चों में दिखने वाले ये 6 लक्षण...

बच्चों की मदद की पुकार

नेशनल हेल्थ मिशन (द्ध) के अनुसार, हर गुस्सा जिद नहीं होता. कई बार यह बच्चे की खामोश मदद की पुकार होती है. अगर बच्चे के व्यवहार में अचानक बदलाव आए तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए. दरअसल, बच्चों में मानसिक तनाव, एंग्जायटी या डिप्रेशन के शुरुआती संकेत अक्सर शारीरिक और व्यवहारिक रूप में दिखते हैं. अगर समय पर ध्यान ना दिया जाए तो ये समस्याएं आगे चलकर और भी गंभीर हो सकती हैं.

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, अगर बच्चों में हर बात पर गुस्सा, हताशा समेत अन्य लक्षण दिखें तो सावधान हो जाएं, ये गंभीर हो सकते हैं.

लगातार हताशा :- बच्चा बार-बार हताश महसूस करता हो या कुछ करने में रुचि ना ले.

सिर दर्द व पेट दर्द की शिकायत :- बिना किसी स्पष्ट कारण के बार-बार पेट व सिर में दर्द की शिकायत.

बढ़ता चिड़चिड़ापन :- छोटी-छोटी बातों पर चिढ़ना.

अचानक मूड बदलना :- खुश से अचानक उदास या गुस्सैल हो जाना.

हर बात पर गुस्सा :- हर छोटी बात पर गुस्सा करना या झगड़ालू व्यवहार.

द्ध की माता-पिता से अपील

नेशनल हेल्थ मिशन ने माता-पिता से अपील की है कि बच्चों के इन व्यवहारों को सिर्फ शरारत ना समझें. ये कई बार स्कूल में दबाव, दोस्तों के साथ समस्या, परिवार में कलह या अकेलेपन का संकेत हो सकते हैं. बच्चों के साथ खुलकर बात करें, उनकी बातों को ध्यान से सुनें और जरूरत पड़ने पर किसी बाल मनोवैज्ञानिक या काउंसलर से सलाह लें।

शिमला-मनाली की भीड़ को जाइए भूल! भारत के इन 5 हिल स्टेशंस की खूबसूरती देखकर भूल जाएंगे सब कुछ!

अगर आप इस बार कुछ नया और सुकून भरा अनुभव करना चाहते हैं, तो भारत में कई खूबसूरत हिल स्टेशन हैं जो प्राकृतिक सुंदरता और शांति का शानदार संगम पेश करते हैं.

जब भी पहाड़ों पर घूमने-फिरने का ख्याल आता है, तो आमतौर पर सबसे पहले शिमला और मनाली का नाम ही दिमाग में आता है. लेकिन इन मशहूर टूरिस्ट जगहों पर बढ़ती भीड़ कभी-कभी घूमने का मज़ा खराब कर सकती है. अगर आप इस बार कुछ नया और शांत अनुभव करना चाहते हैं, तो भारत में कई खूबसूरत हिल स्टेशन हैं जो

प्राकृतिक सुंदरता, शांति और रोमांच का बेहतरीन मेल पेश करते हैं. आइए, ऐसे ही 5 हिल स्टेशनों के बारे में जानते हैं जो आपकी अगली छुट्टियों को सच में यादगार बना सकते हैं...

तवांग, अरुणाचल प्रदेश: पूर्वोत्तर भारत में स्थित तवांग अपनी बर्फ से ढकी चोटियों, शांत झीलों और बौद्ध मठों के लिए मशहूर है. यहां का तवांग मठ एशिया के सबसे बड़े मठों में से एक माना जाता है. यहां के आस-पास के पहाड़ और शानदार नज़ारे निश्चित रूप से आपका मन मोह लेंगे.

चोपता, उत्तराखंड: चोपता को अक्सर 'भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड' कहा जाता है. यहां की हरी-भरी घाटियां, देवदार के जंगल और हिमालय के शानदार नज़ारे इसे खास बनाते हैं. ट्रेकिंग के शौकीनों के लिए तुंगनाथ और चंद्रशिला ट्रेक मुख्य आकर्षण हैं.

येरकाड, तमिलनाडु: दक्षिण भारत का यह खूबसूरत हिल स्टेशन अपनी शांत झीलों, फूलों के बगीचों और हरियाली के लिए जाना जाता है. येरकाड में ज़्यादा भीड़-भाड़ नहीं होती, जिससे आपको प्रकृति के बीच शांति के पल बिताने का मौका मिलता है.

कसोल, हिमाचल प्रदेश: पार्वती घाटी में बसा कसोल यात्रियों और ट्रेकिंग के शौकीनों के बीच तेज़ी से लोकप्रिय हो रहा है. इसकी प्राकृतिक सुंदरता और शांत माहौल शहर की भागदौड़ भरी ज़िंदगी से राहत दिलाते हैं. यह जगह कैंपिंग और एडवेंचर टूरिज़्म के लिए भी मशहूर है।

शिल्पा शेट्टी ने मोबिलिटी चैलेंज

वर्कआउट के साथ मंडे मोटिवेशन की डोज दी

मुंबई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने फिटनेस के शौकीनों के लिए 'मंडे मोटिवेशन' का डोज देकर सप्ताह की शुरुआत की।

अपनी हालिया पोस्ट में शिल्पा शेट्टी ने बैलेंस, फ्लेक्सिबिलिटी और पूरे शरीर पर कंट्रोल बेहतर बनाने पर केंद्रित एक मोबिलिटी चैलेंज वर्कआउट शेयर किया। कैप्शन में उन्होंने फैंस को अपने फिटनेस लक्ष्यों के प्रति लगातार बने रहने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

वीडियो में, 'धड़कन' फिल्म की एक्ट्रेस को बैलेंस, फ्लेक्सिबिलिटी और नियंत्रित मूवमेंट पर ध्यान देते हुए मोबिलिटी चैलेंज वर्कआउट करते हुए देखा जा सकता है।

कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'आपका बैलेंस कितनी बार बिगड़ा? सच-सच बताइए। मोबिलिटी चैलेंज के फायदे, कई तरह की मूवमेंट से कंधे की मोबिलिटी और फ्लेक्सिबिलिटी बेहतर होती है। बेहतर पोस्चर और मूवमेंट के लिए ऊपरी और बीच की पीठ (थोरेसिक स्पाइन) की मोबिलिटी बढ़ती है। हिप मोबिलिटी बढ़ती है, जिससे आप ज़्यादा आसानी और अच्छे से मूव कर पाते हैं। बैलेंस, तालमेल और पूरे शरीर पर कंट्रोल को चुनौती मिलती है। मोटर कंट्रोल बेहतर होने के साथ-साथ शरीर को स्थिर रखने वाली मांसपेशियां मजबूत होती हैं। मूवमेंट के तरीके बेहतर होते हैं और जोड़ों की सेहत अच्छी रहती है। शरीर के प्रति जागरूकता, फोकस और फंक्शनल फिटनेस बढ़ती है।'

शिल्पा शेट्टी अक्सर अपने वर्कआउट और योग सेशन के वीडियो शेयर करती रहती हैं, जिससे उनके फिटनेस रूटीन की झलक मिलती है।

इस बीच शिल्पा शेट्टी ने हाल ही में अपना 51वां जन्मदिन मनाया। उन्होंने अपने शानदार जन्मदिन के सेलिब्रेशन की एक प्यारी सी झलक शेयर की, जिसे उन्होंने अपने परिवार के साथ मनाया। एक्ट्रेस ने इस खास दिन का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। क्लिप में शिल्पा अपने पति राज कुंद्रा के साथ केक काटती हुई दिख रही हैं, जबकि उनके बच्चे उनके लिए जन्मदिन का गाना गा रहे हैं। बच्चों को प्यार करने वाली इस मां ने केक का मजा लिया और उन्हें एक खास तोहफ़ा भी मिला, जिसने उन्हें हैरान कर दिया। इस प्यारे से वीडियो के साथ शिल्पा शेट्टी ने लिखा, 'अपने चाहने वालों के साथ एकदम परफेक्ट जन्मदिन। आपकी सभी शुभकामनाओं और आशीर्वाद के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। दिल बहुत सारे प्यार से भर गया है। दिल से आभार। काम की बात करें तो, शिल्पा शेट्टी को आखिरी बार वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में देखा गया था।

शब्दों को अपना रंग देकर बना देते हैं और खूबसूरत. आम लोगों की भाषा की रचनात्मकता को अमिताभ ने सराहा

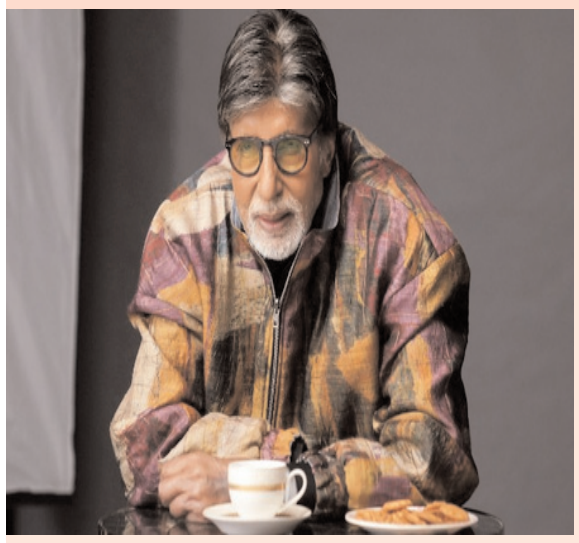

मुंबई। अभिनेता अमिताभ बच्चन अपने ब्लॉग पर प्रशंसकों के लिए कुछ न कुछ मजेदार किस्सा या जानकारी साझा करते रहते हैं। इसी कड़ी में उन्होंने भाषा और बोलचाल से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि किस तरह आम लोग अंग्रेजी शब्दों को अपनी सुविधा और अंदाज के अनुसार बदलकर नए और रोचक शब्द बना लेते हैं।

बिग बी का मानना है कि ऐसे शब्द भाषा को और अधिक शानदार बना देते हैं। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग की शुरुआत फैंस को संबोधित करते हुए की। उन्होंने मजाकिया अंदाज में स्पष्ट किया कि वह देर तक सोकर नहीं उठे थे, बल्कि काम में व्यस्त होने के कारण ब्लॉग लिखने में थोड़ी देरी हुई। उन्होंने लिखा कि काम तब पूरा लगता है जब वह अपने प्रशंसकों से जुड़ते हैं।

इसके बाद उन्होंने अपने घर 'जलसा' में लगे बोगनविलिया पौधों का जिक्र करते हुए एक रोचक कहानी सुनाई। उन्होंने बताया कि उनके माली को अंग्रेजी शब्द 'शरबरी' बोलने में कठिनाई होती थी। ऐसे में उसने अपनी सुविधा के अनुसार इस शब्द को बदलकर 'सरबरी' कहना शुरू कर दिया। अमिताभ ने कहा कि यह नया शब्द सुनने में इतना दिलचस्प और आत्मीय लगता है कि कई बार यह मूल अंग्रेजी शब्द से भी अधिक आकर्षक महसूस होता है।

बिग बी ने एक और उदाहरण देते हुए बताया कि कई लोग 'रेडिएटर' शब्द का उच्चारण सही तरीके से नहीं कर पाते। इसलिए उन्होंने इसे अपने अंदाज में 'रेडी वॉटर' कहना शुरू कर दिया। लोगों का मानना था कि चूंकि रेडिएटर में पानी भरा जाता है, इसलिए इसका नाम 'रेडी वॉटर' होना चाहिए। अमिताभ ने कहा कि भले ही यह शब्द तकनीकी रूप से सही न हो, लेकिन इसमें एक अलग तरह की रचनात्मकता और अपनापन दिखाई देता है।

उन्होंने आगे कहा कि ऐसे शब्दों का उच्चारण मूल शब्दों के काफी करीब होता है, लेकिन उनमें स्थानीय भाषा और संस्कृति की मिठास भी जुड़ जाती है। यही कारण है कि वे सुनने में और भी सुंदर लगते हैं।

अमिताभ बच्चन ने बताया कि भले ही हर व्यक्ति अंग्रेजी भाषा में पारंगत न हो, लेकिन लोग अपने अनुभव और समझ के आधार पर शब्दों को नया रूप दे देते हैं। यही रचनात्मकता भाषा को जीवंत बनाती है।

कभी फिल्म इंडस्ट्री छोड़ना चाहती थीं निवेथा पेथुराज, 'सिंग गीतम' बना करियर का टर्निंग पॉइंट

हैदराबाद। साउथ फिल्म इंडस्ट्री को कई सफल फिल्में देने वाली अभिनेत्री निवेथा पेथुराज ने बताया कि साल 2023 में उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने का मन बना लिया था। हालांकि, बाद में परिस्थितियां बदलीं और उन्हें निर्देशक सिंगीतम श्रीनिवास राव की फिल्म 'सिंग गीतम' का हिस्सा बनने का अवसर मिला, जिसने उनके करियर को नई दिशा दी।

फिल्म 'सिंग गीतम' की सफलता के बाद आयोजित थैंक्सगिविंग इवेंट में निवेथा ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब वह अभिनय की दुनिया से दूर जाना चाहती थीं।

उनके अनुसार, जीवन कभी-कभी ऐसे रास्तों पर ले जाता है, जहां से उसे अपने लिए सही मंजिल का पता चलता है। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने उस समय सिनेमा छोड़ने का फैसला कायम रखा होता, तो शायद आज वह इस खास फिल्म का हिस्सा नहीं बन पातीं। निवेथा ने फिल्म के निर्माता नाग

अश्विन का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नाग अश्विन ने उन्हें दोबारा आत्मविश्वास दिया और अभिनय की दुनिया में लौटने के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान अभिनेत्री भावुक नजर आईं, उन्होंने कहा कि यदि नाग अश्विन का सहयोग नहीं मिला होता, तो वह शायद किसी शांत स्थान पर आध्यात्मिक जीवन जी रही होतीं। उन्होंने स्वीकार किया कि वह एक अलग जीवन चुनने की सोच रही थीं, लेकिन अब वह पूरी ऊर्जा और विश्वास के साथ अपने करियर में वापस लौट चुकी हैं।अभिनेत्री ने फिल्म देखने के दौरान अपने भावनात्मक अनुभव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि फिल्म की कहानी और उसका मैसेज उन्हें बेहद प्रभावित कर गया। उनके अनुसार, यह फिल्म वर्तमान समय की कई महत्वपूर्ण सामाजिक और पर्यावरण संबंधित चुनौतियों को पेश करती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि हर शिशु के जन्म पर एक पौधा लगाने की पहल की जाए, जिससे पर्यावरण संरक्षण में मदद मिल सके।

निवेथा ने यह भी कहा कि उन्हें म्यूजिक बेस्ड फिल्मों और म्यूजिक इवेंट्स से खास लगाव है।

मिथुन चक्रवर्ती की बेटी दिशानी की हुई सगाई, 6 दिसंबर को होगी शादी

मुंबई। मशहूर एक्टर और नेता मिथुन चक्रवर्ती की बेटी दिशानी चक्रवर्ती की सगाई उनके बॉयफ्रेंड माइल्स मैंटजारिस से हो गई है और वे 6 दिसंबर 2026 को शादी करेंगी। इंस्टाग्राम बायो के अनुसार, माइल्स एक स्टेडीकैम ऑपरेटर और कलरलिस्ट हैं।

दिशानी ने एक जॉइंट पोस्ट में प्रपोजल के समय की कई तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में माइल्स घुटनों के बल बैठकर दिशानी को प्रपोज करते हुए दिख रहे हैं।

एक और तस्वीर में 'डिस्को डांसर' स्टार की बेटी अपनी उंगली में बड़ी सी अंगूठी दिखाती हुई नजर आईं। आखिरी तस्वीर में कपल एक-दूसरे को प्यार से किस करते हुए दिख रहा है।

कैप्शन में दिशानी ने लिखा: '6.12.2026 ... हमेशा साथ रहने का सबसे आसान फैसला, जो मैंने कभी लिया है।' इस पोस्ट को एक्ट्रेस सेलिना जेटली ने भी लाइक किया है। दिशानी मिथुन की गोद ली हुई बेटी हैं। मिथुन की शादी एक्ट्रेस योगिता बाली से हुई है। उनकी पहली शादी 1979 में एक्ट्रेस हेलेना ल्यूक से हुई थी। चार महीने बाद दोनों अलग हो गए और तलाक के लिए अर्जी दी थी। मिथुन और योगिता ने 1979 में शादी की। उनके चार बच्चे हैं, मिमोह, उष्मे, नमाशी और गोद ली हुई बेटी दिशानी।

सुखविंदर सिंह ने बताया 'दर्द-ए-डिस्को' का अनसुना किस्सा, बोले- राग और रॉक के अनोखे मेल ने इसे बनाया खास

मुंबई। बॉलीवुड फिल्म 'ओम शांति ओम' का सुपरहिट ट्रैक 'दर्द-ए-डिस्को' आज भी लोगों को झूमने पर मजबूर कर देता है। इस गाने को सिंगर सुखविंदर सिंह ने अपनी दमदार आवाज में गाया था। इस गाने से जुड़ा एक किस्सा अब सुखविंदर सिंह ने टीवी रियलिटी शो 'इंडियन आइडल' में सुनाया।

उन्होंने बताया कि इस गाने में शास्त्रीय संगीत और आधुनिक संगीत का अनोखा मेल छिपा है, जिसे समझना और गाना दोनों ही चुनौतीपूर्ण है।

दरअसल, स्पेशल गेस्ट के तौर पर शो में पहुंचे सुखविंदर सिंह कंटेस्टेंट चैतन्य देवाधे की परफॉर्मेंस से काफी प्रभावित हुए। उनके साथ-साथ जज विशाल ददलानी, श्रेया घोषाल और अन्य कंटेस्टेंट्स भी डांस करने लगे। इस बीच सुखविंदर ने 'दर्द-ए-डिस्को' से जुड़ी कई बातें साझा कीं।

उन्होंने बताया, ''जब भी मैं इस गाने को सुनता हूं तो हमेशा इसका शुरुआती अलाप याद रहता है। इस अलाप को सही तरीके से गाने के लिए मैंने काफी प्रैक्टिस की थी। यह गाना जितना सुनने में आसान लगता है। असल में इसे गाना उतना ही मेहनत वाला काम है। हर बार परफॉर्मेंस से पहले मैं उस हिस्से की तैयारी जरूर करता हूं, ताकि कोई कमी न रह जाए।''

उन्होंने कहा, 'इस गाने को तैयार करने के दौरान म्यूजिक की दुनिया के दो बिल्कुल अलग पहलुओं को जोड़ा गया था। एक तरफ भारतीय शास्त्रीय संगीत का राग था और दूसरी तरफ मॉडर्न म्यूजिक का रॉक था। ऐसे कंपोजिशन गाने को समय से आगे ले जाते हैं और उसे खास बनाते हैं।'

सुखविंदर सिंह ने कहा, ''इस गाने की तैयारी के दौरान मैं अकेले बैठकर प्रैक्टिस करता था और संगीत निर्देशकों से लगातार सीखता रहता था। उस समय मुझे पहली बार पूरा गाना एक खास राग पर आधारित होकर गाना था, लेकिन उसमें एनर्जी और डांस का भी पूरा ध्यान रखना था। यह कंपोजिशन मेरे लिए चुनौतीपूर्ण लेकिन रोमांचक था।''

सुखविंदर सिंह ने गाने के बोलों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ''गाने के बोल काफी अलग और अनोखे है। ऐसे बोल गाने को और भी ज्यादा यादगार बनाते हैं और दर्शकों के साथ एक अलग जुड़ाव पैदा करते हैं।''

एकता कपूर ने प्रियंका चाहर की तारीफ की, अभिनेत्री ने 'नागिन 7' के

मुंबई। अलौकिक (सुपरनैचुरल) शो 'नागिन' के सातवें सीजन के समाप्त होने के बाद प्रियंका चाहर चौधरी ने शो को अलविदा कहते हुए एक भावुक संदेश साझा किया। इस अवसर पर उन्हें टीवी जगत की 'जारिना' कही जाने वाली एकता कपूर से खूब सराहना मिली। एकता ने कहा कि वह प्रियंका के साथ फिर से काम करने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हैं।

इस सफर को 'अविस्मरणीय यात्रा' करार देते हुए प्रियंका ने सबसे पहले इंस्टाग्राम पर शूटिंग के आखिरी दिन की एक झलक साझा की और लिखा, 'और इसी के साथ, आज रात एक अविस्मरणीय यात्रा का अंत हो रहा है... नागिन 7।'

अभिनेत्री ने कहा कि इस शो ने उन्हें केवल यादें ही नहीं, बल्कि उससे कहीं अधिक दिया है। उन्होंने लिखा, 'इस शो ने मुझे सिर्फ यादों से कहीं ज्यादा दिया है- इसने मुझे खूबसूरत लोग, जीवनभर के रिश्ते और मेरे शिवजी के साथ और भी गहरा जुड़ाव दिया। महादेव से इतनी गहराई से जुड़ी कहानी का हिस्सा बनने से मेरा विश्वास और मजबूत हुआ है, और मैं हर दिन अपने जीवन में उनके प्रेम और उपस्थिति को महसूस करती हूं। यह रिश्ता हमेशा के लिए है और अटूट है।'

उन्होंने उन पर भरोसा करने और यह शानदार अवसर देने के लिए एकता कपूर का धन्यवाद किया।

प्रियंका ने आगे कहा, 'मैं हमेशा आभारी रहूंगी। इस अद्भुत यात्रा को जीने का मंच देने के लिए कलर्स टीवी और बालाजी टेलीफिल्मस लिमिटेड का दिल से धन्यवाद। मेरे सह कलाकारों, हमारी शानदार टीम और पर्दे के पीछे काम करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, जिन्होंने इस सफर को इतना खास बनाया।'

उन्होंने लिखा, 'और दर्शकों, आपके असीम प्यार और नागिन 7 को शुरुआत से लेकर अंत तक नंबर-1 शो बनाने के लिए धन्यवाद। यह प्यार मेरे लिए सब कुछ है। शो समाप्त हो सकता है, लेकिन इसकी यादें हमेशा बनी रहेंगी... और एक बात निश्चित है- नागिन की विरासत हमेशा जारी रहेगी। हमेशा आभारी। हमेशा धन्य। हर हर महादेव।'

प्रियंका चाहर चौधरी की इस पर एकता कपूर की नजर पड़ी, जिन्होंने उनकी जमकर प्रशंसा की। एकता कपूर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'सबसे खूबसूरत नागिन के लिए, तुम्हारे साथ काम करना बेहद सुखद अनुभव रहा। तुम मेहनती, खूबसूरत, आकर्षक और बहुत सहयोगी हो। भविष्य में फिर से तुम्हारे साथ काम करने का इंतजार रहेगा।

मुंबई में टीवी अभिनेत्री संचिता उगले ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

मुंबई। टीवी अभिनेत्री संचिता उगले की मौत की खबर ने मनोरंजन जगत को गहरे सदमे में डाल दिया है। बताया जा रहा है कि 22 साल की उम्र में उन्होंने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। यह घटना 14 जून की शाम को उनके नालासोपारा ईस्ट के आचोले गांव के साईं संतोषी बिल्डिंग वाले घर में हुई। संचिता ने अपने बेडरूम में अंदर से दरवाजा बंद करके सीलिंग फैन से साड़ी के

सहारे फांसी लगा ली।

घटना की सूचना मिलते ही परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों ने तुरंत उन्हें वसई-विरार म्युनिसिपल हॉस्पिटल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आचोले पुलिस स्टेशन के एएसआई विनोद बाघ ने बताया कि संचिता ने शाम 7 बजे से 7:30 बजे के बीच यह कदम उठाया। पुलिस को सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा तैयार किया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। मृतका के पिता मछिंद्रा उगले की शिकायत के आधार पर 15 जून को आचोले पुलिस स्टेशन में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 194 के तहत आकस्मिक मृत्यु (एडीआर) का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना हैं कि आत्महत्या के पीछे का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

पीएम मोदी से मुलाकात पर भारतीय प्रवासी और स्लोवाक कलाकार बोले- 'उनसे मिलकर सम्मानित महसूस किया'

ब्रातिस्लावा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा पहुंचे, जहां भारतीय समुदाय के लोगों और स्लोवाक कलाकारों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद लोगों ने कहा कि उनसे मिलकर उन्हें गर्व महसूस हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी का भारतीय समुदाय ने ग्रैंड होटल रिवर पार्क में भव्य स्वागत किया। स्लोवाकिया की पारंपरिक रोटी और नमक भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। इस दौरान 'मोदी-मोदी' और 'भारत माता की जय' के नारे भी गूंजे।

पीएम मोदी की यात्रा पर स्लोवाक संगीत एवं आध्यात्मिक समूह 'महादेवा कीर्तन प्रोजेक्ट' के संस्थापक तथा ड्रमर मारेक जिलिनेक ने कहा, 'हमारे बैंड को महादेवा कीर्तन प्रोजेक्ट कहा जाता है। मैं गायक नहीं, बल्कि ड्रमर हूं। यह हमारे लिए बड़े सम्मान की बात है। हम स्लोवाकिया स्थित भारतीय दूतावास के आभारी हैं, जिसने हमें प्रधानमंत्री के स्वागत में प्रस्तुति देने का अवसर दिया।'

भारतीय समुदाय के सदस्य राजेंद्र प्रसाद ने कहा, 'ब्रातिस्लावा में पीएम मोदी से मिलकर बहुत खुशी हुई। मेरी आंखें नम थीं और दिल गर्व से भरा हुआ था। मुझे उन्हें व्यक्तिगत रूप से देखने और उनसे मिलने का अवसर मिला। मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानता हूं।' एक अन्य सदस्य नितिन पटेल ने कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि भारत के प्रधानमंत्री से इतने करीब से मिलने और हाथ मिलाने का अवसर मिलेगा। मुझे उनका कार्य करने का तरीका बहुत पसंद आया। मैं उनके स्वभाव और समर्पण से बेहद प्रभावित हूं।' भारतीय समुदाय के सदस्य चिराग ने कहा, 'यह जानकर अच्छा लगा कि भारत के प्रधानमंत्री पहली बार यहां आए हैं। उनसे मिलकर खुशी हुई। हमें उम्मीद है कि यहां रहने वाले भारतीयों की समस्याओं के समाधान की दिशा में भी सकारात्मक कदम उठेंगे।' समुदाय के एक अन्य सदस्य सागर ने कहा, 'हम बहुत खुश हैं कि पहली बार हमारे देश के प्रधानमंत्री स्लोवाकिया आए। उन्होंने हमसे हाथ मिलाया, यह हमारे लिए यादगार पल है।'

स्लोवाक समूह लुक्निका एन्सेम्बल ने प्रधानमंत्री मोदी के ब्रातिस्लावा के ग्रैंड होटल रिवर पार्क में आने पर भारत का राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम प्रस्तुत किया। समूह की एक कलाकार ने कहा, 'मेरा नाम डेमोनिका है और आज हम अपनी गायक-मंडली के साथ भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए 'वंदे मातरम' प्रस्तुत कर रहे थे।'

विकसित भारत की ओर बढ़ते भारत-फ्रांस संबंध, सह-नवाचार के नए अवसर खोल रही साझेदारी : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि जैसे-जैसे भारत 'विकसित भारत' बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, फ्रांस के साथ उसकी साझेदारी सह-नवाचार (को-इनोवेशन) और तकनीकी प्रगति के नए अवसरों के द्वार खोल रही है। साथ ही यह ऐसी तकनीकों और समाधानों को बढ़ावा दे रही है, जो केवल दोनों देशों ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए लाभदायक साबित होंगी।

उन्होंने फ्रांस के नीस शहर में एक 'प्रोडक्टिव दिन' का समापन करते हुए नीस के मेयर एरिक सियोटी की मौजूदगी में सरकार, उद्योग, नवाचार और निवेश जगत के प्रमुख नेताओं के साथ एक रात्रिभोज का आयोजन किया।

गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष की पृष्ठभूमि में यह शाम विचारों के आदान-प्रदान और व्यापार, प्रौद्योगिकी तथा उभरते क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसर तलाशने का एक बेहतरीन मंच साबित हुई।'

इस बीच सरकार ने कहा कि भारत का 'विकसित भारत 2047' का विजन और फ्रांस का 'फ्रांस 2030' मिशन भविष्य-केंद्रित नवाचार साझेदारी को मजबूत आधार प्रदान करते हैं। इससे नई और विघटनकारी तकनीकों में निवेश के अवसर भी बढ़ेंगे।

इसी उद्देश्य से भारत और फ्रांस ने इंडिया-फ्रांस इनोवेशन रोडमैप 2030 को अपनाने का फैसला किया है। यह रोडमैप दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण और उभरती तकनीकों के सह-विकास, भरोसेमंद तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने, शिक्षा एवं अनुसंधान क्षेत्र में गतिशीलता बढ़ाने तथा लोगों, पर्यावरण और साझा समृद्धि के लिए ठोस परिणाम हासिल करने का मार्गदर्शन करेगा।

भारत और फ्रांस नवाचार को आर्थिक मजबूती, सतत विकास, रणनीतिक स्वायत्तता और तकनीकी एवं औद्योगिक संप्रभुता का प्रमुख आधार मानते हैं।

संक्षिप्त खबर

ऑस्ट्रेलिया से आई बच्ची पाकिस्तान पुलिस की गोलियों का हुई शिकार

लाहौर। पाकिस्तान इन दिनों दो वजहों से अपनी फजीहत करा रहा है। एक तो कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सुरक्षा बलों की ज्यादतियों और दूसरा चकवाल एनकाउंटर को लेकर। एक ऐसी मुठभेड़ जिसमें 9 साल की बच्ची को गोलियों से भून दिया गया। उसके पिता और भाई घायल हो गए। 10 जून को ये वारदात हुई और अब दुनिया की मीडिया पाकिस्तान के इस ढुलमुल रवैए पर सवाल उठा रही है। खासकर, ऑस्ट्रेलिया की मीडिया क्योंकि ये लोग ऑस्ट्रेलियाई नागरिक हैं। छुट्टियां मनाने पाकिस्तान आए परिवार पर पुलिस ने भूल से गोलीबारी की, जिसे ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख मीडिया संस्थानों ने प्रमुखता से प्रकाशित किया है, जिससे पाकिस्तान की कानून-व्यवस्था और पुलिस कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। घटना 10 जून की है, जब पर्थ में रहने वाला परिवार चकवाल में एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने जा रहा था। रास्ते में कथित लुटेरों ने परिवार को बंदूक की नोक पर रोक लिया। इसी दौरान मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों और संदिग्धों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। पुलिस ने भ्रमवश यह मान लिया कि लुटेरे परिवार की कार में भागने की कोशिश कर रहे हैं और उन्होंने कार पर गोलियां चला दीं।

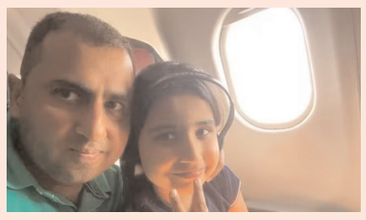

बच्ची हानिया की मौत पर पाकिस्तान से जवाब मांग रहा ऑस्ट्रेलिया, पीएम अल्बनीज बोले-'हो पारदर्शी जांच'

कैनबरा। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पुलिस फायरिंग के दौरान ऑस्ट्रेलियाई नागरिक नौ वर्षीय हानिया की मौत का मामला अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गूंजने लगा है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने पाकिस्तान से इस घटना की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। सोमवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए अल्बनीज ने इस पूरी घटना को दुखद बताया। ऑस्ट्रेलिया में जन्मी नौ वर्षीय हानिया अहमद अपने परिवार के साथ छुट्टियां मनाने पाकिस्तान गई थी। परिवार पंजाब के चकवाल जिले में रिश्तेदारों से मिलने पहुंचा था। इसी दौरान उनकी किराये की कार को हथियारबंद लुटेरों ने रोक लिया और परिवार को बंधक बना लिया। पंजाब पुलिस के अनुसार, मौके पर पहुंचे अपराध नियंत्रण विभाग (सीसीडी) के अधिकारियों ने हस्तक्षेप किया। इसी दौरान संदिग्ध लुटेरों और पुलिस के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल पर मौजूद अधिकारी ने गलती से यह समझ लिया कि लुटेरे परिवार की कार में भागने की कोशिश कर रहे हैं और उसने वाहन पर गोली चला दी। इस फायरिंग में हानिया अहमद की मौत हो गई, जबकि उसके पिता और भाई घायल हो गए। उसकी मां इस घटना में सुरक्षित बच गईं। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री अल्बनीज ने कहा कि इस मामले की पूरी पारदर्शिता के साथ जांच होनी चाहिए ताकि पीड़ित परिवार और दुनिया को सच्चाई का पता चल सके। उन्होंने कहा, 'इन परिस्थितियों की जांच होना आवश्यक है। जांच पूरी तरह पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए ताकि परिवार और अन्य लोग जान सकें कि वास्तव में क्या हुआ था।' अल्बनीज ने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया इस मामले में निष्पक्ष और उचित जांच की अपेक्षा करता है। उन्होंने शोक व्यक्त करते हुए कहा, 'नौ वर्षीय बच्ची का अपने परिवार के साथ पाकिस्तान जाना खुशी का अवसर होना चाहिए था, लेकिन यह एक दुखद त्रासदी में बदल गया।'

पुलिस चेक पोस्ट पर आत्मघाती हमला दो पुलिसवालों की मौत और छह घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पंजाब-खैबर पख्तूनख्वा सीमा के पास वाहवा इलाके में सोमवार को एक पुलिस चेक पोस्ट पर आत्मघाती हमला किया गया। इस हमले में दो पुलिसवालों की मौत हो गई और छह घायल हो गए।

पाकिस्तानी अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया कि अधिकारियों के अनुसार, रविवार को अनजान हमलावरों ने विस्फोटकों से भरी गाड़ी को चेकपोस्ट के मेन गेट से टकरा दिया, जिसके बाद भीषण धमाका हुआ। जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) मुहम्मद सादिक बलूच ने बताया कि हमले में दो पुलिसवालों की मौत हो गई, जबकि छह पुलिसवाले गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को हॉस्पिटल ले जाया गया।

अधिकारियों ने बताया कि ब्लास्ट में चेक पोस्ट का ढ़ांचा पूरी तरह से तबाह हो गया। हमले के बाद पुलिस और सुरक्षा बलों की भारी टुकड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं। इलाके को घेर लिया गया और मौके से सबूत इकट्ठा करने के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। धमाके की वजह से आसपास के कई घरों की छतें और दीवारें भी गिर गईं। इसके अलावा हमले में एक दर्जन से ज्यादा स्थानीय लोग घायल हो गए।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, मीडिया से बातचीत के दौरान डीपीओ सादिक बलूच ने कहा कि धमाके में सुसाइड बॉम्बर भी मारा गया और हमले की आगे की जांच शुरू कर दी गई है। इससे पहले, स्थानीय मीडिया ने अधिकारियों के बयान के हवाले से बताया कि पिछले हफ्ते पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में अलग-अलग घटनाओं में हथियारबंद हमलावरों ने दो पुलिसवालों पर गोलियां चलाईं। इस गोलीबारी में दो पुलिसकर्मी मारे गए। एक पुलिस कांस्टेबल 12 जून को एक सभा से वापस घर लौट रहा था, तभी बन्नू-मीरांशाह रोड पर उस पर हमला हुआ। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, जब वह घर लौट रहा था, तो अनजान हथियारबंद हमलावरों ने उस पर गोलियां चलाईं।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने अमेरिका-ईरान शांति समझौते की घोषणा का स्वागत किया

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अमेरिका और ईरान एक शांति समझौते की घोषणा का स्वागत किया है। इस समझौते में तत्काल और स्थायी युद्धविराम, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और आगे की बातचीत के लिए एक रूपरेखा तैयार करने की व्यवस्था है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने दी है। प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक बयान में कहा, 'यह संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में एक अहम कदम है।'

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बयान में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने शांति समझौते तक ले जाने वाली बातचीत का समर्थन करने में पाकिस्तान, कतर, मिस्र, सऊदी अरब, तुर्की और अन्य क्षेत्रीय देशों की रचनात्मक भूमिका की सराहना की है। प्रवक्ता के बयान में कहा गया, 'महासचिव को उम्मीद है कि संबंधित पक्ष इस नई गति को आगे बढ़ाएंगे और संघर्ष के अंतिम समाधान की दिशा में अपने प्रयासों को दोगुना करेंगे। महासचिव ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र एक स्थायी और व्यापक शांति हासिल करने में संबंधित पक्षों का समर्थन करने के लिए तैयार है।' इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका और ईरान के बीच एक समझौता हो गया है। इससे होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल जाएगा और अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी खत्म हो जाएगी। ट्रंप ने इसे एक बड़ी कामयाबी बताया है, क्योंकि महीनों के तनाव ने ग्लोबल एनर्जी मार्केट को हिला दिया था और एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध का डर पैदा कर दिया था।

ब्रिटेन में 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया बैन की तैयारी

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने डाउनिंग स्ट्रीट में प्रेस वार्ता के दौरान बड़ी घोषणा की। कहा कि सरकार 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कई प्रमुख सोशल मीडिया ऐप्स के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने जा रही है। उन्होंने इसे 'देश के लिए एक बड़ा क्षण' बताया। प्रस्तावित बैन को लेकर टेक कंपनियों ने चिंता जताई है।

स्टार्मर ने कहा कि सरकार इस कदम को लागू करने के लिए तकनीकी कंपनियों के विरोध का भी सामना करेगी, लेकिन बच्चों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह बच्चों की सुरक्षा और उनके मानसिक स्वास्थ्य से समझौता करने के लिए तैयार नहीं हैं। यह नीति बच्चों को हानिकारक ऑनलाइन सामग्री, अत्यधिक स्क्रीन टाइम और सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभावों से बचाने के उद्देश्य से लाई जा रही है। सरकार का मानना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर बढ़ते जोखिम बच्चों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहे हैं।

प्रमुख ब्रिटिश दैनिक द गार्डियन के अनुसार, यह प्रस्तावित प्रतिबंध कई बड़े प्लेटफॉर्म्स पर लागू हो सकता है, जिनमें टिक टॉक, इंस्टाग्राम, मेटा के अन्य प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक और थ्रेड्स, साथ ही एक्स, यूट्यूब, स्नैपचैट, रेडिट और अन्य ऐप्स शामिल हैं।

प्रस्तावित प्रतिबंध को लेकर बड़ी टेक कंपनियों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि पूर्ण प्रतिबंध बच्चों की सुरक्षा बढ़ाने के बजाय उन्हें कम सुरक्षित प्लेटफॉर्म्स की ओर धकेल सकता है।

यूट्यूब ने एक बयान में कहा कि सभी बच्चों पर एक समान प्रतिबंध लगाना उचित समाधान नहीं है। उनके अनुसार, 'व्यापक प्रतिबंध बच्चों को उन नियंत्रित, निगरानी वाले और लाभकारी डिजिटल अनुभवों से दूर कर देंगे, जो उनके लिए सुरक्षित वातावरण प्रदान करते हैं। इसके बजाय वे गुमनाम और कम सुरक्षित सेवाओं की ओर जा सकते हैं।'

एमटी जलवीर से बचाए गए क्रू सदस्यों ने जताया ओमान सरकार और भारतीय दूतावास का आभार

मस्कट। भारतीय जहाज एमटी जलवीर से रेस्क्यू किए गए चालक दल के 20 सदस्यों ने ओमान में भारत के दूतावास और ओमान सरकार का त्वरित कार्रवाई और समय पर बचाव अभियान के लिए आभार व्यक्त किया है।

मस्कट स्थित भारतीय दूतावास ने इस पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही ओमान की संबंधित अथॉरिटीज ने भी तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए सभी भारतीय नाविकों को सुरक्षित निकालने में मदद की।

दूतावास ने बचाए गए क्रू सदस्यों की एक वीडियो क्लिप साझा करते हुए बताया कि जहाज पर मौजूद भारतीय चालक दल के सभी 20 सदस्य अब सुरक्षित रूप से अपने घर लौट चुके हैं। इस घटना के बाद भारतीय पक्ष ने राहत और बचाव अभियान में शामिल सभी एजेंसियों के प्रति आभार जताया है। एमटी जलवीर के कैप्टन सुबोध ने बताया कि उनका रेस्क्यू ओमानी नेवी ने किया। इसके बाद भारतीय दूतावास उनके लगातार संपर्क में रहा। शिपिंग कंपनी भी हर संभव मदद करती रही। 11 जून से 14 जून तक सभी 20 क्रू सदस्यों को होटल में सुरक्षित रखा गया।

पोत के सेकेंड ऑफिसर नाजिम ने भी बताया कि दूतावास, ओमान सरकार और उनकी कंपनी ने पूरा साथ दिया। आम लोगों की दुआओं और सबके साथ की वजह से हम अपने परिजनों से मिल पा रहे हैं। क्रू मेंबर्स ने कहा कि संकट की स्थिति में मिली सहायता ने उनकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने भारतीय दूतावास और ओमान प्रशासन की समन्वित कार्रवाई को सराहा। एमटी जलवीर के सदस्यों से ओमान में भारत के राजदूत प्रशांत पिसे ने भी मुलाकात की। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ओमान में भारत के राजदूत ने एमटी जलवीर के 20 भारतीय क्रू सदस्यों से मस्कट में मुलाकात की और उनकी सुरक्षित घर वापसी की कामना की।

यूरोपीय देशों ने यूएस-ईरान डील का किया स्वागत तेहरान के खिलाफ प्रतिबंध हटाने का दिया संकेत

लंदन। फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी और इटली के नेताओं ने अमेरिका और ईरान के बीच एक समझौते की घोषणा का स्वागत किया है। उन्होंने इसे एक बड़ी कूटनीतिक जीत बताई और कहा है कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंताओं को दूर करने के लिए स्पष्ट और सत्यापित किए जा सकने वाले कदम उठाता है, तो वे जरूरी प्रतिबंध हटाने के लिए तैयार हैं।

चारों यूरोपीय नेताओं ने एक संयुक्त बयान में अमेरिका-ईरान की सरकार और समझौते को आसान बनाने में शामिल सभी पार्टियों को बधाई दी। उन्होंने डिप्लोमैटिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में मध्यस्थों की भूमिका को भी माना। यूरोपीय नेताओं ने संयुक्त बयान में कहा, 'हम अमेरिका और ईरान के बीच एमओयू की घोषणा का दिल से स्वागत करते हैं। हम इस डिप्लोमैटिक कामयाबी पर अमेरिकी, ईरानी सरकार और इसमें शामिल सभी लोगों को बधाई देते हैं, जिनमें पाकिस्तान, कतर और सभी दूसरे मध्यस्थ शामिल हैं।'

श्रीलंका में डेंगू के नए स्ट्रेन से संक्रमण का खतरा बढ़ा

रोकथाम के लिए अधिकारियों ने शुरू किया अभियान

कोलंबो। श्रीलंका में डेंगू के मामलों में साल 2026 में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रहा है। श्रीलंका के स्वास्थ्य उप मंत्री हंसाका विजेमुनी ने कहा कि डेंगू वायरस का एक नया स्ट्रेन फैल रहा है, जिससे संक्रमण के प्रसार का खतरा बढ़ गया है। अधिकारियों ने सोमवार को मच्छरों की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण पाने और संक्रमण कम करने के लिए पूरे देश में रोकथाम अभियान शुरू किया।

विजेमुनी ने मीडिया को बताया कि देश में पहले पाए गए स्ट्रेन की तुलना में मौजूदा वायरस में कई बदलाव हैं। श्रीलंका में कई लोग शायद पहले इस वेरिएंट के संपर्क में नहीं आए होंगे, जिससे आबादी का एक बड़ा हिस्सा संक्रमण के प्रति संवेदनशील हो गया है। श्रीलंका में इस साल अब तक डेंगू के 41,144 मामले सामने आए हैं, जबकि 24 मौतें हुई हैं। मरने वालों में चार बच्चे भी शामिल हैं। बढ़ते मामलों को रोकने के लिए, सरकार ने 15 से 20 जून तक डेंगू रोकथाम सप्ताह शुरू किया है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, 15 से 17 जून तक, यह प्रोग्राम पूरे आइलैंड में पब्लिक जगहों पर फोकस करेगा। इसके बाद 18 जून को यह शिक्षा क्षेत्र में जाएगा, जिसमें स्कूल, प्रीस्कूल, प्राइवेट स्कूल और बच्चों वाले दूसरे संस्थान शामिल होंगे। 19 जून को पब्लिक और प्राइवेट वर्कप्लेस को टारगेट किया जाएगा, जबकि 20 जून को घरों और आस-पास के माहौल की जांच और सफाई के लिए रखा गया है।

विजेमुनी ने कहा कि स्वास्थ्य अधिकारियों को डेंगू के मामलों में समय-समय पर बढ़ोतरी का अंदाजा था और उन्होंने ऐसी स्थिति के लिए तैयारी कर ली थी। उन्होंने कहा कि सरकार का रिस्पॉन्स मच्छरों की आबादी कम करने और यह सुनिश्चित करने पर है कि मरीजों को उनकी हालत बिगड़ने से पहले, सही समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं मिले।

शिलांग में पूर्वोत्तर भारत इंफ्रास्ट्रक्चर समिट 2026 का नितिन गडकरी ने किया शुभारंभ

शिलांग। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को मेघालय की राजधानी शिलांग में आयोजित 'नॉर्थ ईस्ट इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर समिट एंड एग्जीबिशन' का उद्घाटन किया। उन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र में तेज गति से बुनियादी ढांचे के विकास की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इससे कनेक्टिविटी, व्यापार, पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

यह दो दिवसीय सम्मेलन 15 और 16 जून को 'लारिटी इंटरनेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स एंड कल्चर' में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में देशभर के नीति निर्माता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, बुनियादी ढांचा विशेषज्ञ और अन्य हितधारक शामिल हुए हैं। यहां पूर्वोत्तर क्षेत्र में भविष्य की परियोजनाओं और नए अवसरों पर चर्चा की जा रही है।

इससे पहले दिन में नितिन गडकरी का उमरोई हवाई अड्डे पर मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा और उपमुख्यमंत्री प्रेस्टोन टिनसॉन्ग ने स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेता उद्घाटन सत्र में शामिल हुए।

कार्यक्रम में नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों के प्रतिनिधि, निजी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों के अधिकारी, निवेशक और विकास सहयोगी भी मौजूद रहे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए भारत का प्रवेश द्वार है। इसलिए यहां सड़कों, राष्ट्रीय राजमार्गों, लॉजिस्टिक्स नेटवर्क, शहरी ढांचे, नवीकरणीय ऊर्जा और डिजिटल कनेक्टिविटी में लगातार निवेश की आवश्यकता है। यह सम्मेलन पूर्वोत्तर के आठ राज्यों में क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने और लोगों व वस्तुओं की आवाजाही को आसान बनाने वाली मौजूदा और आगामी परियोजनाओं पर चर्चा का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। उद्योग जगत के प्रतिनिधि परिवहन, पर्यटन, शहरी विकास, टिकाऊ इंफ्रास्ट्रक्चर और स्मार्ट तकनीकों जैसे क्षेत्रों में निवेश के अवसरों की भी तलाश करेंगे। सम्मेलन के साथ आयोजित प्रदर्शनी में क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं, नई तकनीकी खोजें और विकास मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं। पिछले कुछ वर्षों में पूर्वोत्तर भारत में बुनियादी ढांचे के विकास को काफी बढ़ावा मिला है। राष्ट्रीय राजमार्गों, पुलों, हवाई अड्डों, रेलवे कनेक्टिविटी और सीमा व्यापार गलियारों में बड़े स्तर पर निवेश किया गया है। केंद्र सरकार लगातार इस बात पर जोर देती रही है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' को मजबूत करने और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय बाजारों से बेहतर जुड़ाव स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रियंक खड़गे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को लिखा पत्र

संगठन की कानूनी स्थिति और वित्तीय पारदर्शिता पर उठाए सवाल

बेंगलुरु। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खड़गे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत को एक खुला पत्र लिखकर संगठन के 100 वर्ष पूरे होने पर बधाई दी है। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने आरएसएस की कानूनी स्थिति, वित्तीय पारदर्शिता और संवैधानिक जवाबदेही को लेकर कई गंभीर सवाल भी उठाए हैं।

प्रियंक खड़गे ने पत्र में कहा कि आरएसएस देशभर में 60 हजार से अधिक शाखाओं और करोड़ों स्वयंसेवकों वाला एक विशाल संगठन होने का दावा करता है। ऐसे में उसे पारदर्शिता, जवाबदेही और संविधान के अनुरूप संचालन के सर्वोच्च मानकों का पालन करना चाहिए। उन्होंने अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा (एबीपीएस) की 2025-26 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि केवल कर्नाटक में ही आरएसएस की 4,127 दैनिक शाखाएं, 1,389 साप्ताहिक मिलन और 60 मासिक मंडलियां संचालित होती हैं। इसके अलावा 2,194 समाजोत्सवों में करीब 19.61 लाख लोगों की भागीदारी और 562 पथ संचलनों में 2.21 लाख से अधिक गणवेशधारी स्वयंसेवकों के शामिल होने का दावा किया गया है।

प्रियंक खड़गे ने कहा कि इतनी व्यापक गतिविधियों वाले संगठन को निजी या अनौपचारिक संस्था नहीं माना जा सकता। उन्होंने सवाल उठाया कि इतने बड़े पैमाने पर सार्वजनिक कार्यक्रम, पथ संचलन और जनसंपर्क गतिविधियां चलाने वाले संगठन की कानूनी स्थिति, वित्तीय स्रोत, सार्वजनिक जवाबदेही और संवैधानिक अनुपालन स्पष्ट होना चाहिए।

उन्होंने आरएसएस से अपने अधिकृत पदाधिकारियों को चर्चा के लिए भेजने का आग्रह करते हुए पूछा कि आखिर किस कानूनी आधार पर संगठन बिना औपचारिक पंजीकरण या 'बॉडी ऑफ इंडिविजुअल्स' के रूप में पंजीकृत हुए बिना कार्य कर रहा है। प्रियंक खड़गे ने अपने पत्र में कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में कोई भी संगठन, चाहे वह कितना भी पुराना, बड़ा या प्रभावशाली क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं हो सकता।

संक्षिप्त खबर

बीकानेर में कार-ट्रक की टक्कर में छह लोगों की मौत, एक बालिका गंभीर रूप से घायल

बीकानेर। राजस्थान में बीकानेर के श्री डूंगरगढ़ क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक कार और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस भीषण हादसे में 6 लोगों की मौत हुई है, जबकि एक बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा सीजराल होटल के पास हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। मृतकों में तीन पुरुष, एक महिला और एक बालिका शामिल हैं। हादसे में घायल एक अन्य बालिका को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में बीकानेर रेफर किया गया है।

कार में सवार सभी 7 लोग हरियाणा के फतेहाबाद के निवासी बताए जा रहे हैं, जो एक ही परिवार के थे। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मौके पर आपणो गांव सेवा समिति की एंबुलेंस तथा टोल एंबुलेंस के सेवादार पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। सभी शवों को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस भी मौके पर पहुंचकर दुर्घटना के कारणों की जांच में जुट गई है। एक साथ छह लोगों की मौत से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है।

इससे पहले नागौर जिले में हुए भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हुई थी, जबकि पांच लोग घायल हुए थे। पुलिस ने बताया कि हादसा लूणी नदी पर से गुजरने के रास्ते के पास हुआ, जब एक वैन और निजी बस की टक्कर हो गई। वैन में एक परिवार के आठ के लोग सवार थे और सभी सोमवती अमावस्या के मौके पर पवित्र स्नान के लिए पुष्कर जा रहे थे।

सलीम डोला ने ड्रग्स के पैसे से दुबई और तुर्किये में 100 करोड़ की संपत्ति बनाई

मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच को संदेह है कि फरार अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का करीबी सहयोगी माने जाने वाले कुख्यात ड्रग तस्कर सलीम डोला ने तुर्किये और दुबई में व्यापक संपत्तियां खड़ी की हैं। साथ ही, क्राइम ब्रांच की पूछताछ के दौरान जांचकर्ताओं को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा पूछताछ पूरी किए जाने के बाद तुर्किये में गिरफ्तारी कर भारत लाए गए सलीम डोला से अब मुंबई क्राइम ब्रांच की विभिन्न इकाइयां कई मामलों में पूछताछ कर रही हैं। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों के अनुसार, कोविड-19 महामारी के बाद डोला ने मुंबई में अपने कथित ड्रग तस्करी कारोबार और नेटवर्क का काफी विस्तार किया था। जांच में यह भी सामने आया है कि वह 'अयहान शेख' नाम की फर्जी पहचान के तहत तुर्किये में रह रहा था और वहीं से एक बड़े ड्रग नेटवर्क का संचालन कर रहा था। जांचकर्ताओं को पता चला है कि डोला ने ड्रग तस्करी से अर्जित धन के जरिए दुबई और तुर्किये में लगभग 100 करोड़ रुपये की संपत्तियां बनाई थीं। एजेंसियां अब उसके विदेशी निवेश, संपत्तियों और वित्तीय लेन-देन की व्यापकता की जांच कर रही हैं। पूछताछ के दौरान डोला ने कथित तौर पर सांगली में संचालित एक बड़े सिंथेटिक ड्रग निर्माण केंद्र के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

मद्रास हाईकोर्ट की टिप्पणी से तमिलनाडु में ताड़ीबंदी पर फिर छिड़ी बहस

तिरुचिरापल्ली। तमिलनाडु में ताड़ी (टोडी) निकालने और उसकी बिक्री पर लगभग चार दशक पुराने प्रतिबंध को हटाने की मांग एक बार फिर चर्चा में आ गई है। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने राज्य सरकार को ताड़ी उत्पादन और विपणन को बढ़ावा देने के उपायों पर विचार करने की सलाह दी है, जिसके बाद इस मुद्दे पर नई बहस शुरू हो गई है।

किसानों, ताड़ी निकालने वाले श्रमिकों, कृषि विशेषज्ञों और ग्रामीण आजीविका से जुड़े संगठनों का कहना है कि यदि ताड़ी उत्पादन को नियमन के साथ अनुमति दी जाए तो इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और राज्य में बड़ी संख्या में मौजूद ताड़ (पालमायरा) के पेड़ों का संरक्षण भी होगा।

यह मामला तेनकासी जिले में एक ताड़ी निकालने वाले व्यक्ति से जुड़े एक प्रकरण की सुनवाई के दौरान सामने आया। सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति बी. पुगालेंधी ने सरकार को सुझाव दिया कि ताड़ी निकालने को प्रोत्साहित किया जाए और इसके पोषण संबंधी तथा अन्य लाभकारी गुणों का प्रचार-प्रसार किया जाए।

गौरतलब है कि तमिलनाडु में 1 जनवरी 1987 से ताड़ी निकालने और उसकी बिक्री पर मिलावट की आशंका को देखते हुए प्रतिबंध लगा हुआ है। हालांकि, पड़ोसी राज्य केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में लाइसेंस प्राप्त दुकानों के माध्यम से ताड़ी की बिक्री की अनुमति है। मद्रास हाईकोर्ट की टिप्पणी का स्वागत करते हुए तमिलनाडु टोडी मूवमेंट के समन्वयक सी. नल्लासामी ने कहा कि उनका संगठन लंबे समय से इस प्रतिबंध को हटाने की मांग कर रहा है। उनके अनुसार ताड़ी केवल मादक पेय नहीं, बल्कि पारंपरिक खाद्य उत्पाद है और सरकार को पड़ोसी राज्यों की तर्ज पर नीति अपनानी चाहिए।

कुकी गांव पर उग्रवादियों के हमले में 3 लोग घायल आदिवासी संगठन ने की कार्रवाई की मांग

इंफाल। सोमवार को मणिपुर के कांगपोकपी जिले में कुकी समुदाय के लोगों वाले लेइलोन वाइफेई गांव पर अज्ञात हथियारबंद उग्रवादियों ने हमला किया, जिसमें कम से कम तीन लोग घायल हो गए।

कुकी आदिवासी समुदाय के मुख्य संगठनों में से एक कुकी इनपी मणिपुर (केआईएम) ने इस हमले की कड़ी निंदा की और सुरक्षा बलों, खासकर केंद्रीय बलों से तुरंत कार्रवाई की मांग की।

केआईएम के सूचना और प्रचार सचिव जंगहाओलन हाओकिप ने आरोप लगाया कि एनएससीएन-आईएम और उसके प्रॉक्सी संगठन जेलियांगरोंग यूनाइटेड फ्रंट (कामसन) (जेडयूएफ-के) से जुड़े उग्रवादियों ने लेइलोन वाइफेई पर बम से हमला किया। हाओकिप ने एक बयान में कहा, 'इस हिंसक घटना ने एक बार फिर बेगुनाह लोगों की जान को खतरे में डाल दिया है। संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है और लोगों की शांति और सुरक्षा को खत्म कर दिया है। आम नागरिकों वाले इलाकों पर ऐसे हमले अस्वीकार्य और अमानवीय हैं और ये कानून के शासन के लिए सीधा खतरा हैं।' उन्होंने कहा कि लेइलोन वाइफेई गांव और आसपास के इलाकों के लोगों से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे लगातार डर के साये में जीएं, जबकि हथियारबंद समूह पूरी आजादी और बिना किसी डर के अपनी गतिविधियां जारी रखे हुए हैं। हाओकिप ने सवाल करते हुए कहा, 'क्या सरकार और सुरक्षा बल कब तक उन लोगों को छूट देते रहेंगे जो आतंक, असुरक्षा और तबाही फैलाने के लिए जिम्मेदार हैं।

सुरक्षा बलों और सरकार की चुप्पी, देरी या कार्रवाई न करने से अपराधी और भी बेखौफ हो जाएंगे और जनता का गुस्सा और अविश्वास और बढ़ेगा।' आदिवासी संगठन ने सरकार और सुरक्षा एजेंसियों से मांग की कि वे इस बिना उकसावे वाले हमले में शामिल सभी लोगों की पहचान करें, उन्हें गिरफ्तार करें और उन पर मुकदमा चलाएं।

20 बागी टीएमसी सांसदों के दावे से चर्चा में आई एनसीपीआई, बन सकती है पांचवीं सबसे बड़ी पार्टी

नई दिल्ली। वीकेंड तक लगभग अज्ञात रही एक राजनीतिक पार्टी ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट से चर्चा में आ गई। पार्टी ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक ग्राफिकल प्रस्तुति साझा की, जिसमें लोकसभा में पश्चिम बंगाल से सांसदों के संभावित प्रतिनिधित्व को दर्शाया गया, जिसमें पार्टी के सांसदों की संख्या राज्य की दो मुख्य राजनीतिक पार्टियों की कुल संख्या के बराबर दिखाई गई।

'नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' (एनसीपीआई) के फेसबुक पेज पर पश्चिम बंगाल लोकसभा सीट-पार्टी-वार ब्योरा नाम से एक पोस्ट है। इसमें दिखाया गया है कि संसद के निचले सदन (लोकसभा) में पार्टी के 20 सदस्य हैं। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 12 और राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के आठ सदस्य हैं। कांग्रेस का एक सदस्य है और एक सीट (बसीरहाट) मौजूदा सदस्य की मौत के बाद खाली है।

दिलचस्प बात यह है कि मामूली शुरुआत और 2023 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बावजूद एनसीपीआई हाल ही में चर्चा में आई है, खासकर रविवार को जब तृणमूल के 20 बागी सांसदों के इसमें शामिल होने से इसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली। एनसीपीआई लोकसभा में पांचवीं सबसे बड़ी पार्टी बन सकती है,पांचवीं सबसे बड़ी पार्टी बन सकती है, बशर्ते स्पीकर इसे मंजूरी दें।जनवरी 2023 में रजिस्टर्ड यह पार्टी अभी भारत के चुनाव आयोग के पास रजिस्टर्ड अनरिकॉग्नाइज्ड पॉलिटिकल पार्टी के तौर पर दर्ज है। इस तरह से यह कानूनी रूप से रजिस्टर्ड पार्टी तो है, लेकिन इसे राज्य या राष्ट्रीय पार्टी के तौर पर मान्यता नहीं मिली है। इसलिए इसे चुनाव के लिए आरक्षित चुनाव चिह्न नहीं मिलते और न ही सरकारी मीडिया पर मुफ्त एयरटाइम या प्रचार के लिए सब्सिडी वाली सुविधाएं जैसी सहूलियतें मिलती हैं। मान्यता पाने के लिए लगातार अच्छा चुनावी प्रदर्शन करना होगा और राज्य या राष्ट्रीय चुनावों में तय वोट शेयर या सीटों की संख्या हासिल करनी होगी।

खूंटी में गैरेज संचालक को घर से अगवा कर पत्थर से कूचकर मार डाला

खूंटी। झारखंड के खूंटी जिले के रनिया थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल गैरेज संचालक राधेश्याम साहू उर्फ राधे मिस्त्री (44) की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। सोमवार को तांबा-केनबाकी मार्ग स्थित तांबा जंगल से उनका शव बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

पुलिस के अनुसार, राधेश्याम साहू रनिया में किराये के मकान में रहते थे और गैरेज का संचालन करते थे। परिजनों के मुताबिक, रविवार देर रात तीन बजे बोलेरो से पहुंचे चार-पांच अज्ञात लोग जबरन उनके घर में घुसे और उन्हें अपने साथ ले गए। जाते समय आरोपी उनकी स्कूटी भी ले गए। राधेश्याम की पत्नी ने घटना के तुरंत बाद रनिया थाना पहुंचकर पति के अपहरण की लिखित सूचना दी और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई।

इसी बीच सोमवार को तांबा-केनबाकी पथ से गुजर रहे कुछ लोगों की नजर सड़क किनारे खड़ी एक स्कूटी पर पड़ी। पास जाकर देखने पर स्कूटी के नीचे एक व्यक्ति का शव मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव की पहचान राधेश्याम साहू के रूप में की गई।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अपराधियों ने उनकी हत्या बेहद बेरहमी से की। शव की पहचान छिपाने और घटना को सड़क दुर्घटना का रूप देने के उद्देश्य से सिर पर भारी पत्थर से कई वार किए गए थे, जिससे चेहरा बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। इसके बाद शव के ऊपर उनकी स्कूटी पलटकर रख दी गई थी।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हत्या के कारणों का पता लगाने और आरोपियों की पहचान के लिए जांच तेज कर दी गई है।

कोयंबटूर में एयरपोर्ट के विस्तार को लेकर विवाद किसानों ने बाउंड्रीवॉल का किया विरोध

कोयंबटूर। तमिलनाडु के कोयंबटूर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के विस्तार को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। चिन्नीयाम्पलयम और इरुगुर के निवासी और किसान एयरपोर्ट के नए टर्मिनल तक जाने वाली नई अप्रोच रोड के दोनों ओर बाउंड्री वॉल बनाने के एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (एएआई) के प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं।

एयरपोर्ट के विस्तार प्रोजेक्ट के लिए अपनी जमीन का कुछ हिस्सा देने वाले कई किसानों का आरोप है कि प्रस्तावित दीवार से उनकी बची हुई प्रॉपर्टी और खेती की जमीन तक पहुंचने का रास्ता बंद हो जाएगा, जिससे उनकी आजीविका पर बुरा असर पड़ेगा। यह मामला अविनाशी रोड से नए टर्मिनल तक बनाई जा रही 1,917 मीटर लंबी और 60 मीटर चौड़ी अप्रोच रोड से जुड़ा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह सड़क आरजी पुदुर, इरुगुर और चिन्नियामपालयम के कुछ हिस्सों से होकर गुजरती है और 20 मीटर चौड़ी एक स्थानीय सड़क को काटती है, जो अभी इस इलाके की कई रिहायशी और खेती वाली प्रॉपर्टी तक पहुंचने का मुख्य रास्ता है। किसानों का कहना है कि अगर अप्रोच रोड के पूरे हिस्से को दीवारों से घेर दिया जाए, तो उनकी ज़मीनों और आस-पास की सड़कों (जैसे इरुगुर रोड) से उनका ज़रूरी संपर्क टूट जाएगा।

'किसी के साथ अन्याय नहीं होने देंगे', हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष उषा प्रियदर्शनी

पंचकूला। हरियाणा महिला आयोग की नवनियुक्त अध्यक्षा उषा प्रियदर्शनी ने सोमवार को पदभार ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि मुझे बहुत ही महत्वपूर्ण और संवेदनशील जिम्मेदारी सौंपी गई है। मैं प्रदेश की महिलाओं को आश्वस्त करती हूं कि न्याय जरूर मिलेगा। किसी भी तरह से कोई राजनीति नहीं होने दी जाएगी। आयोग निष्पक्ष होकर महिलाओं के मुद्दों को सुलझाएगा और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा।

आईएएनएस से बात करते हुए हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन उषा प्रियदर्शिनी ने कहा कि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। आयोग महिलाओं के लिए न्यायालय है तो जाहिर है कि उन्हें न्याय मिलेगा। पिछले कामों की समीक्षा करने और स्थिति को समझने के बाद, हम अगले कुछ दिनों में एक पूरा रोडमैप तैयार करेंगे। निश्चित तौर पर न्याय करेंगे और किसी के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। महिलाओं से जुड़े किसी भी मामले में कोई राजनीतिकरण नहीं होगा। महिला आयोग समस्त महिलाओं के लिए है। सबके लिए बहुत जरूरी है कि निष्पक्षता से काम हो।

आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेणु भाटिया को लेकर उषा प्रियदर्शिनी ने कहा कि उनका 4.5 साल का कार्यकाल काफी लंबा था। मैं भी उनके साथ बैठकर बातचीत करूंगी। विवाद को लेकर मेरे पास ज्यादा विस्तृत जानकारी नहीं है क्योंकि मैं सीधे तौर पर इस काम में शामिल नहीं थी, इसलिए मैंने इसके बारे में सिर्फ मीडिया के जरिए सुना है। हालांकि, हम न्याय के साथ मजबूती से खड़े हैं। जिस बेटी के साथ हादसा हुआ, उसे न्याय दिलाएंगे। आरोपी को पकड़ा गया है, सख्त से सख्त सजा दिलाने का काम करेंगे।

दूसरी ओर, हरियाणा सरकार में मंत्री रणवीर सिंह गंगवा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और उषा प्रियदर्शिनी पार्टी की बहुत वरिष्ठ और पुरानी कार्यकर्ता हैं, जो कई सालों से संगठन में सक्रिय रही हैं। आज उन्होंने महिला आयोग की जिम्मेदारी संभाली है।

स्पेस टेक्नोलॉजी भारत की ताकतों में से एक, मिलकर अंतरिक्ष क्षेत्र में छू सकते हैं नई ऊंचाइयां: ग्लोबल इंडस्ट्री लीडर्स

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में 15 से 17 जून तक इंडिया स्पेस कांग्रेस (आईएससी) 2026 का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कई देशों के नीति-निर्माता, राजनयिक, अंतरिक्ष विशेषज्ञ और उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। इस सम्मेलन का उद्देश्य भारत के तेजी से विकसित हो रहे अंतरिक्ष क्षेत्र के भविष्य, वैश्विक साझेदारियों और नई तकनीकों पर चर्चा करना है। इस बीच, थाईलैंड की जियो-इन्फॉर्मेटिक्स एंड स्पेस टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट एजेंसी (जीआईएसटीडीए) के उप-कार्यकारी निदेशक फी चूसरी ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि भारत और थाईलैंड के बीच लंबे समय से सहयोगात्मक संबंध रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी एजेंसी थाईलैंड में अंतरिक्ष गतिविधियों और भू-स्थानिक तकनीकों की जिम्मेदारी संभालती है।

उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में भाग लेने के बाद उन्हें भारत के निजी अंतरिक्ष उद्योग की तेजी से बढ़ती क्षमता का बेहतर अंदाजा हुआ है। उनके अनुसार, भविष्य में दोनों देशों के बीच केवल सरकार-से-सरकार (जीटूजी) ही नहीं बल्कि बिजनेस-टू-बिजनेस (बीटूबी) स्तर पर भी सहयोग बढ़ाने की बड़ी संभावनाएं हैं। उन्होंने निजी क्षेत्र को भी इस साझेदारी का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

फी चूसरी ने आईएएनएस से कहा कि अंतरिक्ष तकनीक भविष्य का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र बनने जा रही है। उपग्रहों की लागत में लगातार कमी आ रही है क्योंकि अब उनका उत्पादन बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। इससे आने वाले वर्षों में पृथ्वी की कक्षा में उपग्रहों की संख्या तेजी से बढ़ेगी और उन्हें लॉन्च करने की मांग भी बढ़ेगी।

उन्होंने आगे कहा कि दूरसंचार और पृथ्वी अवलोकन जैसे क्षेत्रों में अंतरिक्ष गतिविधियों का विस्तार तेजी से होगा, जिससे वैश्विक स्तर पर नई आर्थिक और तकनीकी संभावनाएं पैदा होंगी।

इसके साथ ही, भारत में ताइपे आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्र के प्रतिनिधि मुमिन चेन ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भारत अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में दुनिया की अग्रणी ताकतों में से एक बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि इंडिया स्पेस कांग्रेस जैसे मंच अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भारत की उपलब्धियों और उसकी संभावनाओं को करीब से देखने का अवसर प्रदान करते हैं।

मुमिन चेन ने कहा कि ताइवान सेमीकंडक्टर और कंप्यूटर चिप निर्माण में विश्व स्तर पर अग्रणी है और उसके पास अंतरिक्ष तकनीक का भी मजबूत आधार है। उन्होंने बताया कि अतीत में भारत और ताइवान के बीच वैज्ञानिक सहयोग रहा है, लेकिन अब अंतरिक्ष क्षेत्र में व्यावसायिक और रणनीतिक सहयोग की भी व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष तकनीक भविष्य में न केवल वैज्ञानिक बल्कि व्यावसायिक और रक्षा क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। ऐसे में भारत और ताइवान के बीच सहयोग दोनों देशों के लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

छोटी उम्र में सफेद हो रहे बाल? दवा नहीं योगासन से बनेगी बात, रोजाना करें सर्वांगासन का अभ्यास

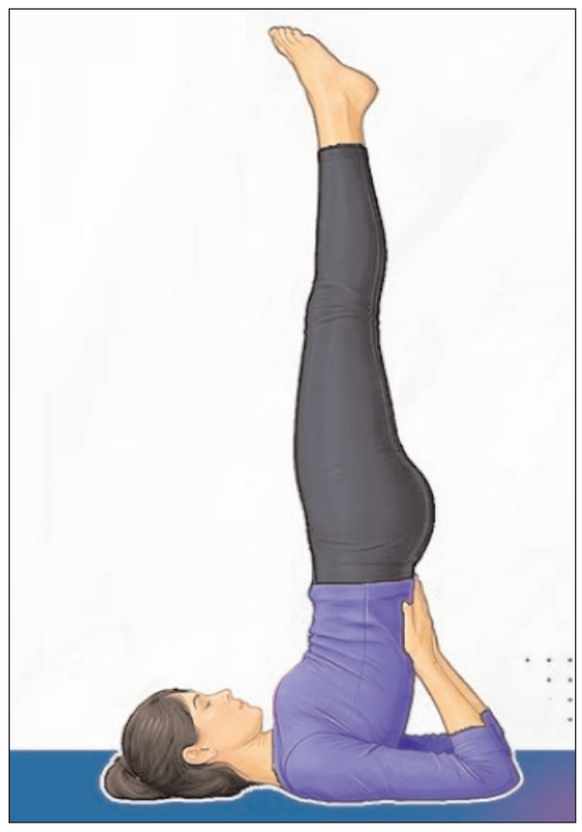

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 (21 जून) अब सिर्फ छह दिन दूर है। इस बार योग दिवस का मुख्य विषय 'योग फॉर हेल्दी एजिंग' रखा गया है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने 'आसनों की रानी' कहे जाने वाले सर्वांगासन के अभ्यास की सलाह दी है, जिससे कई फायदे मिलते हैं।

मंत्रालय के अनुसार, आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी, तनाव और गलत खान-पान की वजह से कई युवा छोटी उम्र में ही बाल सफेद होने की समस्या से परेशान हैं। सर्वांगासन नियमित रूप से करने से इस समस्या को काफी हद तक रोका जा सकता है। यह आसन पूरे शरीर को ऊपर की ओर उल्टा करके ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है, जिससे सिर और स्कैल्प को ज्यादा ऑक्सीजन और पोषण मिलता है। इससे बालों की जड़ें मजबूत होती हैं और समय से पहले सफेद होने की प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है।

सर्वांगासन को कंधे के बल खड़े होने वाला आसन भी कहा जाता है। इसमें व्यक्ति पीठ के बल लेटकर दोनों पैरों को ऊपर उठाता है और पूरे शरीर का भार कंधों पर ले लेता है। सही तरीके से और किसी योग विशेषज्ञ की देखरेख में करने पर यह आसन कई स्वास्थ्य समस्याओं में फायदेमंद साबित होता है।

सर्वांगासन के अभ्यास से कई लाभ मिलते हैं, यह बालों के समय से पहले सफेद होने और बुढ़ापे के अन्य लक्षणों को कम करता है। थायरॉइड और अन्य एंडोक्राइन ग्रंथियों को सक्रिय करके हार्मोन बैलेंस बनाए रखता है। अपच, कब्ज जैसी पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करता है। हार्निया, बवासीर और गर्भाशय संबंधी समस्याओं में राहत पहुंचाता है और साथ ही शरीर में ऊर्जा और स्फूर्ति बढ़ाकर मन को शांत करता है।

आयुष मंत्रालय का कहना है कि योग कोई दवा नहीं है, बल्कि जीवनशैली है। रोजाना सिर्फ 10-15 मिनट सर्वांगासन का अभ्यास करने से लंबे समय तक स्वस्थ बने रहने में मदद मिलती है। हर उम्र के लोगों को इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए।

पोषक तत्वों का खजाना शरीफा : फल के साथ बीज और पत्तियां भी फायदेमंद, जानें इसके अनोखे गुण

नई दिल्ली। प्रकृति ने ऐसे कई फल-फूल दिए हैं, जिनके सेवन से सेहत को भला चंगा रखा जा सकता है। शरीफा या शुगर एप्पल भी ऐसा ही फल है, जो न केवल स्वाद में कमाल बल्कि पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है।

मीठे स्वाद और मलाईदार गूदे के लिए मशहूर शरीफा केवल एक स्वादिष्ट फल ही नहीं, बल्कि सेहत और पर्यावरण दोनों के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। पोषक तत्वों से भरपूर यह फल शरीर को एनर्जी देने के साथ कई स्वास्थ्य लाभ भी पहुंचाता है। खास बात यह है कि इसके फल के अलावा बीज और पत्तियां भी कई तरह से उपयोगी होते हैं।

बिहार सरकार का वन, जल एवं पर्यावरण विभाग शरीफा के गुणों से अवगत कराता है। विभाग के अनुसार, शरीफा के केवल फल नहीं बल्कि इसके बीज और पत्तियां भी उपयोगी होते हैं। इनका इस्तेमाल प्राकृतिक कीटनाशक के रूप में किया जा सकता है। इससे खेती में रासायनिक कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। यही वजह है कि यह पौधा कृषि और पर्यावरण दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है।

शरीफा, जिसे सीताफल, आता और शुगर एप्पल के नाम से भी जाना जाता है, विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन बी-6, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत है। यही कारण है कि इसे स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी फलों में गिना जाता है। इसके नियमित सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और मौसमी बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है।

विशेषज्ञों के अनुसार शरीफा पाचन तंत्र के लिए भी फायदेमंद है। इसमें मौजूद पोषक तत्व पाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाने में मदद करते हैं और शरीर को प्राकृतिक रूप से ऊर्जा प्रदान करते हैं। इसके अलावा यह हृदय स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माना जाता है। इसमें पाए जाने वाले खनिज तत्व शरीर के कई महत्वपूर्ण कार्यों को सुचारु रूप से चलाने में मदद करते हैं।

शरीफा की पहचान उसके हरे रंग और खुरदरी सतह वाले फल से होती है। इसका गूदा मुलायम, मीठा और स्वादिष्ट होता है, जिसे बच्चे और बड़े दोनों पसंद करते हैं। इसके भीतर मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में कारगर है।

शुभांशु शुक्ला ने साझा किया कैनेडी स्पेस सेंटर का अनुभव, दिखाई लॉन्च कॉम्प्लेक्स 39ए की झलक

नई दिल्ली। एस्ट्रोनॉट और एयरफोर्स के ऑफिसर शुभांशु शुक्ला सोशल मीडिया पर अक्सर अपने स्पेस जर्नी और ट्रेनिंग से जुड़े अनुभव, जानकारी साझा करते रहते हैं। इसी कड़ी में उन्होंने नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर के लॉन्च कॉम्प्लेक्स 39ए के दौरे का अनुभव साझा किया है। उन्होंने इस जगह को अपने ट्रेनिंग और मिशन यात्रा का एक बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा बताया।

शुभांशु शुक्ला ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा कि ट्रेनिंग के दौरान उन्हें कई ऐसी जगहों पर जाने का अवसर मिला, जो भविष्य में उनके मिशन का अहम हिस्सा बन सकती हैं। इनमें कैनेडी स्पेस सेंटर का ऐतिहासिक लॉन्च पैड 39ए भी शामिल है। उन्होंने बताया कि वहां पहुंचकर उन्हें एक अलग ही अहसास हुआ, क्योंकि यह वही स्थान है जहां से कई ऐतिहासिक स्पेस मिशन शुरू हुए हैं।

उन्होंने अपने अनुभव को याद करते हुए कहा कि लॉन्च टावर के नीचे खड़े होकर ऊपर देखने पर उन्हें वह ऐतिहासिक पल याद आया, जब यहीं से नील आर्मस्ट्रॉन्ग और उनके साथी चांद की यात्रा पर रवाना हुए थे। उनके अनुसार, भले ही इस लॉन्च पैड को समय के साथ आधुनिक तकनीक के अनुसार बदला गया हो, लेकिन इसकी ऐतिहासिक पहचान आज भी साफ महसूस होती है।

शुभांशु शुक्ला ने यह भी बताया कि वहां एक खास लिफ्ट है, जिसमें केवल दो बटन हैं- 'अर्थ' यानी पृथ्वी और 'स्पेस' यानी अंतरिक्ष। उन्होंने कहा कि यह साधारण दिखने वाला डिजाइन भी लॉन्च के दिन एक गहरा अर्थ और भावनात्मक अनुभव देता है।

उन्होंने अपने पोस्ट में लॉन्च पैड के ऊपरी हिस्से का भी जिक्र किया, जहां से फाल्कन 9 रॉकेट को लॉन्च से पहले देखा जाता है। उन्होंने बताया कि रॉकेट को पहले क्षैतिज स्थिति में लाया जाता है और फिर लॉन्च से पहले उसे सीधा खड़ा किया जाता है। उस जगह खड़े होकर भविष्य में होने वाले मिशन की कल्पना करना उनके लिए बेहद रोमांचक अनुभव था।

शुक्ला ने यह भी लिखा कि पिछले साल ठीक इसी समय जो घटनाएं हो रही थीं, वे अब उन्हें दूर और बेहद करीब दोनों तरह से महसूस होती हैं। उनके अनुसार, यह अनुभव उन्हें स्पेस जर्नी की गंभीरता और रोमांच दोनों का एहसास कराता है।

श्रीलंका में डेंगू के नए स्ट्रेन से संक्रमण का खतरा बढ़ा, रोकथाम के लिए अधिकारियों ने शुरू किया अभियान

कोलंबो। श्रीलंका में डेंगू के मामलों में साल 2026 में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रहा है। श्रीलंका के स्वास्थ्य उप मंत्री हंसाका विजेमुनी ने कहा कि डेंगू वायरस का एक नया स्ट्रेन फैल रहा है, जिससे संक्रमण के प्रसार का खतरा बढ़ गया है। अधिकारियों ने सोमवार को मच्छरों की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण पाने और संक्रमण कम करने के लिए पूरे देश में रोकथाम अभियान शुरू किया।

विजेमुनी ने मीडिया को बताया कि देश में पहले पाए गए स्ट्रेन की तुलना में मौजूदा वायरस में कई बदलाव हैं। श्रीलंका में कई लोग शायद पहले इस वेरिएंट के संपर्क में नहीं आए होंगे, जिससे आबादी का एक बड़ा हिस्सा संक्रमण के प्रति संवेदनशील हो गया है।

श्रीलंका में इस साल अब तक डेंगू के 41,144 मामले सामने आए हैं, जबकि 24 मौतें हुई हैं। मरने वालों में चार बच्चे भी शामिल हैं। बढ़ते मामलों को रोकने के लिए, सरकार ने 15 से 20 जून तक डेंगू रोकथाम सप्ताह शुरू किया है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, 15 से 17 जून तक, यह प्रोग्राम पूरे आइलैंड में पब्लिक जगहों पर फोकस करेगा। इसके बाद 18 जून को यह शिक्षा क्षेत्र में जाएगा, जिसमें स्कूल, प्रीस्कूल, प्राइवेट स्कूल और बच्चों वाले दूसरे संस्थान शामिल होंगे।

19 जून को पब्लिक और प्राइवेट वर्कप्लेस को टारगेट किया जाएगा, जबकि 20 जून को घरों और आस-पास के माहौल की जांच और सफाई के लिए रखा गया है।

विजेमुनी ने कहा कि स्वास्थ्य अधिकारियों को डेंगू के मामलों में समय-समय पर बढ़ोतरी का अंदाजा था और उन्होंने ऐसी स्थिति के लिए तैयारी कर ली थी। उन्होंने कहा कि सरकार का रिस्पॉन्स मच्छरों की आबादी कम करने और यह सुनिश्चित करने पर है कि मरीजों को उनकी हालत बिगड़ने से पहले, सही समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं मिले।

उन्होंने लोगों से मच्छरों के पनपने की जगहों को हटाने और रोकथाम की कोशिशों में मदद करने की भी अपील की और जोर देकर कहा कि सिर्फ़ सरकारी कार्रवाई इसे फैलने से रोकने के लिए काफी नहीं होगी।

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि श्रीलंका के कानून के तहत मच्छरों के पनपने की जगहों को रोकने में नाकाम रहने पर सजा हो सकती है। जो लोग गंदे माहौल में डेंगू मच्छरों के पनपने में मदद करते हैं।

हार्ट हेल्थ के लिए रामबाण हैं योगासन, तनाव और चिंता से मिलेगी राहत

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस को कुछ ही दिन रह गए हैं। ऐसे में भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने दिल की सेहत को लेकर महत्वपूर्ण सलाह दी है। मंत्रालय के अनुसार, व्यस्त जीवनशैली में लोग अपनी उपलब्धियों और कमाई पर तो ध्यान देते हैं, लेकिन दिल की देखभाल करना अक्सर भूल जाते हैं। जबकि दिल ही हमारी जिंदगी की हर धड़कन को संजोकर रखता है।

हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि ज्यादा पाने, ज्यादा कमाने और ज्यादा करने की भागदौड़ में हम उस अंग को नजरअंदाज कर देते हैं जो बिना थके दिन-रात काम करता रहता है। स्वस्थ दिल लंबी और खुशहाल जिंदगी की नींव है। मंत्रालय ने योगासन, ध्यान और प्राणायाम को दिल की सेहत के लिए बेहद जरूरी बताया है।

योग और ध्यान से मन शांत रहता है, तनाव कम होता है और भावनात्मक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। नियमित योगाभ्यास से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है, कोलेस्ट्रॉल लेवल संतुलित होता है और हृदय की मांसपेशियां मजबूत बनती हैं। आसन जैसे भुजंगासन, शवासन, अनुलोम-विलोम प्राणायाम और सूर्य नमस्कार दिल की सेहत सुधारने में खास भूमिका निभाते हैं। ये आसन रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं और हृदय को स्वस्थ रखते हैं।

भुजंगासन: -पेट के बल लेटकर शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर उठाया जाता है। यह रीढ़ को मजबूत बनाता है और पीठ दर्द में लाभकारी माना जाता है।

शवासन:- पीठ के बल पूरी तरह आराम की मुद्रा में लेटना। यह मानसिक तनाव कम करने और शरीर को विश्राम देने में मदद करता है।

अनुलोम-विलोम प्राणायाम: - एक नासिका से श्वास लेकर दूसरी से छोड़ने की श्वास प्रक्रिया।

गर्मियों में बाहर के खाने को कहें ना, घर पर बनाएं चटपटे अचारी आलू, जानें विधि

नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में हेल्थ एक्सपर्ट अक्सर लोगों को बाहर के तले-भुने और खुले खाने से परहेज करने की सलाह देते हैं। ऐसे समय में घर का बना हल्का लेकिन स्वादिष्ट भोजन सबसे बेहतर विकल्प माना जाता है। अगर आपको चटपटा और मसालेदार खाना पसंद है तो अचारी आलू एक बेहतरीन डिश हो सकती है, जो स्वाद और सेहत दोनों का संतुलन बनाए रखती है।

गर्मी के मौसम में तेज धूप और नमी के कारण बाहर का खाना जल्दी खराब हो सकता है और पेट संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है। ऐसे में अगर आपको चटपटा और तीखा स्वाद बहुत पसंद है तो घर पर ही अचारी आलू बनाकर लुत्फ उठाइए। यह न सिर्फ स्वादिष्ट है बल्कि सेहत के लिए भी सुरक्षित विकल्प है।

अचारी आलू देसी रसोई का एक क्लासिक व्यंजन है। इसमें आलू को अचार वाले खास मसालों जैसे सौंफ, मेथी, राई, कलौंजी और सरसों के तेल के साथ पकाया जाता है। खट्टा-तीखा और मसालेदार स्वाद इसे हर किसी का पसंदीदा बना देता है। यह नाश्ते में, लंच बॉक्स में, दोपहर के भोजन के साथ या शाम की चाय के साथ भी परोसा जा सकता है।

इस डिश को बनाने की सबसे अच्छी बात यह है कि यह आसानी से घर पर तैयार हो जाती है। गर्मियों में जब भारी खाना पचाना मुश्किल हो जाता है, तब अचारी आलू हल्का स्वादिष्ट विकल्प साबित होता है। सरसों का तेल इसमें न सिर्फ स्वाद

हॉकी विमेंस नेशंस कपः भारतीय टीम ने जीत के साथ किया आगाज, रोमांचक मैच में अमेरिका को 3-2 से हराया

ऑकलैंड। भारतीय विमेंस हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी विमेंस नेशंस कप का आगाज जीत के साथ किया है। भारत की बेटियों ने मैच में दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए पूल एक के मुकाबले में अमेरिका को 3-2 से हराया।

भारतीय टीम की ओर से इस मुकाबले में दीपिका ने दो, नवनीत कौर ने एक गोल किया। दीपिका को उनके दमदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। अमेरिका ने मैच की शानदार शुरुआत की और एश्ले सेसा ने चौथे मिनट में फील्ड गोल करके टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। अमेरिका ने महज तीन मिनट बाद ही अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। मैडेलिन जिमर ने सातवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत पर शुरुआती दबाव बना दिया। दो गोल से पीछे चल रही भारतीय टीम ने धीरे-धीरे अटैक में अपनी पकड़ बनानी शुरू की। दूसरे क्वार्टर में उनकी कोशिशें रंग लाईं, जब ड्रैग-फ्लिक स्पेशलिस्ट दीपिका ने 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को सफलतापूर्वक गोल में बदलकर स्कोर कम किया और भारत को मैच में वापस ला दिया। मोमेंटम भारत के पक्ष में जाता रहा और क्वार्टर के बीच में उन्हें एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। दीपिका ने 24वें मिनट में फिर से शानदार प्रदर्शन किया और एक और पेनल्टी कॉर्नर को सफलतापूर्वक गोल में बदलकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।

इसके बाद भारत ने दबाव कायम रखा और हाफटाइम से पहले शानदार वापसी की। मैच के 28वें मिनट में नवनीत कौर ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करते हुए भारत को पहली बार मुकाबले में बढ़त दिलाई, जो मैच के अंत तक कायम रही। दूसरे हाफ में भारत और अमेरिका ने गोल की तलाश में जोरदार मुकाबला किया। दोनों टीमों को मैच के दौरान छह-छह पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन बाकी दो क्वार्टर में किसी भी डिफेंस ने कोई और गोल नहीं होने दिया।

भारत ने आखिरी स्टेज में अपनी बढ़त बनाए रखी और जीत के साथ तीन प्वाइंट्स हासिल किए।

फीफा वर्ल्ड कपः स्वीडन का दमदार आगाज, ट्यूनीशिया को 5-1 से रौंदा

मॉन्टेरी । फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप एफ मुकाबले में सोमवार को स्वीडन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्यूनीशिया को 5-1 से रौंदा। मॉन्टेरी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में स्वीडन का पूरी तरह से दबदबा देखने को मिला और टीम ने ट्यूनीशिया को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया।

स्वीडन की ओर से यासीन अयारी, अलेक्जेंडर इसाक और विक्टर ग्योकेरेस ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और टीम की बड़ी जीत में अहम भूमिका निभाई। मैच की शुरुआत से ही स्वीडन ने आक्रामक खेल दिखाया और ट्यूनीशिया के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाए रखा। पहले हाफ में ही स्वीडन ने पहला गोल करते हुए 1-0 की बढ़त हासिल की।

यासीन अयारी ने बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाते हुए मैच का पहला गोल दागा। इसके कुछ समय बाद अलेक्जेंडर इसाक ने विक्टर ग्योकेरेस के बेहतरीन पास पर गोल करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। स्वीडन लगातार हमले करता रहा और ट्यूनीशिया को अटैक करने का कोई मौका नहीं दिया।

हालांकि, ट्यूनीशिया ने भी वापसी की कोशिश की और उमर रेकिक ने हैनिबल मेजबरी के क्रॉस पर हेडर लगाकर अपनी टीम के लिए पहला गोल किया। रेकिक के गोल से ट्यूनीशिया के फैंस की उम्मीदें जागीं और स्कोर 2-1 हो गया। मगर मैच के दूसरे हाफ में स्वीडन ने जबरदस्त खेल दिखाया और मुकाबले को एकतरफा कर दिया। ट्यूनीशिया के डिफेंस की गलती का फायदा उठाते हुए अलेक्जेंडर इसाक ने गेंद छीनी और विक्टर ग्योकेरेस को पास दिया। इसके बाद ग्योकेरेस ने आसान फिनिश करते हुए स्कोर 3-1 कर दिया।

इसके बाद बतौर सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी मैदान पर उतरे मैटियास स्वानबर्ग ने स्वीडन के लिए चौथा गोल दागा और ट्यूनीशिया की वापसी करने की उम्मीदों को झकझोर रख दिया। स्वीडन का आक्रामक खेल यहीं नहीं रुका। मैच के अंतिम हिस्से में यासीन अयारी ने एक और शानदार लंबी दूरी का शॉट लगाकर अपना दूसरा गोल किया और टीम की 5-1 की बड़ी जीत पक्की कर दी।

इस मुकाबले में बेहतरीन पासिंग और आक्रामक खेल दिखाने के साथ-साथ स्वीडन का डिफेंस भी काफी मजबूत नजर आया। दूसरी ओर, ट्यूनीशिया की टीम कई मौकों पर संघर्ष करती दिखी और डिफेंस में हुई गलतियों की वजह से उसे भारी नुकसान उठाना पड़ा।

फीफा वर्ल्ड कपः मैच रहा ड्रॉ पर जापान के फैंस ने जीता दिल, स्टेडियम में चलाया सफाई अभियान

नई दिल्ली । फीफा वर्ल्ड कप 2026 में जापान और नीदरलैंड्स के बीच खेला गया मुकाबला 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ। भले ही नतीजा जापान के पक्ष में नहीं आया लेकिन टीम के फैंस ने हर किसी का दिल जीत लिया।

दरअसल, जापान और नीदरलैंड्स का मैच खत्म होने के बाद जापान के फैंस स्टेडियम की सफाई करते हुए नजर आए। उन्होंने इधर-उधर पड़े कूड़े को उठाया और सीटों के आसपास पड़ी गंदगी को भी साफ करते हुए दिखाई दिए। फीफा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जापानी फैंस का यह दिल जीत लेने वाला वीडियो शेयर किया। वीडियो में टीम की एक फैन ने बताया कि वह खिलाड़ियों और स्टेडियम का सम्मान करते हैं और यहां पर आकर गर्व महसूस कर रहे हैं, और इसी कारण से वह यहां की सफाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह स्टेडियम को गंदा छोड़कर नहीं जाना चाहते हैं। इस बर्ताव के चलते जापानी टीम के फैंस की पूरी दुनिया में तारीफ हो रही है। जापान ने नीदरलैंड्स को मुकाबले में कड़ी टक्कर दी। पहले हाफ में नीदरलैंड्स ने गोल करने के कई प्रयास किए, लेकिन जापान के डिफेंस ने उन्हें अपने इरादों में कामयाब नहीं होने दिया।

गोल्फः वाराणसी में 16-18 जून के बीच नेक्सजेन इवेंट, जानिए कितनी है प्राइज मनी?

वाराणसी । प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई) वाराणसी में नेक्सजेन सीजन के छठे इवेंट के साथ अपनी शुरुआत करेगा। 25 लाख रुपए की इनामी राशि वाला यह इवेंट 16 से 18 जून तक बीएलडब्ल्यू ग्रीन्स गोल्फ कोर्स में खेला जाएगा।

यह इवेंट तीन राउंड (54 होल्स) में खेला जाएगा और दो राउंड (36 होल्स) के बाद 'कट' लागू होगा। टॉप-36 खिलाड़ी और टाई वाले खिलाड़ी तीसरे और आखिरी राउंड के लिए 'कट' पार करेंगे।

टूर्नामेंट में 72 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इसमें शामिल प्रमुख खिलाड़ियों में सुनीत चौरसिया (2026 डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई नेक्सजेन ऑर्डर ऑफ मेरिट लीडर), राजेश कुमार गौतम, बिपिन मुखिया, अभिषेक कुमार, आदित्य राज सिंह चहल और विनय कुमार यादव के साथ-साथ 15 वर्षीय अर्जुनवीर शिशिर शामिल हैं। वाराणसी के दो खिलाड़ी इमाम-उल-हक और हेमंत यादव भी इसमें हिस्सा ले रहे हैं।

इस साल के नेक्सजेन ऑर्डर ऑफ मेरिट के विजेता को 2026 सीजन के लिए मेन टूर (डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई) में खेलने का मौका मिलेगा।

डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के सीईओ अमनदीप जोहल ने कहा, 'पहली बार वाराणसी में डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई नेक्सजेन इवेंट आयोजित करवाना हमारे लिए गर्व की बात है, क्योंकि यह हमारे सम्मानित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र भी है। यह इवेंट प्रोफेशनल गोल्फ को पारंपरिक केंद्रों से आगे ले जाकर भारत के दिल तक पहुंचाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वाराणसी की समृद्ध विरासत और गोल्फ के प्रति उत्साही समुदाय इसे एक आदर्श मेजबान बनाते हैं। हम युवा प्रोफेशनल्स को प्रतिस्पर्धा करने और आगे बढ़ने के लिए जरूरी मंच देने के लिए उत्सुक हैं। इस टूर्नामेंट का मकसद वाराणसी में प्रोफेशनल गोल्फ को बढ़ावा देना और शहर के ज्यादा से ज्यादा युवाओं को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करना भी है।'

बीएलडब्ल्यू ग्रीन्स के सचिव अनुराग गुप्ता ने कहा, 'हमें गर्व और खुशी है कि बीएलडब्ल्यू ग्रीन्स, वाराणसी अपने पहले डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई नेक्सजेन इवेंट की मेजबानी कर रहा है। यह न सिर्फ हमारे क्लब के लिए, बल्कि वाराणसी में गोल्फ के विकास के लिए भी एक अहम पल है। इतने बड़े स्तर के प्रोफेशनल टूर्नामेंट की मेजबानी करने से वाराणसी राष्ट्रीय गोल्फिंग मैप पर आ गया है और इससे स्थानीय गोल्फ फैंस, युवा खिलाड़ियों और आम लोगों को बेहतरीन स्तर का प्रोफेशनल गोल्फ देखने का मौका मिलेगा। हम खिलाड़ियों, अधिकारियों, पार्टनर और दर्शकों को शानदार अनुभव देने के लिए उत्सुक हैं।

लैमिन यमल फिट हैं, लेकिन वह शुरुआती एकादश में शामिल नहीं होंगे : कोच डे ला फुएंते

अटलांटा । स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने बताया है कि स्टार खिलाड़ी लैमिन यमल तेजी से रिकवर हो रहे हैं, लेकिन वह सोमवार को केप वर्डे के खिलाफ होने वाले टीम के फीफा वर्ल्ड कप 2026 के पहले मैच में शुरुआती एकादश में शामिल नहीं होंगे।

लैमिन यमल अप्रैल से चोट के कारण टीम से बाहर चल रहे थे। उन्हें यह चोट सेल्टा विगो के खिलाफ बार्सिलोना के ला लीगा मैच में पेनल्टी लेते समय हैमस्ट्रिंग फटने के कारण लगी थी। चोट के बाद से वह पूरी तरह मैदान से दूर हैं और अब धीरे-धीरे रिकवरी कर रहे हैं। सिन्हुआ के मुताबिक, डे ला फुएंते ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'वह अच्छी कंडीशन में हैं जैसा हमने सोचा था, वह समय पर ठीक हो गए। सभी चोटिल खिलाड़ी अच्छी तरह से ठीक हो गए हैं और वे सभी खेलने के लिए फिट हैं, लेकिन लैमिन, विक्टर (मुनोज) और निको (विलियम्स) मैच की शुरुआत नहीं करेंगे, उनका खेलने का समय इस बात पर निर्भर करेगा कि मैच कैसा होता है।'

स्पेन को फीफा वर्ल्ड कप 2026 में खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। कोच लुइस डे ला फुएंते ने अपनी टीम की ताकत पर भरोसा जताया है। हालांकि, उन्होंने खिलाड़ियों को सतर्क रहने और किसी भी तरह की लापरवाही से बचने की चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा, 'इसका मतलब है कि हमारे पिछले प्रदर्शन को बाहर के लोगों ने पहचाना है और उन्होंने हमें खिताब के दावेदारों में से एक माना है। हालांकि, टूर्नामेंट में कई फेवरेट टीमें होती हैं, फिर भी जीतकर चैंपियन सिर्फ एक ही बनता है। यह जरूरी नहीं है कि फेवरेट टीम ही फाइनल जीते, क्योंकि कई बार अंडरडॉग टीमें भी अच्छा प्रदर्शन करके बड़ा उलटफेर कर देती हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'हमें अपने अभियान की शुरुआत मजबूती से करनी होगी और शुरुआती जीत हमारे आने वाले मुकाबलों के लिए मजबूत आधार तैयार करेगी। इंटरनेशनल टूर्नामेंट की शुरुआत में हालात के अनुसार खुद को ढालना पड़ता है और यहां गलतियों की बहुत कम गुंजाइश होती है।

यह ड्रॉ हमें आत्मविश्वास देगा पर जीत दर्ज न कर पाने का अफसोस : कोच मोरियासु

डलास (अमेरिका)। जापान फुटबॉल टीम के मुख्य कोच हाजिमे मोरियासु ने कहा कि फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप एफ के पहले मैच में नीदरलैंड्स के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलकर उनकी टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि टीम को जीत हासिल नहीं कर पाने का अफसोस जरूर है।

जापान ने मुकाबले में शानदार जुझारूपन दिखाया। टीम दो बार पीछे होने के बावजूद हर बार वापसी करने में सफल रही और आखिरकार मजबूत मानी जाने वाली नीदरलैंड्स टीम के खिलाफ एक महत्वपूर्ण अंक हासिल किया। मोरियासु ने कहा कि उनकी टीम ने कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी और अंत तक संघर्ष करती रही। कोच के मुताबिक, इस प्रदर्शन से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा, लेकिन टीम को यह भी महसूस हो रहा है कि उसके पास मैच जीतने का मौका था।

'सिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, मोरियासु ने कहा, 'मैं सिर्फ एक प्वाइंट से खुश नहीं हूं, लेकिन मेरा मानना ??है कि यह प्वाइंट एक प्वाइंट से कहीं ज्यादा कीमती है। खिलाड़ियों ने हमारे गेम प्लान को अच्छी तरह से लागू किया और दबाव में भी दमदार प्रदर्शन किया। दो बार वापसी करने से हमें बहुत आत्मविश्वास मिला है।'

उन्होंने एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जापान के मजबूत इरादे की जमकर तारीफ की।मोरियासु ने कहा, 'नीदरलैंड्स एक बेहद मजबूत टीम है। हमारे खिलाड़ी पूरे मैच में एकजुट रहे, उन्होंने शानदार संघर्ष और लड़ने का जज्बा दिखाया। हम जीत हासिल नहीं कर पाने से निराश जरूर हैं, लेकिन यह मुकाबला हमें आगे के मुकाबलों के लिए काफी आत्मविश्वास और सीख देगा।'

मोरियासु ने कहा कि जापान दुनिया की शीर्ष टीमों से सीखते हुए लगातार बेहतर बन रहा है। उन्होंने बताया कि यूरोप के बड़े क्लबों और लीगों में खेलने वाले जापानी खिलाड़ियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे टीम को इंटरनेशनल लेवल पर मजबूत होने में मदद मिल रही है।

इंग्लैंड को लगा बड़ा झटका, न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए ओली रॉबिन्सन

नई दिल्ली। इंग्लैंड को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले बड़ा झटका लगा है। इंग्लिश तेज गेंदबाज ओली रोबिन्सन दाहिने घुटने की चोट के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं।

रॉबिन्सन इस सीरीज में दो साल बाद टेस्ट टीम में लौटे थे। पहले टेस्ट में लॉर्ड्स के मैदान पर उनका प्रदर्शन शानदार रहा था और उन्होंने 7 विकेट लेकर इंग्लैंड को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, रॉबिन्सन की नई इंजरी ने उनकी फिटनेस को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। रोबिन्सन ने अपना आखिरी टेस्ट मुकाबला फरवरी 2024 में रांची में खेला था, जहां उन्होंने सिर्फ 13 ओवर ही गेंदबाजी की थी। वहीं, रोबिन्सन दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर सके थे।

हालांकि, इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बताया है कि रोबिन्सन टीम के साथ ही रहेंगे। अब देखना यह दिलचस्प होगा कि वह 25 जून से ट्रेंट ब्रिज में होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए फिट हो पाते हैं या नहीं। रॉबिन्सन का न होना इंग्लैंड के लिए बड़ा झटका है। टीम के नियमित कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को नाइट क्लब विवाद को लेकर जारी जांच की वजह से दूसरे टेस्ट के लिए टीम में नहीं चुना गया है।

इंग्लैंड का प्रदर्शन लॉर्ड्स के मैदान पर खेले गए पहले टेस्ट में शानदार रहा था। मेजबान टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 115 रनों से हराया था। इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के आगे न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने दोनों ही पारियों में आसानी से घुटने टेक दिए थे। पहली पारी में इंग्लैंड द्वारा बनाए गए 140 रनों के जवाब में न्यूजीलैंड की पूरी टीम 113 रन बनाकर ढेर हो गई थी।

वहीं, दूसरी इनिंग में इंग्लैंड ने एमिलियो गे की अर्धशतकीय पारी के बूते 226 रन बनाए थे। हालांकि, दूसरी पारी में न्यूजीलैंड की पूरी टीम सिर्फ 138 रन बनाकर सिमट गई थी। इंग्लैंड की तरफ से पहली पारी में ओली रोबिन्सन ने 5 विकेट झटके थे, जबकि दूसरी इनिंग में गस एटकिंसन ने 30 रन देकर 5 विकेट निकाले थे।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415